kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❑ वर्ष-15 ❑ अंक-154 ❑ शनिवार, 04 जुलाई 2026 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को सिविल अस्पताल में भर्ती समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का हाल चाल लिया और उन्हें जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

प्रधानमंत्री पचपदरा से आज एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी राष्ट्र को करेंगे समर्पित 11

'स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली' परियोजना सितंबर से 12

मुख्यमंत्री ने किया डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के नवीन परिसर का लोकार्पण

यूपी की नौकरशाही पॉलिसी पैरालिसिस की शिकार नहीं : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❑ गुणवत्ता, विश्वास व वैश्विक मानकों पर खरा उतरे यूपी का आम : मुख्यमंत्री योगी

❑ मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया आम महोत्सव-2026 का शुभारंभ

❑ स्टॉल्स का अवलोकन किया और आम की 800 प्रजातियों के बारे में जानकारी ली

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की नौकरशाही अब पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार नहीं है, बल्कि पूरी तेजी के साथ विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दौड़ने को तैयार है। विकसित भारत की आधारशिला उत्तर प्रदेश बनेगा और इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक गांव, कस्बे और वार्ड को आत्मनिर्भर बनाना होगा। राजनीतिक नेतृत्व केवल विजन दे सकता है, लेकिन उसे धरातल पर उतारने की पूरी ताकत प्रशासनिक मशीनरी के पास होती है। इसलिए प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सकारात्मक कार्यसंस्कृति बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के 464 करोड़ रुपये से अधिक लागत से 22 एकड़ से ज्यादा क्षेत्रफल में निर्मित अत्याधुनिक नवीन परिसर का लोकार्पण करने के उपरांत प्रशासनिक अधिकारियों और प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भवन का उद्घाटन किया और परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न सुविधाओं व व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अकादमी को भारत के अग्रणी स्कूल ऑफ पब्लिक लीडरशिप के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। नॉलेज टू डेवलपमेंट, डेवलपमेंट टू पब्लिक ट्रस्ट और पब्लिक ट्रस्ट टू नेशन बिल्डिंग की संकल्पना को साकार करने में यह संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसी उद्देश्य से आधुनिक सुविधाओं से युक्त अकादमी का निर्माण कराया गया है। एकला चलो की सोच या टीम को कमजोर करने की मानसिकता से अच्छे परिणाम नहीं मिल सकते। टीमवर्क, सकारात्मक सोच और नवाचार ही सफलता का आधार हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार सीखते रहने, तकनीक आधारित सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और नवाचार को अपनाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पिछले नौ वर्षों की विकास यात्रा स्वयं बहुत कुछ कहती है। शासन व आमजन के बीच प्रशासनिक अधिकारी सबसे महत्वपूर्ण सेतु होते हैं। यदि यह सेतु मजबूत होगा तो सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा और जनता की धारणा भी सकारात्मक बनेगी। वर्ष 2017 से पहले दो-तीन दशकों तक उत्तर प्रदेश की छवि बेहद नकारात्मक हो गई थी। लोग मानने लगे थे कि देश की कोई भी योजना उत्तर प्रदेश में सफल नहीं हो सकती। इसके लिए केवल प्रशासनिक अधिकारी ही नहीं, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व भी जिम्मेदार था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी नई पहचान बनाई है। आज प्रदेश देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना चुका है। सुरक्षा, सुशासन, क्राउड मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी आधारित सुधार और प्रशासनिक ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम महोत्सव का किया शुभारंभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नौवें तीन दिवसीय आम महोत्सव का उद्घाटन किया। 'आम महोत्सव 2026' की स्मारिका का विमोचन किया। साथ ही प्रगतिशील बागवानों को सम्मानित भी किया।
इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने महोत्सव के सफल आयोजन में मुख्यमंत्री के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उद्यान मंत्री ने बताया कि इस महोत्सव में 800 से अधिक प्रकार के आम प्रदर्शित किए गए, जो बच्चों और अभिभावकों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करते हैं।
यह महोत्सव तीन स्थानों पर आयोजित किया गया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, मलिहाबाद के बागानों में किसानों के साथ और जनभवन में राज्यपाल के साथ किया गया। इसका उद्देश्य राज्य के किसानों की समृद्धि और खुशहाली को बढ़ावा देना है।
उद्यान विभाग द्वारा किए गए नवाचारों में आम की गुणवत्ता सुधारने के लिए पेपर बैग तकनीक का उपयोग, निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड का गठन, हाई-टेक नर्सरी की स्थापना और कमल की खेती को बढ़ावा देना शामिल है। उद्यान मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में हाई-टेक ● शेष पेज 11 पर

निकाह, हलाला और तीन तलाक की आड़ में शोषण, पर्सनल लॉ की आड़ में अपराध स्वीकार नहीं : हाईकोर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कथित निकाह हलाला मामले में 09 लोगों के खिलाफ एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, तो आपराधिक कानून को पर्सनल लॉ के अधीन नहीं किया जा सकता। दरअसल, एक महिला से निकाह हलाला के नाम पर उसके साथ यौन शोषण किया गया।

उच्च न्यायालय ने अमरोहा के निकाह, हलाला और ट्रिपल तलाक से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि देश का आपराधिक कानून किसी भी व्यक्तिगत कानून या धार्मिक प्रथा के अधीन नहीं हो सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि यदि किसी मामले में गंभीर आपराधिक आरोप सामने आते है तो केवल पर्सनल लॉ का हवाला देकर एफआईआर को रद्द नहीं किया जा सकता। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिविजन बेंच ने कथित 'निकाह हलाला' के नाम पर एक महिला के यौन शोषण और गैंग रेप के मामले में यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने 09 आरोपियों को नहीं दी राहत न्यायालय ने कहा कि सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह मामला हमारे समाज के एक ऐसे हिस्से की तस्वीर पेश करता है जो संवैधानिक मूल्यों और समानता, निजता, व्यक्तिगत गरिमा और संविधान के अनुच्छेद 21 और 14 के उद्देश्यों से बहुत दूर है। कोर्ट ने इस मामले में शामिल सभी नौ आरोपियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

यह मामला उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के थाना सैदनगली का है। पीड़िता का निकाह ● शेष पेज 11 पर

भारत-बांग्लादेश के बीच मिताली, बंधन और मैत्री एक्सप्रेस के दोबारा शुरू होने की उम्मीद

एजेंसी

सिलीगुड़ी। लंबे इंतजार के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच एक बार फिर रेल सेवाएं शुरू होने की उम्मीद तेज हो गई है। 'मिताली एक्सप्रेस' के दोबारा पटरी पर लौटने के साथ-साथ 'बंधन और मैत्री एक्सप्रेस' के भी पुनः संचालन की संभावना जताई जा रही है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर बातचीत और बांग्लादेश में भारतीय वीजा केंद्रों के पूर्ण रूप से फिर से चालू होने से यह उम्मीद और मजबूत हुई है। सूत्रों के अनुसार, दोनों देशों के रेलवे अधिकारियों के बीच लगातार बैठकें हो रही हैं, जिनमें ट्रेनों के रूट, ट्रैक की स्थिति और अन्य जरूरी बुनियादी ढांचे का जायजा लिया जा रहा है। यदि सभी तैयारियां समय पर पूरी हो जाती हैं, तो इसी महीने के भीतर ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो सकती हैं। उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि मिताली एक्सप्रेस के संचालन को लेकर अभी कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई है। उच्च स्तर के निर्देश पर ट्रैक और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति का आकलन किया जा रहा है और रिपोर्ट संबंधित विभागों को भेजी जा रही है। गौरतलब है कि, 2024 के जुलाई-अगस्त में बांग्लादेश में आंतरिक अशांति और राजनीतिक बदलाव के चलते सुरक्षा कारणों से भारत सरकार ने मैत्री, बंधन और मिताली तीनों यात्री ट्रेनों का संचालन ● शेष पेज 11 पर

कानपुर: 138 करोड़ की नमामि गंगे परियोजना को मिली रफ्तार : रमेश अवस्थी

कानपुर । मां गंगा को निर्मल और अविरल बनाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 138 करोड़ रुपये की इस परियोजना के समयबद्ध पूरा होने से कानपुर में गंगा संरक्षण को नई दिशा मिलेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को मजबूती मिलेगी। यह बातें शुक्रवार को कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने नमामि गंगे परियोजना की समीक्षा बैठक में कहीं।

सांसद रमेश अवस्थी ने अपने आवास पर उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) और गंगा प्रदूषण नियंत्रण परियोजना से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर नमामि गंगे परियोजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गंगा में गिरने वाले 14 प्रमुख नालों ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

असम में शुरू हुआ माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन, देश का पहला राज्य बना

गुवाहाटी । असम ने चाय उद्योग में एक नई उपलब्धि हासिल करते हुए भारत का पहला राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है, जहां माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी देते हुए बताया कि तिनसुकिया जिले के छोटा तिंगराई टी एस्टेट में माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि असम की गौरवशाली चाय विरासत को नई पहचान देने के साथ-साथ राज्य के चाय उद्योग में विविधीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि वैश्विक स्तर पर तेजी से लोकप्रिय हो रही माचा चाय के उत्पादन से अंतरराष्ट्रीय बाजार में 'असम टी' ब्रांड को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह सफलता भारत-जापान के बीच एक दशक से अधिक समय से चल रहे सहयोग का परिणाम है। इस साझेदारी के तहत जापान की उन्नत तकनीक, विशेषज्ञता और माचा उत्पादन से संबंधित आधुनिक मशीनरी असम पहुंची, जिससे राज्य में व्यावसायिक स्तर पर माचा चाय का उत्पादन संभव हो सका। मुख्यमंत्री के अनुसार, असम में तैयार माचा चाय की पहली खेप गुवाहाटी टी ऑक्शन सेंटर में 13,000 रुपये की कीमत पर बिकी, जो इस प्रीमियम उत्पाद की मजबूत बाजार मांग को दर्शाती है।

सरकार ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण कंटेंट को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों पर मेटा को किया तलब

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर मेटा को तलब किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपने मंत्रालय के अधिकारियों को ऐसा करने के निर्देश दिए थे। सूत्रों के अनुसार, मंत्री ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस गंभीर मामले में मेटा से जवाब तलब करें और यह स्पष्ट करें कि ऐसे विज्ञापन प्लेटफॉर्म पर कैसे प्रसारित हुए। मंत्रालय इस पूरे मामले में कंपनी से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगेगा।
एक मीडिया जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है ।

तमिलनाडु बजट : मुख्यमंत्री विजय की मैराथन समीक्षा बैठकें जारी, चुनावी वादों को बजट में उतारने की तैयारी तेज

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के अपने पहले पूर्ण बजट की तैयारियों को लगभग अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री विजय की अध्यक्षता में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं, बजटीय आवश्यकताओं और नई घोषणाओं पर विस्तार से मंथन किया गया। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला अवसर है जब विजय सरकार अपना पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। ऐसे में इस बजट को नई सरकार की नीतियों, चुनावी घोषणाओं और अगले पांच वर्षों के विकास रोडमैप का आधार माना जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु विधानसभा का अगला सत्र जुलाई के अंतिम सप्ताह अथवा अगस्त के पहले सप्ताह में बुलाया जा सकता है। इसी सत्र में वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश किए जाने की संभावना है। इसे देखते हुए सभी विभागों से योजनाओं, परियोजनाओं और वित्तीय आवश्यकताओं का अंतिम आकलन कराया जा रहा है ताकि बजट दस्तावेज को अंतिम रूप दिया जा सके। राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा है कि इस बार का बजट सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के चुनावी घोषणा पत्र का प्रतिबिंब हो सकता है। चुनाव प्रचार के दौरान किए गए कई प्रमुख वादों को बजट के माध्यम से लागू करने की तैयारी चल रही है। सूत्रों के मुताबिक सरकार महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसके अलावा प्रत्येक परिवार को वर्ष में छह रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के वादे को भी चरणबद्ध तरीके से लागू करने के विकल्पों पर मंथन जारी है। हालांकि सरकार इन ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी मेदांता अस्पताल पहुंचे, महंत नृत्य गोपाल दास का जाना हालचाल

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास का हाल-चाल जानने के लिए मेदांता अस्पताल पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास के स्वास्थ्य की जानकारी चिकित्सकों से ली और उनके बेहतर उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने महंत जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। महंत नृत्य गोपाल दास का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा की। मुख्यमंत्री ने लिखा कि श्री मणिरामदास छावनी के पूज्य महंत एवं श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास जी महाराज से आज लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भेंट कर उनका कुशल-क्षेम जाना तथा चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी ली। प्रभु श्री राम की कृपा से उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो, यही प्रार्थना है।

यूपी के एटा में कंटेनर ने रोडवेज बस यात्रियों को रौंदा, पांच की मौत

एजेंसी

एटा । उत्तर प्रदेश के एटा जिले के बागवाला थाना क्षेत्र में शुक्रवार को तड़के एक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 11 लोग घायल हो गए। हादसा कीलरमाऊ गांव के पास उस समय हुआ, जब खराब होकर सड़क किनारे खड़ी रोडवेज बस में पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के बाहर खड़े यात्री इसकी चपेट में आ गए।

स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही बागवाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने बुलंदशहर निवासी सतेंद्र (38), फर्रुखाबाद निवासी राजेश (34), सुखराम (30), शैलेश (29) और

एक अन्य अज्ञात व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। वहीं, आनंद (52) निवासी सेक्टर-34 नोएडा, विवेक (30), पूनम (32), विक्रांत (23) और सुमित निवासी नवाबगंज फर्रुखाबाद, नीतीश (30) निवासी आवास विकास कॉलोनी एटा, विशाल (15), रवी (17), यतेंद्र (27), दक्ष (10) निवासी मेरठ, रिशु (21) निवासी खलवारा फर्रुखाबाद तथा ब्रजेश (24) निवासी बचमई, अमांपुर (कासगंज) सहित कुल 11 लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज जारी है।

बस दिल्ली जा रही थी।

हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी अरविंद सिंह और एसएसपी डॉ. इलामारन जी समेत तमाम पुलिस अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर और रोडवेज बस को हटवाकर यातायात बहाल कराया। हादसे की जांच की जा रही है।

मृतक राजेश के भाई पवन कुमार ने बताया कि बस खराब होने के कारण सड़क के किनारे खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। हादसे में उनके भाई की मौत हो गई। उनका छोटा भाई अवधेश और परिवार की दो बच्चियां दिल्ली जा रही थीं।

जिलाधिकारी ने बताया कि बस खराब होने के कारण सड़क के किनारे खड़ी थी लेकिन उसका कुछ हिस्सा सड़क पर था। इसी दौरान पीछे से आए कंटेनर ने बस में टक्कर मार दी, जिससे बाहर खड़े यात्री उसकी चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि घायलों का बेहतर इलाज कराया जा रहा है और पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण, दोषियों को मिले कठोर दंड: संघ

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसके दोषियों को कठोर दंड दिए जाने की मांग की है। संघ ने मंदिर की व्यवस्था संभाल रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को याद दिलाया कि हिंदू समाज की स्वाभाविक अपेक्षा है कि व्यवस्था एवं संचालन की कमियां दूर की जाएं। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि राम मंदिर के दान पात्रों से जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा आहत हुई है। उन्होंने कहा कि संघ सहित संपूर्ण हिंदू समाज की न्यास से स्वाभाविक अपेक्षा है कि इस घोर निंदनीय घटना को असाधारण मान कर गंभीरता से लिया जाए और व्यवस्था एवं संचालन की सभी कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं। राम मंदिर पर करोड़ों रामभक्तों की आस्था एवं श्रद्धा अखंड एवं अटूट बनी रहनी चाहिए। वर्तमान की भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। होसबाले ने कहा, इस दृष्टि से हमारी अपेक्षा है कि सभी आवश्यक पहल मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वित्तीय प्रबंधन एवं सुचारू संचालन के लिए पारदर्शी व्यवस्था एवं शुद्धता और पवित्रता से परिपूर्ण धार्मिक वातावरण तैयार कर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास हिंदू समाज की आस्था एवं विश्वास को सुदृढ़ बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि संघ संपूर्ण हिंदू समाज से भी आह्वान करता है कि इस कठिन क्षण में वह आवश्यक धैर्य और संयम का परिचय दे। साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिंदू विरोधी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हिंदू धर्म एवं समाज को बदनाम करने के षड्यंत्रों को विफल करें। सरकार्यवाह होसबाले ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष और करोड़ों ● शेष पेज 11 पर

प्रधानमंत्री ने राम मंदिर निर्माण का श्रेय लिया, 'चढ़ावा चोरी' की जिम्मेदारी भी लेनी होगी: कांग्रेस

अयोध्या । कांग्रेस ने शुक्रवार को अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में सच्चाई छिपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर निर्माण का श्रेय लिया है तो अब उन्हें इस प्रकरण की जिम्मेदारी भी लेनी हेगी। पार्टी प्रवक्ता रागिनी नायक ने यहां संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि राम मंदिर में 40 दिनों के भीतर 70 बार ''चोरी'' हुई, लेकिन इस मामले में अब तक पूरी सच्चाई सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार ने दबाव में आकर एसआईटी का गठन किया गया लेकिन आखिर क्या कारण है कि उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक ● शेष पेज 11 पर

बंगाल की विरासत को समृद्ध बनाने और विकसित भारत के निर्माण में निभाएं भूमिका : ओम बिरला

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय ओरियंटेशन (प्रबोधन) कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने, संसदीय मर्यादा का पालन करने और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने कहा कि पश्चिम बंगाल की महान विभूतियों ने अध्यात्म, धर्म और संस्कृति के साथ-साथ समाज सुधार तथा देश की आजादी के आंदोलन में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' के उद्घोष के माध्यम से बंगाल ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक विधायक केवल अपने विधानसभा क्षेत्र का ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य की सामूहिक आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतिनिधि होता है। इसलिए सभी जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए।

उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों को सलाह दी कि वे वरिष्ठ और अनुभवी सदस्यों के अनुभवों से सीखें, विधानसभा की पुरानी कार्यवाहियों का अध्ययन करें तथा संसदीय परंपराओं और प्रक्रियाओं को गहराई से समझें। नए विधायकों में सीखने और समझने की निरंतर ललक तथा नवाचार की भावना होनी चाहिए। ओम बिरला ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के इस दौर में जनप्रतिनिधियों को स्वयं को लगातार अद्यतन रखना होगा। उन्होंने विधायकों से अधिकतम ● शेष पेज 11 पर

प्रयागराज के सभी 52 कोल्ड स्टोरेज होंगे सौर ऊर्ज़ा से संचालित, बिजली की किचकिच खत्म

❒ उद्यान विभाग की तरफ से इसे लिए कवायद शुरू कर दी गई है।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । प्रदेश की योगी सरकार ने कोल्ड स्टोरेज को महंगे डीजल या बिजली के बिल और प्रदूषण से छुटकारा दिलाने के कदम उठाए हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी कोल्ड स्टोरेज में सौर ऊर्ज़ा का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए सोलर पैनल लगाने ने निर्देश दिए गए हैं। उद्यान विभाग की तरफ से इसे लिए कवायद शुरू कर दी गई है।

सौर ऊर्ज़ा से संचालित होंगे कोल्ड स्टोरेज

उत्तर प्रदेश सरकार प्रदूषण मुक्त ऊर्ज़ा के उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए सरकार ने सभी कोल्ड स्टोरेज को सोलर ऊर्ज़ा से आच्छादित करने के निर्देश उद्यान विभाग को दिए हैं। प्रयागराज के जिला उद्यान अधिकारी मेवाराम बताते हैं कि प्रयागराज में सभी 52 कोल्ड स्टोरेज को इसे लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार की तरफ से इसके लिए सब्सिडी भी दी जा रही है। कोल्ड स्टोरेज में इसके लिए 35 फीसदी से लेकर 50 फीसदी तक पूंजीगत सब्सिडी दी जा रही है जो 12 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए। संचालकों के बिजली भार के अनुसार कोल्ड स्टोरेज की छतों या परिसर में सोलर पैनल और एडवांस चार्जिंग बैटरी लगाई जाएंगी। जिले में अभी तक तीन कोल्ड स्टोरेज मालिकों ने सौर ऊर्ज़ा से अपने कोल्ड स्टोरेज का संचालन भी शुरू कर दिया है। जिले के गूदापुर में हिमालय कोल्ड स्टोरेज का संचालन देख रहे शिवम गुप्ता कहते हैं कि उनके यहां 200 किलोवाट के सोलर पैनल लगाए गए हैं। इससे उनके बिजली के बिल में भारी कमी आई है। इसके अलावा पीक आवर में बिजली संकट से भी वह मुक्त हो गए हैं।

मंडल के सभी 100 कोल्ड स्टोरेज मालिकों को राहत

कोल्ड स्टोरेज के भारी भरकम बिल का बोझ कोल्ड स्टोरेज मालिकों के लिए बड़ी चुनौती रही है। सरकार के इस निर्देश से मंडल के सभी जिलों के कोल्ड स्टोरेज मालिकों के लिए राहत की बात है। प्रयागराज के जिला उद्यान अधिकारी मेवाराम बताते हैं कि जिले में कुल 52 कोल्ड स्टोरेज इस समय है । इसी तरह फतेहपुर में 24, कौशाम्बी में 13 और प्रतापगढ़ में 11 कोल्ड स्टोरेज हैं । सभी कोल्ड स्टोरेज मालिकों के लिए इसके लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

बड़े पैमाने पर होने वाली आलू, टमाटर और अन्य हरी सब्जियों की खेती को इस फैसले से नई संजीवनी मिलेगी। बिजली कटौती के दौरान तापमान बिगड़ने से फसलें खराब होने का डर खत्म हो जाएगा। सोलर और बैटरी बैकअप के कारण रात में भी कूलिंग बिना रुकावट जारी रहेगी। इसके साथ ही कोल्ड स्टोरेज की परिचालन लागत कम होने से किसानों के लिए स्टोरेज का किराया (भंडारण शुल्क) भी काफी कम हो जाएगा।

पीड़ित परिवार को मिले 50-50 लाख मुवावजा और सरकारी नौकरी: उज्जवल

❒ मेजा तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिले सांसद उज्ज्वल रमण सिंह, प्रशासनिक अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । मेजा मुकेश गुप्ता के घर हुए भीषण तिहरा हत्याकांड के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने आज क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया,

इस संवेदनशील मामले को लेकर पीड़ित पक्ष की ओर से उपजिलाधिकारी (SDM) मेजा को एक मांग पत्र सौंपा गया था जिसमें मृतकों के आश्रितों को प्रति मृतक 50-50 लाख रुपये का मुआवजा देने, कृषि योग्य भूमि एवं आवासीय पट्टा आवंटित करने तथा पांचों भाइयों को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवास उपलब्ध कराने की मांग की गई है। पूरे पीड़ित परिवार को तत्काल पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने के साथ-साथ बेटे और बेटी के नाम दो शस्त्र लाइसेंस स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया है।

परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दे

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि बड़े बड़े मंत्री आये लेकिन परिवार को सिर्फ पंद्रह लाख तीन मौत पर कम से कम 50-50 लाख मुवावजा मिलना चाहिए था। उन्होंने इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया है और शासन-प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इन सभी जायज मांगों पर अविलंब सहानुभूतिपूर्वक विचार कर त्वरित कार्यवाही हो।साथ दुर्गा गुप्ता,पप्पू यादव, योगेंद्र सिंह, मण्डन तिवारी, देशराज सिंह,रामा प्रधान,उमाकांत बिंद,प्रेमशंकर पटेल,अंशु सिंह, सुरेश यादव, विशाल पटेल,काजू भारतगंज, शिवकैलाश यादव।

अल्हवा ग्राम पंचायत में वन महोत्सव आयोजित: ग्राम प्रधान और वन विभाग की टीम ने लगाए फलदार पौधे

कोरांव, प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रयागराज के कोराँव में, ग्राम पंचायत अल्हवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार, 3 जुलाई को वन महोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान और कोराँव वन रेंज के निरंतर पौधारोपण अभियान का हिस्सा था। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के प्रशासक अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार ने मुख्य अतिथि के रूप में फलदार पौधे लगाए। क्षेत्रीय वन अधिकारी पी. के. सिंह के निर्देशानुसार यह पौधारोपण अभियान चलाया गया। प्रशासक शहजादे ने इस दौरान वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक-दो पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि वृक्षों के बिना शुद्ध ऑक्सीजन, जल और वायु प्राप्त नहीं हो सकती। इस कार्यक्रम में उप वन रेंजर मथुरा प्रसाद यादव, वन दरोगा आशीष सिंह पटेल, वन रक्षक जगपत कुशवाहा, शिक्षक राम बहादुर कोल, पंचायत सहायक नागेंद्र विश्वकर्मा, सूर्यदीन रोजगार सेवक, वन कर्मी गुलजार अहमद, अनस अहमद और राकेश सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

92वीं बैच के 11 प्रशिक्षु डीएसपी अधिकारियों ने पुलिस आयुक्त की से की शिष्टाचार भेंट

वाराणसी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल से 92वीं बैच के 11 डीएसपी प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त महोदय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें कमिश्नरेट वाराणसी की कार्यप्रणाली, आधुनिक पुलिसिंग, जनसेवा एवं नेतृत्व क्षमता के विविध आयामों से अवगत कराया। अपने सेवा अनुभव साझा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को भविष्य की चुनौतियों का दृढ़ता, संवेदनशीलता एवं व्यावसायिक दक्षता के साथ सामना करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल कानून लागू करने का दायित्व नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, सुरक्षा और न्याय स्थापित करने का माध्यम है। संवाद के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को यातायात प्रबंधन, डायल-112, जल पुलिस, पर्यटक पुलिस, ट्ग्क्कएवं सर्विलांस टीम, ड्रोन एवं एंटी-ड्रोन प्रणाली तथा ट्ग्ट्ग्क्क सुरक्षा व्यवस्था सहित कमिश्नरेट की विभिन्न इकाइयों की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। साथ ही श्रावण मास, देव दीपावली एवं महाकुम्भ जैसे विशाल आयोजनों के दौरान प्रभावी भीड़ प्रबंधन, जनसंपर्क एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग के व्यावहारिक अनुभव साझा किए गए। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय श्री शिवहरी मीणा, पुलिस उपायुक्त काशी श्री गौरव बंशवाल, पुलिस उपायुक्त सुरक्षा श्री अनिल कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन श्री वैभव बांगर, अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल श्री जंग बहादुर यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे ।

पोषण और नियमित दवा से टीबी पर जीत संभव, मरीज उपचार बीच में न छोड़ें: डॉ. ए.के. तिवारी

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता । क्षय रोग (टीबी) का सफल उपचार तभी संभव है, जब मरीज नियमित रूप से दवाओं का सेवन करें और उपचार के साथ पौष्टिक आहार भी लें। यह बात शुक्रवार को जिला क्षय रोग नियंत्रण केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में रोगियों को संबोधित करते हुए प्रयागराज के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ए. के. तिवारी ने कहा । उन्होंने कहा कि सरकार टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को लेकर लगातार कार्य कर रही है। मरीजों को बेहतर उपचार के साथ पोषण सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस दौरान जिला क्षय रोग नियंत्रण केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ए.के. तिवारी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हेमंत कुमार सिंह ने रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से 50 टीबी मरीजों को पोषण आहार किट वितरित की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने मरीजों से कहा कि चिकित्सकों द्वारा निर्धारित दवाओं का पूरा कोर्स नियमित रूप से करें और उपचार के दौरान उपलब्ध कराए जा रहे पौष्टिक आहार का भी स्वयं सेवन करें। उन्होंने बताया कि कुपोषण से टीबी होने की संभावना बढ़ जाती है और टीबी होने के बाद मरीज का पोषण स्तर भी प्रभावित होता है। ऐसे में संतुलित एवं पौष्टिक आहार उपचार को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हेमंत कुमार सिंह ने कहा कि टीबी मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए दवा के साथ पोषण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सभी मरीजों से नियमित उपचार लेने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने की अपील की। स्वास्थ्य विभाग ने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों से समय पर जांच कराने, उपचार पूरा करने और टीबी के प्रति जागरूक रहने का भी आह्वान किया।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौत, बेटी जख्मी

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कैंट थाना क्षेत्र में शुक्रवार को किसी वाहन की टक्कर लगने से स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। हादसे में बेटी जख्मी हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, हादसे में मृत महिला के पति पुलिस विभाग में तैनात उपनिरीक्षक के पद पर हमीरपुर में तैनात हैं। पुलिस उपायुक्त (नगर) मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि हादसे में मृत महिला रेनू सिंह उर्फ बेबी (47) मूलरूप से बलिया की निवासी हैं। हालांकि वर्तमान में शहर के करेली थाना क्षेत्र में स्थित बेनीगंज में खुद के आवास में रह रही थी। उनके पति वर्तमान में हमीरपुर में तैनात हैं। वह खुद हाईकोर्ट में वकालत भी करती थी। परिवार के लोगों ने बताया कि शुक्रवार को रेनू सिंह अपनी बेटी के साथ स्कूटी से सत्संग में शामिल होने के लिए सदर बाजार कैंट थाना क्षेत्र में जा रही थी। रास्ते में बहुगुणा मार्केट के पास किसी वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दिया। हादसे में रेनू सिंह की जान चली गई, जबकि बेटी घायल है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। हादसे की सूचना परिवार को दे दी गई है।

करंट लगने से किसान की मौत

प्रयागराज , कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के गांजा गांव में शुक्रवार को निजी ट्यूबवेल चलाते समय करंट लगने से किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि नगर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के गांजा गांव निवासी संदीप सिंह (29) खेती करके एक बेटी और एक बेटा एवं पत्नी नीता सहित पूरे परिवार का भरण-पोषण करता था। संदीप सिंह शुक्रवार को खेत में लगे अपने निजी ट्यूबवेल को चलाने के लिए सुबह गया और करंट की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी होते ही परिजन उसे नजदीक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में मंत्री ने की पंचायतों के हितों के लिए केंद्रीय नीति और शर्तों के व्यावहारिक सरलीकरण की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । सोलहवें वित्त आयोग के अनुदान विषय पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए पंचायती राज मंत्री ओ.पी. राजभर ने केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 16वें वित्त आयोग द्वारा 15वें वित्त आयोग की तुलना में लगभग दोगुनी धनराशि के आवंटन और 'स्वयं के स्रोत से आय' आधारित परफॉर्मेंस ग्रांट के प्रावधान का स्वागत किया. कार्यशाला को संबोधित करते हुए पंचायतों को स्वावलंबी बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में देश की सर्वाधिक 57,694 ग्राम पंचायतें हैं, जो देश का लगभग 22 प्रतिशत हैं और राज्य में न्यूनतम 1000 की आबादी पर ग्राम पंचायत गठित करने का प्रावधान है. राज्य सरकार द्वारा कम आबादी वाली पंचायतों के लिए 'पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना' संचालित की जा रही है, जिसमें पंचायतों द्वारा अर्जित आय का 5 गुना प्रोत्साहन धनराशि के रूप में दिया जा रहा है. वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत पंचायतों को ?14,997 करोड़ का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है, जबकि इसके सापेक्ष केंद्रीय करों के बड़े संग्रहण के बावजूद 16वें वित्त आयोग के तहत मात्र 10,675 करोड़ का ही आवंटन प्राप्त हुआ है।

संबोधन के दौरान श्री राजभर ने केंद्रीय वित्त आयोग की नीतियों और गाइडलाइंस के संबंध में कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण एवं नीतिगत व्यावहारिक विषयों की ओर ध्यानाकर्षण करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल सुधार की अपेक्षा की. उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा 5 वर्ष की धनराशि एकमुश्त आवंटित की जाती है, जबकि केंद्रीय कर संग्रहण में प्रतिवर्ष होने वाली वृद्धि के दृष्टिगत इसका आवंटन राज्य वित्त आयोग की तर्ज पर प्रतिवर्ष बजटीय हिस्सेदारी के रूप में होना चाहिए ताकि राज्यों को अधिक लाभ मिल सके. पात्रता शर्तों पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि जहां शहरी क्षेत्रों एवं जिला पंचायतों के लिए केवल 'स्वयं के संसाधन से आय वृद्धि' की शर्त है, वहीं ग्राम पंचायतों हेतु ?1200 प्रति व्यक्ति (प्रतिवार) न्यूनतम आय का कड़ा मापदंड रखा गया है. उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में यह शर्त बेहद अव्यावहारिक है क्योंकि यहां छोटी आबादी पर पंचायतें गठित हैं और वर्तमान में उनके स्वयं के संसाधन सीमित हैं. इसलिए इसे शहरी क्षेत्रों की तरह ही सरल और एकसमान किया जाना चाहिए.

श्री राजभर ने प्रशासनिक और बजटीय विसंगतियों को रेखांकित करते हुए कहा कि 16वें वित्त आयोग की टाइड और अनटाइड मदों की गाइडलाइन पंचायती राज मंत्रालय और जलशक्ति मंत्रालय से अभी तक प्राप्त नहीं हुई है. इसके साथ ही ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर तकनीकी सीमाओं के कारण पंचायतें अपने अति-आवश्यक कार्यों जैसे पेयजल व्यवस्था व मानदेय आदि का भुगतान नहीं कर पा रही हैं. उन्होंने पूर्व के आयोगों की भांति 10% तकनीकी एवं प्रशासनिक मद को पुनः बहाल करने की मांग की, जिसके बिना पंचायतों में कार्यरत पंचायत सहायकों और सामुदायिक शौचालयों के केयरटेकर्स के मानदेय भुगतान में गंभीर कठिनाई आएगी. साथ ही, इतनी विशाल धनराशि के सदुपयोग और प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर भी प्रशासनिक फंड की व्यवस्था को आवश्यक बताया. वित्तीय प्रतिबंधों पर बात करते हुए माननीय मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार पूर्व के आयोगों की धनराशि शेष रहने पर पूरे प्रदेश का ग्रांट रोकने का नियम अनुचित है. उत्तर प्रदेश में वर्ष 2016-17 की 14वें वित्त आयोग की परफॉर्मेंस ग्रांट में कतिपय अनियमितताओं के कारण सिर्फ 67 ग्राम पंचायतों की धनराशि जांच व कड़े प्रतिबंधों के कारण लंबित है; ऐसे में मात्र 67 पंचायतों के कारण प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों का अनुदान रोकना पूर्णतः अतार्किक है।

हर विद्यार्थी बनेगा एक पौधे का संरक्षक, विद्यालयों से समाज तक पहुंचेगा हरित संदेश

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार विद्यालयों को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की प्रयोगशाला बनाने की दिशा में लगातार कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में 'इको क्लब्स फॉर मिशन लाइफ' के अन्तर्गत जुलाई माह का गतिविधि कैलेंडर जारी किया गया है। जुलाई माह का यह कैलेंडर विद्यालयों में हरित संस्कृति को मजबूत करने और मिशन लाइफ के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कैलेंडर के अनुसार जुलाई में पूरे महीने 'स्वस्थ जीवनशैली अपनाना' विषय पर आधारित गतिविधियां आयोजित होंगी, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सतत जीवनशैली के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करना है। कैलेंडर में अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता पर भी विशेष बल दिया गया है, ताकि पर्यावरण संरक्षण केवल विद्यालय तक सीमित न रहकर जनभागीदारी का अभियान बन सके। योगी सरकार का उद्देश्य बच्चों में ऐसे व्यावहारिक संस्कार विकसित करना है, जो उन्हें प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाए।

एकेटीयू दीक्षांत समारोह: 83 मेधावियों को मिलेंगे 84 पदक, 62,537 छात्रों को मिलेगी डिग्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के 24वें दीक्षांत समारोह में 83 मेधावी छात्रों को कुल 84 पदक प्रदान किए जाएंगे। शुक्रवार को कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में पदकों और डिग्रियों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बार चांसलर मेडल अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद की बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा अंशिका राणा को दिया जाएगा। वहीं, कमल रानी वरुण स्मृति स्वर्ण पदक केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की छात्रा इशिका को प्रदान किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में 62,537 छात्रों को डिग्री और 52 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जाएगी। कुल पदक विजेताओं में 52 छात्राएं और 31 छात्र शामिल हैं। इनमें 35 स्वर्ण, 23 रजत और 24 कांस्य पदक दिए जाएंगे। बैठक में छात्रों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए मार्कशीट और डिग्री के साथ ट्रांसक्रिप्ट भी निशुल्क उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। साथ ही ऑनर्स और माइनर कोर्स संचालित होने के कारण मूक्स ऑनर्स कोर्स समाप्त करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई।

महिला उद्यमिता से लेकर डीप टेक और एग्रीटेक तक के नवाचारों को मिलेगा पुरस्कार

एकेटीयू का 24वां दीक्षांत समारोह केवल डिग्री वितरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नवाचार और उद्यमिता को भी सम्मान मिलेगा। विश्वविद्यालय के इनोवेशन हब की ओर से इस वर्ष पांच छात्र स्टार्टअप को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा। सात जुलाई को राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगी। महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप श्रेणी में मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की छात्रा इर्तिका रेहमान के स्टार्टअप वैक्सर इमर्सिव प्रा. लि. को सम्मान मिलेगा। बेस्ट डीप टेक स्टार्टअप अवार्ड अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज के अवि मित्तल के वोरटेक्स ऑटोनॉमस सिस्टम प्रा. लि. को दिया जाएगा। इसी प्रकार बेस्ट टेक इनोवेशन श्रेणी में सोनू भगत के डर्माशुद्धि एलएलपी, एग्रीकल्चर एंड एग्रीटेक श्रेणी में आदर्श सिंह के एग्रोलेन्स प्रा. लि. तथा सस्टेनेबल एंड ग्रीन स्टार्टअप श्रेणी में अमन कुमार के नेक्सोनिक्स रिफ्लेक्सा प्रा. लि. को सम्मानित किया जाएगा।

गोद लिए गांवों के स्कूलों के छात्रों की पेंटिंग, कहानी लेखन और भाषण प्रतियोगिता संपन्न

एकेटीयू के दीक्षोत्सव कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए गांवों के विद्यालयों के छात्रों के बीच शुक्रवार को पेंटिंग, कहानी लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को सात जुलाई को दीक्षांत समारोह के मंच से राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल सम्मानित करेंगी। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के प्राथमिक विद्यालयों और इंटर कॉलेजों के कक्षा तीन से 12 तक के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और 'मेरी मां' विषय पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की पत्नी सरोज पाण्डेय ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने छात्रों की पेंटिंग, कहानी लेखन और भाषण की सराहना की। विजेता छात्रों की पेंटिंग दीक्षांत समारोह में प्रदर्शित की जाएगी, जबकि भाषण और कहानी लेखन का संकलन पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। प्रतियोगिता में शामिल सभी छात्रों को सहभागिता के लिए सम्मानित भी किया गया।

भारतीय समाजदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनारायण राजभर का स्व. विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा स्थापित गोपाल विद्यालय में हुआ आगमन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ दलितों और शोषित वर्गों के कल्याण में स्व विश्वनाथ प्रताप सिंह का योगदान ऐतिहासिक और अमिट है: श्रीनारायण राजभर

कोराव, प्रयागराज। स्व विश्वनाथ प्रताप सिंह पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार द्वारा स्थापित जनपद प्रयागराज के कोराव स्थित गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज में भारतीय समाजदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनारायण राजभर का आगमन हुआ। इस अवसर पर स्व विश्वनाथ प्रताप सिंह के सुपुत्र राजा बहादुर राजा अजेय सिंह, प्रबंध समिति उपाध्यक्ष रुद्र नारायण बाजपेई, प्रधानाचार्य डॉ साबिर अली उपस्थित रहे।

आयोजित बैठक में भारतीय समाज दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनारायण राजभर ने स्वर्गीय विश्वनाथ प्रताप सिंह पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो कार्य समाज के दलित वंचित वर्ग के हित के लिए बीपी सिंह ने किया है उसका कोई सानी नहीं है। उनका नाम हिंदुस्तान की राजनीति में अमर रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति उपाध्यक्ष रुद्र नारायण बाजपेई ने बुके देकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रधानाचार्य डॉक्टर साबिर अली ने प्रबन्धक जी, उपाध्यक्ष जी और उपस्थित भारतीय समाज दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनारायण राजभर जी का आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर सूबेदार आर एन राय रिटायर्ड, पूर्व प्रधान सेमरी बाघराय बाबू राघवेन्द्र सिंह गहरवार, गोविन्द मिश्रा आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक युवा हो प्रशिक्षित, रोजगारयुक्त तथा महिलाएं हों आर्थिक रूप से सशक्त : केशव प्रसाद मौर्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री एवं ग्राम्य विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्च अधिकारियों से ग्रामीण स्वरोजगार कार्यक्रमों की प्रगति, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी संभावनाओं तथा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं एवं महिलाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त ली।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार जिला, विकास खंड एवं ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण युवा एवं महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें उनकी रुचि एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे वे रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों का बैंकों से प्रभावी समन्वय स्थापित कराया जाए तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उन्हें आवश्यक ऋण उपलब्ध कराने में हरसंभव सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल कौशल प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रशिक्षित युवाओं एवं महिलाओं को सफल उद्यमी एवं रोजगारयुक्त नागरिक बनाना होना चाहिए। श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के ''विकसित भारत'' के संकल्प को साकार करने के लिए ''विकसित उत्तर प्रदेश'' का निर्माण आवश्यक है। विकसित उत्तर प्रदेश तभी संभव है, जब ग्रामीण क्षेत्रों के युवा एवं महिलाएं कौशलयुक्त, आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनें। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक प्रत्येक युवा को प्रशिक्षित एवं रोजगारयुक्त बनाना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करते हुए उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय संसाधनों, बाजार की मांग तथा रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। कृषि आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कृषि एवं कृषि से संबंधित गतिविधियों जैसे दुग्ध उत्पादन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, बागवानी, रेशम उत्पादन, मशरूम उत्पादन, पुष्पकृषि तथा मत्स्य पालन सहित अन्य कृषि आधारित उद्यमों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली/टेंडर/15/2026-27
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के वाराणसी स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए का काम- जैसे कि प्लेटफॉर्म शेड का विस्तार, वॉटर बूथ, वॉटर कूलर, टॉयलेट ब्लॉक, दिव्यांगों के लिए सुविधाओं आदि के साथ दूरसंचार का कार्य।
अनुमानित लागत	रु. 85,48,752.86/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु. 1,71,000.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	180 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	23.07.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/ उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है • समस्त नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है • मैनुउल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं.- 106-टेली/टेंडर/15/2026-27 दिनांक 02.07.2026 2274/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रकृति, पर्यटन और स्थानीय सहभागिता के संतुलन का मॉडल बनेगा नियामतपुर: जयवीर सिंह

- लखनऊ से महज 45 किमी दूर प्रकृति की नई सौगात, अगले ईको-पर्यटन सत्र में खुलेगा नियामतपुर ईको-टूरिज्म स्थल

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

लखनऊ । राजधानी लखनऊ से सिर्फ 45 किलोमीटर की दूरी पर प्रकृति की एक नई दुनिया पर्यटकों का स्वागत करने के लिए लगभग तैयार है। बाराबंकी स्थित नियामतपुर वन क्षेत्र में विकसित किए जा रहे ईको-टूरिज्म प्रोजेक्ट का 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। करीब 52.50 लाख रुपये की लागत से तैयार यह टूरिज्म स्थल अगले ईको-पर्यटन सत्र में आम पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा, जहां उन्हें प्रकृति की गोद में सैर, जैव विविधता से रूबरू होने और शांत वातावरण का अनूठा अनुभव मिलेगा।

पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रकृति का अनूठा अनुभव

इस परियोजना के तहत पर्यटकों के लिए दो किलोमीटर लंबी नेचर ट्रेल (निर्धारित पैदल भ्रमण मार्ग) विकसित की गई है, जहां प्रकृति प्रेमी घने वन क्षेत्र के बीच पैदल भ्रमण करते हुए समृद्ध जैव विविधता, विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधों, पक्षियों और प्राकृतिक सौंदर्य का करीब से अनुभव कर सकेंगे। यह ट्रेल पर्यटकों को प्रकृति के बीच सुकून भरे वातावरण का अहसास कराने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और वन संपदा के महत्व से भी परिचित कराएगी। आगंतुकों की सुविधा और बेहतर पर्यटन अनुभव को ध्यान में रखते हुए परिसर में आधुनिक हाट, स्वच्छ शौचालय, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट, भव्य मुख्य प्रवेश द्वार तथा नाले पर ओवर ब्रिज का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा पूरे क्षेत्र में दिशा-निर्देश एवं जागरूकता के लिए साइन बोर्ड लगाए जा रहे हैं। इन साइन बोर्डों पर वन क्षेत्र में पाई जाने वाली विभिन्न पेड़-पौधों की प्रजातियों, उनकी विशेषताओं और पारिस्थितिकी में उनकी भूमिका की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। इससे पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के साथ-साथ वन क्षेत्र की जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भी बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, ''उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में ईको-टूरिज्म को नई पहचान देने और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों का सतत विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाराबंकी का नियामतपुर ईको-टूरिज्म प्रोजेक्ट इसी सोच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। परियोजना पूर्ण होने के बाद यह स्थल पर्यटकों को प्रकृति के बीच सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करेगा। साथ ही स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और प्रदेश की पर्यटन अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। हमारा उद्देश्य पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय सहभागिता के बीच संतुलन स्थापित करना है।''

आकाश दीप बधावन, डीएफओ, बाराबंकी ने बताया कि ''नियामतपुर वन क्षेत्र में विकसित किया जा रहा ईको-टूरिज्म प्रोजेक्ट प्रकृति संरक्षण और पर्यटन विकास का बेहतरीन उदाहरण होगा। यहां विकसित की गई नेचर ट्रेल, ओवर ब्रिज, साइन बोर्ड और अन्य सुविधाओं के माध्यम से पर्यटक वन क्षेत्र की जैव विविधता, वनस्पतियों और प्राकृतिक वातावरण को करीब से समझ सकेंगे। हमारा प्रयास है कि यह स्थल लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित करे।''

यह परियोजना केवल पर्यटन विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के प्रति जागरूकता और स्थानीय समुदायों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विकसित हो रहा यह ईको-टूरिज्म स्थल पर्यटकों को प्रकृति के बीच सुकूनभरा अनुभव प्रदान करेगा, वहीं स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। शेष कार्यों को भी शीघ्र पूरा कर परियोजना को आम जनता के लिए खोलने की तैयारी की जा रही है। परियोजना पूर्ण होने के बाद नियामतपुर ईको-टूरिज्म स्थल बाराबंकी और आसपास के क्षेत्रों में प्रकृति एवं पर्यावरण आधारित पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

आवास विकास परिषद ने इंदिरा नगर में सात भवन सील किये

कैनविज टाइम्स संवाददात

लखनऊ । उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के निर्माण खंड छह की टीम ने शुक्रवार को इंदिरा नगर क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर चलाई जा रही अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ एक बड़ा सीलिंग अभियान चलाया गया। परिषद की टीम द्वारा प्रवर्तन दल की मौजूदगी में सख्त रुख अपनाते हुए कुल 7 भवनों को सील कर दिया।

इन सभी आवंटित/निजी आवासीय भवनों में परिषद से बिना किसी वैध मानचित्र स्वीकृति या भू-उपयोग (ख्रथद्व्द-फ्म्द्ग) परिवर्तन के अवैध रूप से बड़े पैमाने पर कमर्शियल गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। भवन संख्या 15/86 में अवैध रूप से संचालित अस्पताल को सील किया गया, भवन संख्या 13/25 में चल रहे होटल, लाइब्रेरी और रेंटल रूम्स के व्यावसायिक परिसर को बंद किया गया, भवन संख्या 13/136 में आवासीय प्लॉट पर बिना अनुमति चल रहे अस्पताल को सील किया गया, भवन संख्या 12/3 व 12/13 के परिसरों में अवैध रूप से संचालित होटल पर सीलिंग की कार्रवाई की गई, भवन संख्या 13/550 आवासीय क्षेत्र में नियमों के विरुद्ध बनाए जा रहे निर्माणाधीन होटल को मौके पर ही रुकवाकर सील किया गया और भवन संख्या 12/5 को बिना स्वीकृति के संचालित किए जा रहे पूरे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स को विधिक रूप से बंद कर दिया गया।

चंद्रिका देवी धाम पहुंचे डिप्टी सीएम, मंदिर मार्ग फोरलेन बनाने का एलान

- अधूरे एएनएम उपकेंद्र पर भड़के, अधिकारियों से मांगी फाइल; बोले- विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक शुक्रवार को कठवारा स्थित प्रसिद्ध मां चंद्रिका देवी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी पत्नी नम्रता पाठक के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

दर्शन-पूजन के बाद उपमुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद लोगों और ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बख्शी का तालाब कस्बे से मां चंद्रिका देवी मंदिर तक करीब 11 किलोमीटर लंबे मार्ग के संकीर्ण होने से श्रद्धालुओं को होने वाली दिक्कतों से अवगत कराया। इस पर बृजेश पाठक ने सड़क को फोरलेन बनाने का आश्वासन देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और मार्ग के चौड़ीकरण की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी।

इसी दौरान ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन एएनएम स्वास्थ्य उपकेंद्र का मामला भी उठाया। लोगों ने बताया कि कई महीने पहले शुरू हुआ उपकेंद्र का निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो सका है। ग्रामीणों के अनुसार, परियोजना का 50 प्रतिशत बजट यूपी सीएलडीएफ संस्था को जारी किया गया था, जिसने निर्धारित कार्य पूरा कर दिया, जबकि शेष 50 प्रतिशत बजट जिला पंचायत को मिलने के बावजूद निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ सका। शिकायत सुनते ही उपमुख्यमंत्री ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर नाराजगी जताई। उन्होंने परियोजना की पूरी फाइल शाम तक अपने कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए और अधूरे निर्माण कार्य में हुई देरी का कारण भी तलब किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र का कोई भी विकास कार्य अधूरा नहीं रहने दिया जाएगा और सभी लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा।

झाड़ू लगाने से उड़ी धूल बनी बवाल की वजह, महिला समेत कई लोगों पर सरिया-रॉड से हमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक रूप, पांच नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज; पुलिस जांच में जुटी

निगोहां, लखनऊ। थाना क्षेत्र के कुर्मिनखेड़ा मजरा उतरावां में घर के बाहर झाड़ू लगाने के दौरान उड़ी धूल को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि कहासुनी के बाद एक पक्ष ने महिला और उसके परिजनों पर लोहे की रॉड और सरिया से हमला कर दिया, जिससे कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गीता पत्नी दिलीप कुमार ने तहरीर में बताया कि वह अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान पड़ोसियों ने धूल उनकी ओर उड़ने की बात कहकर विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और आरोप है कि विपक्षी पक्ष के लोगों ने सरिया और लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

हमले में गीता समेत अन्य परिजनों को चोटें आईं। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद घायलों का उपचार कराया गया और पुलिस को सूचना दी गई। निगोहां पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर रविशंकर, राहुल, ललित पुत्रगण रमेश, रमेश पुत्र स्व. औषान तथा रामलती पत्नी रमेश निवासी कुर्मिनखेड़ा मजरा उतरावां के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सिविल अस्पताल में भर्ती सपा नेता राजेंद्र चौधरी का हालचाल लिया

लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को सिविल अस्पताल में भर्ती समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का हाल चाल लिया और उन्हें जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने चौधरी का उपचार कर रहे डॉक्टरों से भी जानकारी ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए। वहीं सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पार्टी के प्रवक्ता राजेंद्र चौधर का कुशल क्षेम जाना। उल्लेखनीय है कि सपा नेता राजेंद्र चौधरी को शुक्रवार की सुबह अचानक तबीयत खराब होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, युवक की मौके पर मौत

मोहनलालगंज, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार शाम रायबरेली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलवरिया मोड़ के पास एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा ट्रक को सीज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार ट्रक संख्या यूपी 73 ए 6268 रायबरेली की ओर से लखनऊ जा रहा था। इसी दौरान नगराम थाना क्षेत्र के मुल्लाही खेड़ा निवासी धीरज कुमार अपनी बाइक यूपी 32 क्यू डब्ल्यू 4131 से फुलवरिया बाईपास से रायबरेली रोड पार करने का प्रयास कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ट्रक के पहिए के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।पुलिस ने मृतक की पहचान नगराम थाना क्षेत्र के मुल्लाही खेड़ा निवासी धीरज कुमार के रूप में कर उनके परिजनों को घटना की सूचना दी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।इंस्पेक्टर मोहनलालगंज ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर ट्रक एवं उसके चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि फुलवरिया मोड़ पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने इस स्थान पर प्रभावी यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के इंतजाम किए जाने की मांग की है।

नगर निगम का जोन-4 और जोन-7 में चला व्यापक अतिक्रमण अभियान

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर निगम लखनऊ ने शहर में लगातार बढ़ते अवैध अतिक्रमण और उसके कारण उत्पन्न यातायात अवरोधों को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को जोन-4 और जोन-7 में सघन अभियान चलाया। नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार जी के निर्देश पर की गई कार्रवाई का उद्देश्य प्रमुख सड़कों, फुटपाथों, नाली-नालों और अन्य सार्वजनिक स्थलों को अवैध कब्जों से मुक्त कर नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना रहा। जोन-4 में सहायक नगर आयुक्त एवं जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी के नेतृत्व में मरी माता मंदिर से अहिमामऊ अंडरपास होते हुए एचसीएल तिराहे तक विशेष अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए और यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नगर निगम लखनऊ जोन-4 के प्रवर्तन दल-296 ने कर अधीक्षक राज नारायण कमल जी की देखरेख में कार्रवाई की। सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण हटाकर बाधित यातायात को सुचारु कराया गया। कार्रवाई के दौरान मौके से लगभग 3 ठेले और 4 तख्त जब्त किए गए। नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण करने वालों को दोबारा सार्वजनिक भूमि पर कब्जा न करने की चेतावनी भी दी। इसी क्रम में जोन-7 में जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में नाली-नालों और सड़कों की दोनों पट्टियों पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया गया। विकास नगर सेक्टर-2 स्थित दीप प्लाजा के सामने नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थानों और आवागमन में बाधा बन रहे अतिक्रमण हटाए।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने महाकुंभ-2025 को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार मिलने पर व्यक्त की प्रसन्नता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने महाकुंभ-2025 को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उत्तर प्रदेश की उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता, आधुनिक तकनीक आधारित प्रबंधन और सुशासन की राष्ट्रीय स्तर पर हुई प्रतिष्ठा का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ-2025 अनेक मायनों में दिव्य, भव्य, अद्भुत और विलक्षण आयोजन रहा। इस आयोजन ने न केवल भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को विश्व के सामने गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया, बल्कि आधुनिक तकनीक, डिजिटल नवाचार और कुशल प्रशासन के माध्यम से विकसित भारत की नई तस्वीर भी दुनिया को दिखाई। श्री शर्मा ने कहा कि महाकुंभ 2025 को इससे पूर्व भारत सरकार द्वारा स्वच्छता-उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और अब केंद्र सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया

जाना इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश ने आयोजन, प्रबंधन, स्वच्छता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नए राष्ट्रीय मानक स्थापित किए हैं।उन्होंने कहा कि जब महाकुंभ की तैयारियां प्रारंभ हुई थीं, तभी यह स्पष्ट किया गया था कि यह महाकुंभ डिजिटल होगा, आधुनिक तकनीक से संचालित होगा। आज राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस सम्मान ने उस संकल्प पर भारत सरकार की भी मुहर लगा दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रेरणा और सतत दिशा-निर्देश को देते हुए उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

किसानों की चौपाल में पहुंचे जलशक्ति मंत्री, सिंचाई व्यवस्था सुधारने के लिए मौके पर लिए बड़े फैसले

- मितौली माइनर की सफाई, बलसिंहखेड़ा पुल चौड़ीकरण, अचलीखेड़ा रेगुलेटर पर गेस्ट हाउस व जर्जर पुल के पुनर्निर्माण के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । प्रदेश सरकार के सिंचाई एवं जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को नगराम क्षेत्र से होकर गुजरने वाली शारदा सहायक पोषक नहर, इंदिरा नहर एवं हैदरगढ़ शाखा नहर प्रणाली का स्थलीय निरीक्षण कर किसानों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किसानों ने मितौली माइनर में लंबे समय से जमी सिल्ट और बालू के कारण टेल तक पानी न पहुंचने की समस्या रखी। इस पर मंत्री ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तत्काल सफाई कराकर नहर का पानी अंतिम छोर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान बलसिंह खेड़ा और

कयूम ने भी ज्ञापन सौंपकर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। इसके बाद बलसिंहखेड़ा पहुंचे मंत्री से ग्रामीणों ने संकरे पैदल पुल के चौड़ीकरण की मांग की। मंत्री ने पुल चौड़ीकरण का प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजने, नहर की पटरियों से बालू हटाने तथा अचलीखेड़ा रेगुलेटर से गांव जाने वाले जर्जर पुल के पुनर्निर्माण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अचलीखेड़ा रेगुलेटर के पास खाली पड़ी सरकारी भूमि का निरीक्षण कर वहां सिंचाई विभाग का गेस्ट हाउस बनाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सिंचाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री के निरीक्षण और त्वरित निर्देशों से क्षेत्र के किसानों में लंबे समय से लंबित सिंचाई एवं आवागमन संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान की उम्मीद जगी है।

एलडीए की जमीन पर फर्जी एनओसी का खेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- रियल एस्टेट कंपनी पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ । गोमती नगर विस्तार के ग्राम अरदौनामऊ में लखनऊ विकास प्राधिकरण की पहले से अधिग्रहित जमीन के लिए फर्जी एनओसी तैयार करने का मामला सामने आया है। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर हुई जांच में पूरा फर्जीवाड़ा उजागर हो गया। इसके बाद प्राधिकरण के नायब तहसीलदार ने संबंधित रियल एस्टेट कंपनी और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ सुशांत गोल्फ सिटी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

एलडीए के सहायक चकबंदी अधिकारी तुलसीराम ने बताया कि कुछ दिन पहले व्हाट्सएप के माध्यम से एक कथित एनओसी प्राप्त हुई थी। यह एनओसी एलडीए के सहायक चकबंदी अधिकारी (अर्जन) के नाम से जारी दिखाई गई थी और इसे विभूति खंड स्थित जेनिथ एंड जेनिथ सिविल प्लानर्स प्रा. लि. के पक्ष में जारी बताया गया था। जांच के दौरान पता चला कि यह एनओसी एलडीए ने जारी ही नहीं की थी। पत्र पर किए गए हस्ताक्षर और कार्यालय की मोहर भी पूरी तरह फर्जी निकली। जांच में सामने आया कि यह फर्जी एनओसी तहसील सरोजनी नगर के ग्राम अरदौनामऊ की जमीन से संबंधित थी। आरोप है कि रियल एस्टेट कंपनी ने अज्ञात लोगों की मदद से इस दस्तावेज को तैयार कराया, ताकि जमीन पर विकास कार्य कराया जा सके। फर्जी पत्र में जमीन से जुड़े गलत तथ्यों को सही दिखाने की कोशिश भी की गई थी। एलडीए के अनुसार, ग्राम अरदौनामऊ की संबंधित जमीन का अधिग्रहण वर्ष 2001 में अमर शहीद पथ गोमती नगर विस्तार योजना के लिए किया जा चुका है। अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह जमीन राज्य सरकार और एलडीए के स्वामित्व में आ चुकी है। प्राधिकरण का कहना है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर एलडीए के नाम और रिकॉर्ड का गलत इस्तेमाल करने की कोशिश की गई। इसी आधार पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में संबंधित कंपनी और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस मामले के बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने लोगों से अपील की है कि किसी भी जमीन की खरीद-फरोख्त से पहले उसके दस्तावेजों की एलडीए से जांच जरूर करा लें। उन्होंने बताया कि वेलनेस सिटी और आईटी सिटी योजनाओं के लिए कई गांवों की जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में है। ऐसे क्षेत्रों में जमीन खरीदते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

लखनऊ नगर निगम और जलकल विभाग के 22 कर्मचारी सेवानिवृत्त

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल द्वारा नगर निगम और जलकल विभाग में वर्षों तक सेवाएं देने वाले कुल 22 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। इनमें नगर निगम के विभिन्न विभागों के नौ और जलकल विभाग के अलग-अलग जोनों में कार्यरत 13 कर्मचारी शामिल रहे। इस अवसर पर कर्मचारियों के लंबे सेवाकाल और शहर की नागरिक व्यवस्थाओं में उनके योगदान की सराहना की गई।

भारतीय रेल की ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन अवसंरचना के आधुनिकीकरण एवं स्वदेशीकरण पर हुआ विचार-विमर्श

- महानिदेशक आरडीएसओ प्रभास दनसाना के नेतृत्व में आयोजित हुआ सम्मेलन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । आरडीएसओ के भगवान बिरसा मुंडा सभागार में शुक्रवार को ''भारतीय रेल की ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन अवसंरचना का आधुनिकीकरण एवं स्वदेशीकरण'' विषय पर एक राष्ट्रीय विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

महानिदेशक आरडीएसओ प्रभास दनसाना के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 200 विक्रेताओं तथा भारतीय रेल, रेलवे बोर्ड, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFC-CIL), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (क्ख्रटए), नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (गएटड्डए), प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों, उद्योग जगत, एमएसएमई, स्टार्टअप्स एवं देशभर के निर्माताओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह सम्मेलन आरडीएसओ के विशेषज्ञों एवं उद्योग जगत के हितधारकों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ, जहाँ ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन अवसंरचना से संबंधित नवीनतम तकनीकी विकास, स्वदेशी विनिर्माण क्षमताएँ, आधुनिकीकरण की पहल तथा भविष्य की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की गई। विचार-विमर्श का मुख्य उद्देश्य विश्वसनीयता, सुरक्षा एवं सतत विकास को बढ़ावा देना तथा स्वदेशी तकनीकों के माध्यम से आत्मनिर्भरता को सशक्त करना था, जो

भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के अनुरूप है। तकनीकी प्रस्तुतियों में ओएचई (OHE) एवं ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन प्रणालियों में नवीनतम विकास, नए उत्पादों की आवश्यकताएँ, विक्रेता अनुमोदन प्रक्रियाएँ, मानकीकरण, गुणवत्ता आश्वासन, डिजिटल मॉनिटरिंग तकनीकों तथा नवाचार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। विशेष रूप से टीआई निदेशालय के नियंत्रणाधीन महत्वपूर्ण सामग्रियों के लिए विक्रेता आधार का विस्तार करने तथा उन्नत स्वदेशी उत्पादों के विकास को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया। रेलवे बोर्ड, DFCCIL, DMRC C²å NCRTC के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव, भावी योजनाएँ एवं उद्योग से अपेक्षाएँ साझा कीं तथा आधुनिक, विश्वसनीय एवं विश्वस्तरीय रेल अवसंरचना के निर्माण हेतु आपसी सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (गति शक्ति), गजेन्द्र ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन अवसंरचना के आधुनिकीकरण एवं स्वदेशीकरण के महत्व को रेखांकित किया। उद्योग प्रतिनिधियों ने तकनीकी चर्चाओं, विक्रेता अनुमोदन प्रक्रियाओं से संबंधित जिज्ञासाओं के समाधान तथा विचारों के आदान-प्रदान हेतु खुला मंच उपलब्ध कराने के लिए आरडीएसओ की इस पहल की सराहना की। सम्मेलन के दौरान आयोजित संवादात्मक सत्रों ने आरडीएसओ एवं निर्माताओं के बीच सार्थक चर्चा को बढ़ावा दिया, जिससे रेलवे प्रौद्योगिकियों के स्वदेशीकरण को गति देने तथा मजबूत साझेदारियों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

महिलाओं के प्रति सुरक्षा व विश्वास का वातावरण स्थापित करना पुलिस की जिम्मेदारी: एसपी ग्रामीण

❒ रिक्रूट महिला आरक्षियों को विशाखा गाइडलाइन के प्रावधानों की जानकारी दी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भंवरे ने रिजर्व पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही रिक्रूट महिला आरक्षियों के साथ विशाखा गाइडलाइन के संबंध में एक जागरूकता बैठक आयोजित की और उन्हें कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सम्मान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित विशाखा गाइडलाइन के प्रमुख प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक महिला कर्मी को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त कार्य वातावरण प्राप्त होना उसका अधिकार है तथा किसी भी प्रकार के लैंगिक उत्पीड़न अथवा अनुचित व्यवहार की स्थिति में निर्धारित कानूनी एवं विभागीय प्रक्रिया के अनुसार तत्काल शिकायत दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई कराई जा सकती है। बैठक में महिला आरक्षियों को सेवा के दौरान अनुशासन, शिष्टाचार, नैतिक आचरण, पारस्परिक सम्मान, महिला अधिकारों के संरक्षण तथा पुलिस विभाग की गरिमा के अनुरूप व्यवहार बनाए रखने के दिशा-निर्देश दिए गए। कहा कि पुलिस सेवा केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण स्थापित करना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। एसपी ग्रामीण ने रिक्रूट महिला आरक्षियों से कहा कि प्रशिक्षण अवधि का पूर्ण लाभ उठाएं, शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वयं को दक्ष बनाएं, विधिक ज्ञान में निरंतर वृद्धि करें तथा संवेदनशील, निष्पक्ष एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग के सिद्धांतों का पालन करें।

बैठक में क्षेत्राधिकारी जलालाबाद ज्योति यादव ने भी महिला आरक्षियों को सेवा के दौरान आत्मविश्वास, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं पेशेवर कार्यशैली बनाए रखने, वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार अपनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी महिला आरक्षियों को कार्यस्थल पर विभागीय नियमों का पालन करने तथा जनसेवा की भावना के साथ निष्पक्ष, संवेदनशील एवं उत्तरदायी पुलिसिंग करने का संकल्प दिलाया गया।

बीवीजीरामजी योजना शुरू होते ही चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट!

❒ बिना स्टीमेट और डिमांड के शुरू करा दिया चकमार्ग निर्माण, किसानों का हंगामा

❒ खेतों में खड़ी फसल के बीच शुरू हुआ निर्माण कार्य, किसानों ने बीडीओ से की शिकायत; बोले जांच में गड़बड़ी मिली तो होगी कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर । केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी बीवीजीरामजी योजना का शुभारंभ होते ही विकास खण्ड सकरन में अनियमितताओं के आरोप सामने आने लगे हैं। योजना के पहले ही चरण में नियमों को ताक पर रखकर बिना स्वीकृत स्टीमेट और बिना किसी विधिवत मांग के चकमार्ग निर्माण शुरू कराए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इससे ग्रामीणों और किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। मामला विकास खण्ड सकरन की ग्राम पंचायत नसीरपुर अंदूपुर का है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान पूनम सिंह और पंचायत सचिव कीर्ति वर्मा की देखरेख में कमला देवी के खेत से दिनेश के खेत तक लगभग 300 मीटर लंबे चकमार्ग का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया। आरोप है कि यह कार्य बिना स्वीकृत स्टीमेट और बिना डिमांड के कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में संतोष, नेकराम, सुकुरु, राजकुमार, फुलवाशा, टेकई सहित कई मजदूर लगाए गए हैं। किसानों कमला सिंह, ओमपाल सिंह, खेमकरन, गुड्डू, सीताराम, शिवकुमार, अनिल सिंह, किशुनपाल सिंह सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि जिस स्थान पर चकमार्ग बनाया जा रहा है, वहां खेतों में फसल खड़ी है। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया, जिससे किसानों की फसल और भूमि

प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पहले स्टीमेट स्वीकृत कराया जाता और संबंधित किसानों की सहमति ली जाती तो विवाद की स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

ग्रामीणों ने पूरे मामले की शिकायत खण्ड विकास अधिकारी से करते हुए निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि योजना की शुरुआत में ही यदि इस प्रकार की अनियमितताओं पर अंकुश नहीं लगाया गया तो सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका बढ़ जाएगी।

क्या बोले बीडीओ

खण्ड विकास अधिकारी श्रीश कुमार गुप्ता ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में बिना स्वीकृत स्टीमेट अथवा नियमों के विरुद्ध निर्माण कार्य कराया जाना पाया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

दूसरे दिन सख्त पहरे में हुई यूपी टीईटी परीक्षा-2026

❒ परीक्षा केंद्रों पर कड़े इंतजाम, डीएम ने लिया परीक्षा केंद्रों का जायजा, 11316 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित उप्र शिक्षक पात्रता परीक्षा के दूसरे दिन शुक्रवार को दो पालियों में जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा और सख्त निगरानी के बीच शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई।

इस दौरान दोनों पालियों में बुलाए गए 12384 में से 11316 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1068 ने गैर हाजिर रहकर परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा को सकुशल बनाने के लिए डीएम, एसपी, आयोग से नामित प्रेक्षक, एडीएम, एएसपी समेत परीक्षा केंद्र मजिस्ट्रेट सतत भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। वही परीक्षा केंद्र मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों पर मुस्तैद रहे। परीक्षा के दौरान जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं, जिससे परीक्षार्थियों को निर्बाध और निष्पक्ष वातावरण में परीक्षा देने का अवसर मिला।

डीएम अंजनी कुमार सिंह ने परीक्षा में भ्रमणशील रहकर जनपद खीरी में स्थित परीक्षा केंद्रों जीआईसी, स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर परीक्षा को सकुशल एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने जरूरी निर्देश दिए। डीएम ने परीक्षार्थियों हेतु भौतिक सुविधाओं/सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सीसीटीवी कैमरों को चैक किया व संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। वही आयोग से नामित पर्यवेक्षक सेवानिवृत्त आईएएस राम केवल और डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र ने यूपी-टीईटी परीक्षा-2026 परीक्षा में भ्रमणशील रहकर राजकीय पॉलिटेक्निक, कृषक समाज इंटर कॉलेज, गुरुनानक इंटर कॉलेज, जीआईसी, जीजीआईसी, जिला पंचायत इंटर कॉलेज कालाआम, आदर्श जनता इंटर कॉलेज देवकली, डीएस कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक, परीक्षा केंद्र मजिस्ट्रेट को परीक्षा में आयोग के शत प्रतिशत निर्देशों के अनुपालन के निर्देश दिए। वही परीक्षा केंद्र मजिस्ट्रेट ने भी अपने परीक्षा केंद्र पर सतर्क दृष्टि रखते हुए पूरी परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया।

मखाना की खेती से किसानों की आय बढ़ाने का अवसर, प्रयागराज में 4-5 जुलाई को होगा प्रशिक्षण

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मखाना की खेती से किसानों की आय बढ़ाने का अवसर आया है। इसकी खेती करने के लिए 4-5 जुलाई को दो दिवसीय प्रशिक्षण कराया जाएगा। इस अवसर का लाभ पाने के लिए इच्छुक किसान आनलाईन आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जिला उद्यान अधिकारी मेवाराम ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्र की मोदी एवं प्रदेश की योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि में विविधीकरण को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य से उद्यान विभाग द्वारा मखाना विकास योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

अचानक बिजली आपूर्ति ठप हो जाने से करीब 50 गांवों के हजारों उपभोक्ताओं मुसीबत में

रायबरेली। चंदापुर फीडर के अंतर्गत गुरुवार की रात अचानक बिजली आपूर्ति ठप हो जाने से करीब 50 गांवों के हजारों उपभोक्ताओं को पूरी रात उमस भरी गर्मी और अंधेरे में गुजारनी पड़ी। रात लगभग 10:15 बजे बिजली गुल होने के बाद शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे आपूर्ति बहाल हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन यह राहत भी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। कुछ ही देर बाद फिर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद विभागीय टीम ने फाल्ट दुरुस्त कर पुनः सप्लाई सुचारू कराई। आपको बता दें कि, बिजली कटौती के कारण सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को उठानी पड़ी। उमस और गर्मी के कारण लोग पूरी रात सो नहीं सके। कई घरों में इनवर्टर भी जवाब दे गए, जिससे लोगों को पूरी रात हाथ के पंखों का सहारा लेना पड़ा। सुबह बिजली आने पर लोगों ने राहत महसूस की, लेकिन दोबारा सप्लाई बाधित होने से विभाग के प्रति नाराजगी और बढ़ गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों के अनुसार, चंदापुर फीडर के अंतर्गत कुशमहुरा गांव में एक पेड़ विद्युत लाइन पर गिर जाने से रात में आपूर्ति बाधित हो गई थी।

25 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में ढेर होने से बचा, पैर में गोली लगने के बाद दबोचा गया

❒ पुलिस टीम पर झोंका फायर, जवाबी कार्रवाई में लगी गोली; लूट का सोने का कुंडल, अवैध तमंचा, कारतूस और बिना नंबर की बाइक बरामद, 16 संगीन मुकदमों का हिस्ट्रीशीटर निकला आरोपी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर। सकरन पुलिस ने शुक्रवार तड़के एक साहसिक मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग करने वाले बदमाश को आत्मसमर्पण का मौका दिया गया, लेकिन उसने गोली चलाकर भागने की कोशिश की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया। उसके कब्जे से लूट का सोने का कुंडल, 315 बोर का अवैध तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस तथा बिना नंबर की स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई। पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक बाइक से रसूलपुर से ओडाझार की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही सकरन पुलिस ने गांव के बाहर पुलिया के पास घेराबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख बदमाश बाइक छोड़कर भागने लगा और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक गोली बदमाश के बाएं पैर में लगी। घायल होने के बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार

कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान आशिक पुत्र मोबीन, निवासी जेठरा, थाना खमरिया, जनपद लखीमपुर खीरी के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पीली धातु का कुंडल, 315 बोर का अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार बदमाश 28 जून को सकरन थाना क्षेत्र के भिठमनी-महाराज मार्ग स्थित नहर पटरी पर बिसवां कोतवाली क्षेत्र के मोचकलां निवासी वीनू पाल से हुई लूट की घटना में वांछित था। इस मामले में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 200/26, धारा 309(4) बीएनएस के तहत उसकी तलाश की जा रही थी। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

तीन बच्चों की मां प्यार में पागल, जब तक नहीं आ जाते अजय तब तक नहीं उतरेगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कमलापुर सीतापुर। कमलापुर थाने के अंतर्गत एक बड़ा अजीबोगरीब मामला सामने आया है मीनू देवी पत्नी मनोज कुमार निवासी देवीपुर मजरा सुरैचा आज करीब 12 बाजे कमलापुर नहर चौराहे से थोड़ा आगे एक मोबाइल टावर पर मीनू देवी पत्नी मनोज कुमार चढ़ गई और 112 डायल करके पीआरबी पुलिस मौके पर बुला लिया और कहा कि जब तक मेरा प्रेमी अजय कुमार नहीं आ जाता तब तक मैं टावर पर से नहीं उतरूंगी

मीनू देवी के तीन बच्चे हैं एक बच्चे को साथ में लेकर आई थी उसको जमीन में लिटाकर के खुद टावर पर चढ़ गई घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सिओ सिधौली थाना अध्यक्ष कमलापुर सहित भारी फोर्स के साथ तैनात रही मीनू देवी का प्रेम प्रसंग पड़ोस के गांव कमोलिया के अजय कुमार के साथ काफी दिनों से चल रहा था अजय की शादी

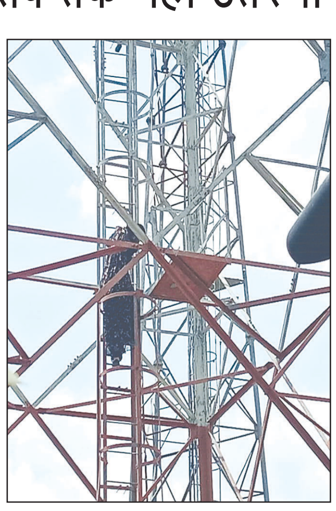

जल्द ही तय हुई थी जिससे दुखी होकर वह टावर पर चढ़ गई सीओ और थाना अध्यक्ष अतुल चौधरी से मीनू से फोन से वार्ता हुई काफी समझाने बुझाने पर मीनू नहीं मानी सीओ सिंधौली व थाना अध्यक्ष कमलापुर मीनू के प्रेमी से फोन पर कॉन्फ्रेंस पर बात करा कर काफी मान मनोवल के बाद उसको टावर से उतारा गया

शहीद पार्क में लगे जर्जर झूलों व खराब लाइटों को बदलने तथा फाउंटेन को जल्द संचालित कराने के निर्देश

❒ सांस्कृतिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पार्क में प्रत्येक शनिवार को होगें विभिन्न कार्यक्रम-डीएम

❒ शहीद उद्यान समिति की बैठक में गांधीभवन बुकिंग का शुल्क निर्धारित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के वीसी सभागार में शहीद उद्यान समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहीद उद्यान के रखरखाव, आगंतुकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा गांधी भवन के संचालन एवं शुल्क निर्धारण सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने शहीद उद्यान परिसर में लगे सभी जर्जर एवं टूटे-फूटे झूलों को तत्काल बदलवाने, खराब पड़ी लाइटों को बदलने, फाउंटेन को शीघ्र संचालित कराने तथा उद्यान की नियमित

साफ-सफाई करने के के साथ ही आउटसोर्सिंग के माध्यम से सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए। कहा कि उद्यान का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य समयबद्ध ढंग से कराएं जाएं। उन्होंने शहीद उद्यान को सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार सायं छह बजे नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। ताकि स्थानीय कलाकारों को मंच मिलने के साथ ही आमजन को भी बेहतर सांस्कृतिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

इसके अलावा जिलाधिकारी ने गांधी भवन में विद्युत संबंधी कार्यों के सुचारु संचालन के लिए एक इलेक्ट्रीशियन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, जिसके लिए पांच हजार रूपए प्रतिमाह तथा प्रत्येक कार्यक्रम पर अतिरिक्त पांच सौ रूपए भुगतान की व्यवस्था की गई है। डीएम ने गांधी भवन प्रेक्षागृह की बुकिंग के लिए शुल्क भी निर्धारित किया। जिसमें सामान्य कार्यक्रमों के लिए बिना वातानुकूलन 09 हजार तथा एसी सहित 12 हजार रूपए शुल्क निर्धारित किया गया है। अन्य प्रकार के कार्यक्रमों के लिए बिना एसी 12 हजार तथा एसी सहित 15 हजार शुल्क तय किया गया। इसमें प्रत्येक कार्यक्रम के लिए 03 हजार रूपए की सिक्योरिटी राशि जमा कराना अनिवार्य होगा। डीएम ने कहा कि गांधी भवन में कोई भी कार्यक्रम बिना निर्धारित शुल्क के आयोजित नहीं किया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी, नगर मजिस्ट्रेट रजनीकांत सहित संबंधित अधिकारी एवं शहीद उद्यान समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में गैंगस्टर एक्ट समेत 08 अभियोगों में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना तिलहर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गैंगस्टर एक्ट समेत 08 अभियोगों में वांछित अभियुक्त मादक पदार्थ तस्कर रियाज मोहम्मद उर्फ बाबू को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त रियाज मोहम्मद उर्फ बाबू के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उपचार के घायल अभियुक्त को अस्पताल में भर्ती कराया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बीती रात थाना तिलहर पुलिस, जनपदीय एसओजी व सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना कटरा क्षेत्र के मोहल्ला आतिशबाजान निवासी रियाज मोहम्मद उर्फ बाबू पुत्र सरताज अपनी बिना नंबर प्लेट की मोटर साइकिल से तिलहर से निगोही जा रहा है। जोकि थाना कटरा में पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वांछित अभियुक्त ने मोटर साइकिल मोड़कर भागने लगा और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। जोकि अभियुक्त के पैर में गोली लगी। पुलिस ने अभियुक्त रियाज मोहम्मद उर्फ बाबू को रटापुल गुलेरिया मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने एक देशी तमंचा, 05 जिन्दा कारतूस, एक खोखा कारतूस, एक खोखा कारतूस नाल में फंसा हुआ व एक मोटर साइकिल बरामद की। पुलिस ने घायल अभियुक्त को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी ग्रामीण ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त रियाज मोहम्मद उर्फ बाबू के खिलाफ थाना कटरा, थाना तिलहर, जनपद बरेली और जनपद मुजफ्फरनगर के थानों समेत थाना क्राइम ब्रांच दिल्ली में करीब 09 एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट आदि के मामले दर्ज हैं। थाना कटरा में दर्ज गैंगस्टर एक्ट में अभियुक्त फरार चल रहा था। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना तिलहर के प्रभारी निरीक्षक प्रिंस शर्मा के साथ एसओजी/ सर्विलांस सेल प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

वन महोत्सव के तहत जैव विविधता पार्क में किया वृक्षारोपण

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 01 जुलाई से 07 जुलाई तक चल रहे वन महोत्सव के अंतर्गत आज उद्यान विभाग और नगर निगम ने महानगर क्षेत्र के न्यू सिटी ककरा स्थित जैव विविधता पार्क में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इस अभियान में महापौर अर्चना वर्मा एवं नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी आदि ने एक पेड़ मां के नाम पौधों को रोपित कर पर्यावरण को सरंक्षित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को नो सिंगल यूज प्लास्टिक संदेश अंकित कपड़े के थैले वितरित किए गए तथा सभी से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, कपड़े के थैले अपनाने एवं पर्यावरण संरक्षण में अपना सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई। महापौर अर्चना वर्मा ने कहा कि यह अभियान स्वच्छ, हरित एवं सुंदर शाहजहांपुर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जल/उद्यान प्रभारी विजय नारायण मौर्य, सहायक अभियंता जल रवि कुमार विश्वकर्मा, सैफ सिद्दीकी, उद्यान लिपिक अमरदीप, आईईसी टीम एवं आईटीसी टीम सहित स्थानीय पार्षद आदि मौजूद रहे।

खीरी पुलिस को बड़ी सफलता: 24 लाख के चोरी के जेवर नकदी बरामद, धौरहरा के दो शातिर चोर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत स्वॉट, सर्विलांस टीम और थाना हैदराबाद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। संयुक्त पुलिस टीम ने ग्राम सेमरई में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 24 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर, 64,700 रुपये नकद, चोरी में प्रयुक्त औजार, बिना नंबर की मोटरसाइकिल और एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 21 मई 2026 की रात ग्राम सेमरई निवासी चन्द्रप्रकाश मिश्रा के घर में खिड़की तोड़कर करीब दो लाख रुपये नकद और भारी मात्रा में जेवर चोरी किए गए थे। इस मामले में थाना हैदराबाद में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर बुधवार सुबह करीब 4:06 बजे कंधरापुर-देवकली मार्ग से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मनीराम गौतम उर्फ मन्नी (निवासी ग्राम गुदरिया, थाना धौरहरा) (तथा पवन चौरसिया निवासी शुक्ला वार्ड थाना धौरहरा) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने थाना धौरहरा क्षेत्र के ग्राम कफारा में 5 जून 2026 को हुई चोरी की घटना को भी स्वीकार किया है। बरामदगी में लगभग 125 ग्राम सोने के जेवर, 1.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण, नकदी, चोरी में इस्तेमाल होने वाले कटर, सब्बल, पेचकस, मास्क, दस्ताने, एक बिना नंबर की ग्लैमर मोटरसाइकिल, एक तमंचा 315 बोर और दो जिंदा कारतूस शामिल हैं। धौरहरा के कफारा गांव में हुई चोरी से संबंधित जेवर भी पुलिस ने बरामद किए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मनीराम गौतम उर्फ मन्नी पर वर्ष 1998 से अब तक हत्या के प्रयास, लूट, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, चोरी और नकबजनी समेत 51 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं दूसरे आरोपी पवन पर इस चोरी का एक मुकदमा दर्ज है।

एसपी ने तीस दरोगा और 88 आरक्षियों का किया तबादला

अमेठी। जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाये रखने के लिये पुलिस अधीक्षक ने बड़े पैमाने पर फ़ेरबदल किया है जिसमें तीस उप निरीक्षकों के साथ ही अठासी आरक्षियों के तबादले किये गये हैं और लम्बे समय से थानों पर तैनात कई चर्चित उप निरीक्षकों को पुलिस लाइन भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा महकमे में बड़े पैमाने पर किये गये फ़ेरबदल से खलबली मच गई है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाये रखने एवं अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाने के उददेश्य से तीस उपनिरीक्षकों तथा अठासी आरक्षियों के तबादले किये हैं।जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार कई उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुये उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं वहीं बड़ी संख्या में आरक्षियों का भी विभिन्न थानों एवं चौकियों में स्थानांतरण किया गया है।

टेट मामले को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नई दिल्ली के आवाहन पर जिला कार्यकारिणी सीतापुर के द्वारा माननीय सांसद सीतापुर राकेश राठौर को ज्ञापन जिला महामंत्री कृष्ण मोहन गुप्ता के नेतृत्व में दिया गया।

जिला मीडिया प्रभारी देवर्षि प्रताप सिंह ने बताया कि बतौर ज्ञापन 23 अगस्त 2010 को एनसीटीई द्वारा जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) संबंधी अधिसूचना एवं केंद्र सरकार द्वारा आर टी ई एक्ट के सेक्शन 23(2) में दिनांक 9 अगस्त 2017 को किए गए संशोधन तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 29 मई 2026 के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों एवं उत्तर प्रदेश में टीईटी लागू होने की दिनांक 27 जुलाई 2011 से पहले से नियुक्त शिक्षकों को विधायी एवं नीतिगत संरक्षण प्रदान किए जाए।

सांसद जी ने आश्वासन दिलाया है कि आपकी आवाज मैं सदन तक पहुंचाऊंगा।

इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह जिला संयुक्त महामंत्री राजकुमार वर्मा कार्यकारी अध्यक्ष संजीव रावत, उपाध्यक्ष विवेक तिवारी, उपाध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव, जयप्रकाश , रणधीर वर्मा, बीना पटेल, जिला मंत्री संतोष सिंह, कीर्ति कुमार, अंशुल यादव, प्रवेश वर्मा, अर्जुन सिंह समेत तमाम शिक्षक साथी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक सीतापुर ने जीर्णोद्धारित, उच्चीकृत उपनिरीक्षक बैरक का किया गया उद्घाटन

सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस कर्मियों के कल्याण और उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल के द्वारा पुलिस क्लब में ''जीर्णोद्धारित/उच्चीकृत उपनिरीक्षक बैरक'' का फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के आधुनिकीकरण और पुलिस कर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। उच्चीकृत बैरक में उपनिरीक्षकों के रहने व आराम करने के लिए आधुनिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है, जिससे वे तनावमुक्त होकर अपनी ड्यूटी को और अधिक संवेदनशीलता व तत्परता से अंजाम दे सकें। उद्घाटन समारोह के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आलोक सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर कपूर कुमार, प्रतिसार निरीक्षक शिव बालक वर्मा एवं वाचक (पुलिस अधीक्षक) नि0 श्री सुनील कुमार दुबे उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक छलांग, जून माह में हासिल किया देश भर में प्रथम स्थान

❒ जून 2026 में राज्य ने 71,888 घरेलू रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने घरेलू रूफटॉप सोलर क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। जून 2026 में राज्य ने 71,888 घरेलू रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह न केवल उत्तर प्रदेश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन है, बल्कि किसी भी राज्य द्वारा एक माह में की गई घरेलू रूफटॉप सोलर स्थापनाओं का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

उत्तर प्रदेश में अब तक 10,89,716 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं तथा 6,36,745 घरेलू रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना पूरी की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश लगातार कई महीनों से देश में सर्वाधिक मासिक स्थापनाएं दर्ज कर रहा है और घरेलू रूफटॉप सोलर क्षेत्र में देश का सबसे तेजी से उभरता हुआ राज्य बन गया है। इस वर्तमान रुझानों को देखते हुए अनुमान है कि जुलाई 2026 के अंत तक उत्तर प्रदेश कुल घरेलू रूफटॉप सोलर स्थापनाओं में महाराष्ट्र को पीछे छोड़कर देश का दूसरा सबसे बड़ा घरेलू रूफटॉप सोलर राज्य बन सकता है। इसके बाद राज्य का अगला लक्ष्य गुजरात को पीछे छोड़ते हुए कुल घरेलू रूफटॉप सोलर स्थापनाओं में भारत का नंबर-1 राज्य बनना है।

घरेलू रूफटॉप सोलर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियां भी अभूतपूर्व हैं। राज्य में अब तक 2,148 मेगावाट से अधिक क्षमता स्थापित की जा चुकी है तथा ?5,500 करोड़ से अधिक की सब्सिडी सीधे उपभोक्ताओं को वितरित की जा चुकी है। इस क्षेत्र में सात हजार से अधिक कंपनियां और वेंडर्स कार्य कर रहे हैं तथा 80 हजार से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। राज्य में घरेलू रूफटॉप सोलर से प्रतिदिन लगभग 96 लाख यूनिट निःशुल्क बिजली का उत्पादन हो रहा है, जिसका अनुमानित मूल्य 6 करोड़ प्रतिदिन से अधिक है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में 40 करोड़ रुपये से अधिक का दैनिक कारोबार हो रहा है और 9,000 एकड़ से अधिक भूमि की बचत हुई है, जो बड़े पैमाने पर भूमि आधारित विद्युत परियोजनाओं की तुलना में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उत्तर प्रदेश की यह सफलता जागरूक उपभोक्ताओं, सोलर वेंडर्स, यूपीनेडा, बैंकिंग संस्थानों, डिस्कॉम एवं सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। घरेलू रूफटॉप सोलर क्षेत्र में राज्य की यह तेज प्रगति न केवल स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि उत्तर प्रदेश को भारत की घरेलू रूफटॉप सोलर क्रांति का नया नेतृत्वकर्ता भी बना रही है। मासिक स्थापना में देश का नंबर-वन बनने के बाद अब उत्तर प्रदेश का लक्ष्य कुल घरेलू रूफटॉप सोलर स्थापनाओं में भी भारत का नंबर-वन राज्य बनना है।

यूपीटेट-2026 पर डीएम-एसपी की पैनी नजर

❒ महोली परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण, निष्पक्ष परीक्षा के दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटेट)-2026 के दूसरे दिन परीक्षा के सकुशल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन के दृष्टिगत आज जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कृषक इंटर कॉलेज, महोली स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र के विभिन्न कक्षों का भ्रमण कर परीक्षा संचालन का अवलोकन किया तथा केंद्र पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की मंशा के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्र के कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से सभी परीक्षा कक्षों की लाइव निगरानी भी की। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच करते हुए प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया कि परीक्षा समाप्त होने तक सभी व्यवस्थाओं पर निरंतर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, अभ्यर्थियों की सुगम आवाजाही तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को यूपीटेट परीक्षा के दूसरे दिन की शेष प्रक्रिया भी शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

फंदे से लटका मिला किशोर पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। उझानी के अथईया गांव में 18 वर्षीय गौतम सिंह का शव खेत की झोपड़ी में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम को भेजकर जांच शुरू की। आपको बता दें कि उझानी कोतवाली क्षेत्र के अथईया गांव स्थित एक खेत की झोपड़ी में 18 वर्षीय लड़के का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान गौतम सिंह (18) पुत्र जयपाल, निवासी रामपुर, जनपद कासगंज के रूप में हुई। गौतम पिछले कई वर्षों से अपनी ननिहाल में रह रहा था। बताया गया कि उसके माता-पिता का करीब सात-आठ वर्ष पहले निधन हो गया था। इसके बाद वह अपने तीन भाइयों और एक बहन के साथ ननिहाल में रहकर जीवन यापन कर रहा था। परिवार का खर्च चलाने के लिए वह मेहनत-मजदूरी भी करता था। परिजनों ने बताया कि गौतम का किसी से कोई विवाद या रंजिश नहीं थी। खेत में बनी झोपड़ी में उसका शव फंदे से लटका मिलने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर उझानी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। सीओ उझानी सुनील कुमार सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत के कारणों की जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत डीसीडीसी की बैठक आयोजित

❒ समितियों को सक्रिय बनाने एवं किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल, बहजोई। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत जिला सहकारी विकास समन्वय समिति (डीसीडीसी) की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता (एआर कॉपरेटिव) ज्ञान प्रकाश सिंह ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में पैक्स, डेयरी तथा मत्स्य सहकारी समितियों का विस्तार किया जाना है। उन्होंने अवगत कराया कि जनपद की 65 न्याय पंचायतों में पूर्व से 73 पैक्स संचालित थे तथा 36 नए पैक्स गठित किए जा चुके हैं। इस प्रकार वर्तमान में जनपद में कुल 109 पैक्स हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने विगत वर्ष आयोजित डीसीडीसी बैठक के उपरांत हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मत्स्य विभाग की प्रगति, मत्स्य उत्पादन तथा जनपद में हैचरी की स्थिति की समीक्षा करते हुए मत्स्य सहकारी समितियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही सहकारिता विभाग से वंचित क्षेत्रों के चिन्हांकन की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सहकारी समितियों को सक्रिय रूप से संचालित करने, समितियों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने तथा किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है। खाद का वितरण पूर्णतः नियमानुसार एवं पारदर्शी ढंग से किया जाए तथा किसी भी किसान को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि उर्वरकों की टैगिंग एवं ओवररेट बिक्री किसी भी स्थिति में न होने पाए।उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के साथ-साथ प्राकृतिक एवं जैविक खाद के प्रति किसानों को जागरूक करने पर भी बल दिया। बैठक में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) की संख्या बढ़ाने, ऋण वसूली की स्थिति तथा ई-पैक्स को लेकर भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता ज्ञान प्रकाश सिंह सहित कृषि, मत्स्य, दुग्ध विकास, सहकारिता एवं नाबार्ड विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुकान में पानी भर जाने से व्यापारियों का लाखों का नुकसान, पालिका की व्यवस्था हवा-हवाई

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बदायूं जिले में घंटे बरसात के कारण शहर में जगह-जगह पानी भरा हुआ है, वही एक-दो घंटे की बरसात में ही पालिका की व्यवस्था हवा-हवाई साबित हो रही है। वही पालिका में अभी कुछ दिन पूर्व एक भव्य कार्यक्रम हुआ जिसको लेकर अच्छी व्यवस्थाओं को लेकर जनता के बीच ढिंढोरा पीटा। वही व्यापारी वर्ग अब चिंतित है, और सड़क दुकान मकान में पानी भर जाने से व्यापारियों का लाखों का नुकसान हो रहा है, वही व्यापारी वर्ग पालिका से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वहीं जोगीपुरा स्थित एक फॉर्म की ऑनर मेघा अरोड़ा ने बताया कि मंगलवार और बुधवार की बरसात में उनका दुकान का सारा समान बरसात के पानी भरने से बर्बाद हो गया, वहीं उन्होंने लगभग लाखों रुपये का नुकसान बताया है। वही मेघा अरोड़ा का कहना है कि इस मामले को लेकर वह जिलाधिकारी को पत्र देकर अवगत कराएंगी, और मुआवजा दिलवाने की मांग करेगी।

भामाशाह जयंती में जुटेगे, देशभर के सजातिय बंधु

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भामाशाह सेना के पदाधिकारी की महत्वपूर्ण बैठक में अध्यक्ष अभिषेक कुमार गुप्ता ने बताया कि नगर में एक भव्य और दिव्या भामाशाह जयंती एवं शोभा यात्रा का कार्यक्रम 5 जुलाई रविवार को शाम 5:30 नई मंडी स्थान से भगवान दास पैलेस रिंग रोड पंजाबी कॉलोनी कस्बा उझानी में सुनिश्चित हुआ है। वही कार्यक्रम में शिरोमणि दानवीर भामाशाह की जयंती के उपलक्ष में एक भव्य शोभा यात्रा माहौर वैश्य युवा कल्याण समिति उझानी के तत्वधान में युवा व्यापारी संजीव कुमार गुप्ता पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा के नेतृत्व में सुनिश्चित हुआ है। वही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बदायूं जनपद के भामाशाहो महाजनों को एक पटल पर लाकर देश में एक जूटता का संदेश देना है, वहीं उन्होंने बताया कि बदायूं में महाजनों की संख्या सर्वाधिक है। परंतु महाजनों में नेतृत्व करने की क्षमता उच्च कोटि की नहीं है, जिस पर मंथन किया जाएगा। वहीं उन्होंने अपील की है कि उपरोक्त कार्यक्रम को अपना पारिवारिक कार्यक्रम मानते हुए कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कर समाज का बल बढ़ाने की कृपा करें। वहीं बैठक में अध्यक्ष अभिषेक कुमार गुप्ता, नरेश गुप्ता, सुमित कुमार, संजीव कुमार गुप्ता, सुधांशु गुप्ता, शिव स्वरूप गुप्ता, कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी ध्रुव देव गुप्ता मौजूद।

पत्रकारों के हितार्थ में आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने हेतु शीघ्र लांच होगा पोर्टल

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सूचना निदेशक विशाल सिंह द्वारा पत्रकारों के हितार्थ महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे अब मान्यता प्राप्त पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने में और अधिक सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि जिन मान्यता प्राप्त पत्रकारों ने आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन किया है, लेकिन किसी कारणवश उनका कार्ड अभी तक नहीं बन पाया है, वे https://beneficiary.nha.gov.in/ पोर्टल पर अपने कार्ड का स्टेटस देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि पोर्टल पर उनका नाम प्रदर्शित होता है, तो किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए संबंधित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक संशोधन कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिन मान्यता प्राप्त पत्रकारों ने अभी तक आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया है अथवा आवेदन करने के बावजूद उनका कार्ड नहीं बन पाया है, उनकी सुविधा के लिए शीघ्र ही एक ऑनलाइन पोर्टल प्रारम्भ किया जाएगा। पोर्टल प्रारम्भ होने के पश्चात मान्यता प्राप्त पत्रकार अपने जनपद के जिला सूचना अधिकारी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन उपलब्ध करा सकेंगे। सूचना निदेशक ने बताया कि पोर्टल के प्रारम्भ होने की सूचना सभी संबंधित मान्यता प्राप्त पत्रकारों को शीघ्र ही उपलब्ध करा दी जाएगी, जिससे उन्हें आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया में और अधिक सुविधा मिल सके।

हत्या की घटना का दूसरा आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना जरीफनगर पुलिस द्वारा हत्या की घटना के दूसरे अभियुक्त को मय घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल लोहे की रॉड सहित पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि थाना जरीफनगर क्षेत्रान्तर्गत राव फार्म हाउस पर शंकराचार्य का प्रोग्राम था, जिसमें शामिल होनें ग्राम अल्लीपुर टप्पा हवेली थाना सहसवान के निवासी भूरे सिंह पुत्र नरोत्तम सिंह अपनें गांव के साथी राकेश पुत्र मोहरपाल के साथ आये थे तथा शामिल होकर ग्राम दांदरा होते हुए अपनें गांव वापस जा रहे थे, वापस जाते समय दांदरा करियावेन सम्पर्क मार्ग पर भूरे सिंह के साथ रात्रि में घटना घटित हुई थी तथा भूरे सिंह के परिजन उन्हें उपचार हेतु सीएचसी सहसवान लेकर गये थे, जहाँ पर भूरे सिंह को मृत घोषित कर दिया गया था तथा राकेश उपरोक्त को उपचार हेतु मेडिकल कालेज बदायूँ रेफर कर दिया गया था। प्रथम दृष्टया जाँचोपरान्त उक्त घटना के सम्बन्ध में मृतक भूरे सिंह के पुत्र राजाबाबू के प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसमें अभियोग उपरोक्त के सफल अनावरण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद बदायूँ अंकिता शर्मा के आदेशानुसार अभियुक्तगण की तलाश हेतु थाना स्तर पर 03 टीमें गठित की गयी थीं । जिसके क्रम में थाना जरीफनगर पुलिस द्वारा मुख्य अभियुक्त कप्तान सिंह पुत्र डाल सिंह को पूर्व में ही दिनांक 30.06.26 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, वहीं इसी क्रम में थाना जरीफनगर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सटीक सूचना एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर पर बृहस्पतिवार को अभियोग के दूसरे अभियुक्त कुमरपाल पुत्र केहर सिंह उर्फ केहरी निवासी ग्राम अल्लीपुर टप्पा हवेली थाना सहसवान जनपद बदायूँ को विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार किया गया।वहीं कब्जे से घटना में लोहे की रॉड (आलाकत्ल) बरामद की गई, जिसे नियमानुसार कब्जे पुलिस में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई, वहीं पुलिस द्वारा बताया गया कि कुमरपाल पुत्र केहर सिंह उर्फ केहरी उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार भेज दिया गया है। वहीं गिरफ्तारी करने वाली टीम में सुमित कुमार शर्मा थानाध्यक्ष,उ0नि0 सुभाषचन्द्र,आरक्षी रोबिन शर्मा, आरक्षी हरीश कुमार,आरक्षी सुरजीत सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पीडीए वृक्षारोपण अभियान चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिवस के अवसर पर बछरावां विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी द्वारा ''PDA वृक्षारोपण अभियान'' चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय सपा विधायक श्याम सुंदर भारती ने बछरावां-लालगंज मार्ग पर बन्नावा के समीप एक पेट्रोल पंप के पास पौधरोपण किया। वहीं उनकी पत्नी चन्द्रकली भारती ने महराजगंज विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय कैड़ावा में पौधा रोपकर इस अवसर को यादगार बनाया।

आपको बता दें कि, इस दौरान विधायक श्याम सुंदर भारती ने कहा कि, ''समाजवादी पार्टी केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस पर पौधरोपण कर हम स्वच्छ, हरित और स्वस्थ उत्तर प्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति यदि एक-एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर भविष्य मिल सकेगा।''

वहीं चन्द्रकली भारती ने कहा कि, ''पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं। आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है। अखिलेश यादव के जन्मदिवस को सेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना समाजवादी विचारधारा की सकारात्मक सोच का परिचायक है। हम सभी को पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल की भी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।'' कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और अखिलेश यादव के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर विधानसभा महासचिव राजेश कुमार यादव, बबलू सिंह, अजय सिंह, अमित मिश्रा, रामसजीवन (प्रधान रैन), सद्दाम खान, कुलदीप यादव, संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता का संदेश भी दिया गया।

सेफ फ्यूचर अभियान में 64 स्कूली वाहन चेक, 05 वाहनों के चालान, 07 ओवरलोड वाहन सीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। सेफ फ्यूचर अभियान के अंतर्गत दूसरे दिन 64 स्कूली वाहन चेक किए गए, प्रवर्तन कार्यवाही में 05 वाहनों का मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर चालान की कार्रवाई की गई,वहीं 07 ओवरलोड माल वाहनों को विभाग द्वारा सीज की कार्यवाही की गई है।

आपको बता दे कि उत्तर प्रदेश शासन एवं जिलाधिकारी अवनीश कुमार के निर्देशानुसार 01 जुलाई से 15 जुलाई तक स्कूली वाहनों के लिए चलाए जा रहे सेफ़ फ्यूचर अभियान के अंतर्गत दूसरे दिन परिवहन विभाग की टीमों द्वारा स्कूल परिसर में जाकर खड़े 64 स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया।वहीं प्रवर्तन दलों द्वारा रोड पर 41 वाहन चेक किए गए, जिसमें प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान 05 ऐसे वाहन पाए गए जो मानक के अनुरूप नहीं थे जिनके विरुद्ध विभाग द्वारा चालान की कार्रवाई की गई, अनधिकृत रूप से संचालित दो बसो को सीज किया गया, एवं 05 अन्य माल वाहनों को परिवहन कार्यालय बदायूं में सीज किया गया,वहीं कार्यवाही में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) हरिओम और यात्री/मालकर अधिकारी अभिनव चौधरी एवं परिवहन विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

14 वर्ष तक के बच्चों से किसी भी प्रकार का कार्य कराना प्रतिबंधित

❒ बाल एवं किशोर श्रमिकों के चिन्हांकन हेतु डीएम ने गठित की कमेटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। शासन के निर्देशों के अनुपालन में जनपद बदायूं में 01 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक बाल एवं किशोर श्रमिकों के चिन्हांकन हेतु विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी अवनीश राय ने इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करते हुए अभियान के सफल संचालन हेतु जनपद स्तरीय टीम का गठन किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 यथा संशोधन 2016 के अंतर्गत 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजित किए जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों को खतरनाक व्यवसायों एवं प्रक्रियाओं, जैसे खदानों, विस्फोटक सामग्री निर्माण प्रतिष्ठानों तथा कारखाना अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचित प्रतिष्ठानों में नियोजित करना प्रतिबंधित है। उन्होंने बताया कि अभियान के संचालन हेतु गठित टीम में नगर मजिस्ट्रेट, संबंधित तहसील के उप जिलाधिकारी, संबंधित क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त, संबंधित ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षा अधिकारी, प्रभारी एएचटीयू तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी शामिल किए गए हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि अभियान अवधि में चिन्हित बाल एवं किशोर श्रमिकों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया जाए तथा आवश्यकता अनुसार मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा उनका आयु परीक्षण कराया जाए। साथ ही, जनसामान्य को बाल श्रम के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान की समाप्ति के उपरांत चिन्हित बाल श्रमिकों के शैक्षिक एवं आर्थिक पुनर्वासन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी तथा उनके परिवार के पात्र सदस्यों को रोजगारपरक एवं स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ा जाएगा। श्रम विभाग को निर्देशित किया गया है कि अभियान की दैनिक प्रगति एवं अभियान समाप्ति के उपरांत की गई कार्यवाही की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

तहरीर बदलवाने में लगी रही सिविल लाइन पुलिस, खून से लथपत तड़पता रहा पीड़ित

❒ घंटो थाने के परिसर में गुहार लगाता रहा पीड़ित, नहीं की कोई कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। थाना सिविल लाइन पुलिस रवैया और कार्यशैली को लेकर आए दिन चर्चाओं में है। आपको बता दें कि पीड़ित खून से लटपट एसएसपी दफ्तर के बाहर धरने पर बैठा लेकिन पुलिस ने थाने लाकर नया सॉन्ग रचा, वही बता दे कि पीड़ित कई घंटे इसलिए तड़पता रहा क्योंकि उसकी तहरीर पुलिस के दिमाग में सटीक नहीं बैठ रही, इसलिए पीड़ित की तहरीर बदलवाने को लेकर थाना सिविल लाइन पुलिस विवादों के घेरे में है।

वही नकारा इंस्पेक्टर की चापलूसी, सुस्त पुलिसिंग को लेकर थाना सिविल लाइन की पुलिस किसी भी गंभीर घटना को गंभीरता से नहीं लेना चाहती है। वहीं आपको बता दें कि नौशेरा निवासी उस्मान सिंह का कहना है कि बृहस्पतिवार को सुबह में अपने घर बैठा थे, तभी पड़ोस के रहने वाले दबंग प्रवृत्ति के लोग रॉड और कुल्हाडी से लैस होकर आए दबंगों ने पीड़ित पर ताबड़तोड़ प्रहार किया, वहीं पीड़ित के सिर में गंभीर चोटें आई, वही बचाने आई पत्नी और नातिन को भी दबंगों ने मारपीट की उनके भी गंभीर चोटे आई, वही पीड़ित का आरोप है कि पत्नी के कुंडल वजन करीब 10 ग्राम, लार 1 तोले, झुमकी 5 ग्राम,व नकदी मारपीट के दौरान दबंगों द्वारा निकाली गई। वही पीड़ित ने थाना सिविल लाइन पुलिस पर आरोप लगाया है कि जख्मी,और खून से लटपट कई घंटे बैठने के बावजूद भी पुलिस ने एक न सुनी और और पीड़ित कई घंटे थाने पर ही बैठाए रही, वही पीड़ित का आरोप है कि मुकदमा लिखने की वजह तो छोड़िए पुलिस तहरीर बदलवाने में जोर देती रही है। वही पीड़ित ने एसएसपी से गुहार लगाई है कि दबंगों पर नियम अनुसार कार्यवाही और स्वस्थ होकर पीड़ित थाने की कार्यशैली, पुलिस का खराब रवैया उच्च अधिकारियों को अवगत कराएगा। वही क्राइम इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया, आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे स्टेशन पर हाई वोल्टेज ड्रामा: तीन बच्चों संग टावर पर चढ़ी महिला,कूदने की दे रही धमकी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । कोतवाली नगर क्षेत्र के गोंडा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक महिला अपने तीन मासूम बच्चों को लेकर साठ फीट ऊंचे रेलवे सिग्नल टावर पर चढ़ गई।महिला टावर पर बच्चों समेत बैठी है और वहां से कूदने की धमकी दे रही है।

पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी थाना प्रभारी आरपीएफ इंस्पेक्टर और कोतवाली नगर पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई।फायर ब्रिगेड और एंबु लेंस भी स्टेशन पर बुला ली गई है।पुलिसकर्मी ल गातार लाउड हेलर से महिला को नीचे उतरने के लिए मना रहे हैं, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है।टावर पर चढ़े तीनों बच्चे कम उ म्र के बताए जा रहे हैं।

महिला का आरोप

महिला ने बीते महीने बृजभूषण शरण सिंह के रघु कुल विद्यापीठ स्थित मोबाइल टावर पर चढ़कर घं टों हंगामा किया था। तब भी पुलिस को उसे नीचे उतारने में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। महिला तरबगंज थाना क्षेत्र के तिवारी बाजार की निवासी है।महिला का आरोप है कि किंधौरा गांव निवासी एक व्यक्ति से उसकी पिछले कई साल से जान-पहचान है।महिला के मुताबिक, पति ने उसे कई साल पहले छोड़ दिया।इसके बाद किंधौरा गांव निवासी व्यक्ति के संपर्क में आई।महिला का कह ना है कि उसने खर्च उठाने का वादा किया था, ले किन अब वह मुकर गया है। महिला का आरोप है कि उसके पास बच्चों को खिलाने तक के पैसे नहीं हैं।इसी से तंग आकर वह आज बच्चों को लेकर टावर पर चढ़ गई।

स्थानीय जनता की प्रतिक्रिया

घटना के बाद स्टेशन पर यात्रियों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई है।पुलिस बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क है।पुलिस और प्र शासनिक अफसर भी मौके पर पहुंच गए हैं,पुलिस महिला को भरोसा दिला रही है कि उसकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

ईको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित की जाएगी कपावली की एतिहासिक प्राकृतिक झील : जिलाधिकारी

फिरोजाबाद । जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को विकास खण्ड नारखी के राजस्व गांव नैपई के मौजा कपावली का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गांव में स्थित सदियों पुरानी प्राकृतिक झील का रोवर पद्धति से डिजिटल सीमांकन कर इसकी सीमाओं को सुरक्षित किया जायेगा। जिससे इस प्राकृतिक और पारम्परिक झील को एक ईको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित किया जा सके। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के इस निरीक्षण का मुख्य उददेश्य ग्रामीणों को राजस्व विभाग की नई पैमाइश पद्धति ''रोवर'' की कार्य प्रणाली और उसके लाभों से अवगत कराना तथा गांव में स्थित सदियों पुरानी प्राकृतिक झील का रोवर पद्धति से डिजिटल सीमांकन कर इसकी सीमाओं को सुरक्षित करना रहा जिससे इस प्राकृतिक और पारम्परिक झील को एक ईको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित किया जा सके।

इस दौरान जिलाधिकारी ने यहां पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिलाधिकारी का उददेश्य है कि जनपद को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन की सम्भावनाओं वाले क्षेत्रों को भी चिन्हित किया जाए, जिससे न केवल ग्रामीणों के लिए रोजगार और आय के नए साधन सुनिश्चित होंगे, बल्कि सदियों पुरानी विरासत और पर्यावरण संरक्षण को भी बढावा मिलेगा, जिलाधिकारी ने कहा कि नैपई गांव के मौजा कपावली में स्थित लगभग 7 हैक्टेयर क्षेत्र में फैली, इस प्राकृतिक झील को ईको टूरिज्म स्पॉट के रूप में विकसित किया जाएगा, इसके चारों तरफ सघन वृक्षारोपण कराया जाएगा, जिससे यह स्थानीय लोगों को और पर्यटकों के लिए एक सुन्दर और अनुकूल वातावरण वाला केन्द्र बन सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि वी0बी0-जी0राम0जी0 योजना के अंतर्गत जल संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इस झील को पर्यटन विभाग, ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के समन्वय से इसे जनोपयोगी बनाया जाएगा। साथ ही जिलाधिकारी ने यह आशा व्यक्त कि, की पैमाइश की इस नई पद्धति से ग्राम वासियों की भूमि विवाद समाप्त होंगे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सीधा सम्वाद कर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के आदेश भी दिए।इस दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे भी उपस्थित रहें।

बीज निगम के एमडी से मिले एफपीओ के सीईओ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडाःबेलसर ब्लॉक क्षेत्र के लौव्वा टेपरा ग्राम पंचा यत स्थित अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीई ओ कुलदीप मिश्रा ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश बीज निगम के प्रबंध निदेशक डॉ.त्र्यंबक त्रिपाठी से मु लाकात कर जनपद के किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग उठाई।उन्होंने किसानों की विभिन्न समस्याओं से भी अवगत कराया।इस पर प्रबंध निदेशक ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

सूचना निदेशक ने पत्रकार बन्धुओं के हितार्थ उठाया महत्वपूर्ण कदम

रायबरेली। निदेशक सूचना सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उप्र विशाल सिंह ने बताया कि पत्रकार बन्धुओं के हितार्थ महत्वपूर्ण कदम उठाये गये है। अब पत्रकार बन्धुओं को आयुष्मान कार्ड और आसानी से प्राप्त हो सकेंगे। उन्होने बताया कि जिन पत्रकार बन्धुओं ने आयुष्मान कार्ड के लिए अपना आवेदन किया है और कतिपय कारणों से उनका कार्ड नहीं बन पाया है, वह पोर्टल पर अपने कार्ड का स्टेटस चेक कर सकते है। पोर्टल पर नाम प्रदर्शित होने पर किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए संबधित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में सम्पर्क स्थापित कर संशोधन भी करा सकते है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन पत्रकार बन्धुओं ने अभी तक आयुष्मान कार्ड के लिए अपना आवेदन नहीं किया है या आवेदन किया है और उनका कार्ड नहीं बना है, इसके समाधान हेतु शीघ्र ही ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने किया बेलसर क्षेत्र में औचक निरीक्षण,लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मनरेगा से निर्मित तालाबों की गुणवत्ता पर विशेष जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने तहसील तरबगंज के विकासखण्ड बेलसर अंतर्गत ग्राम पंचायत अकौनी मुकुन्दपुर तथा मां बाराही देवी मंदिर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्ष ण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आव श्यक दिशा-निर्देश देते हुए विकास कार्यों में गुणव त्ता,पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।ग्राम पंचायत अकौनी में वर्ष 2020-21 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज गार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्मित तालाब का निरीक्षण करने पर उसकी स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई।इस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।मौके पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि तत्का लीन ग्राम पंचायत सचिव श्याम सुंदर,ग्राम विका स अधिकारी द्वारा वर्तमान ग्राम पंचायत सचिव को अभी तक कार्यभार हस्तांतरित नहीं किया गया है।इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को संबंधित ग्राम पंचायत सचिव श्याम सुंदर के निलं बन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत मुकु न्दपुर में मनरेगा के अंतर्गत निर्मित तालाब का नि रीक्षण किया।उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कि या कि तालाब का समुचित सुंदरीकरण,साफ-सफा ई एवं सौंदर्यीकरण कर उसे जनहित के अनुरूप और अधिक उपयोगी बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने मां बाराही देवी मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया।स्थानीय लोगों ने अव गत कराया कि मंदिर के समीप प्रवाहित सुखुई नदी वर्तमान में विलुप्त होने की स्थिति में है।इस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी तरबगंज एवं खण्ड विकास अधिकारी बेलसर को नदी की साफ सफाई, अतिक्रमण हटाने,सुंदरीकरण एवं पुनर्जी वन के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार कर आव श्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी तरबगंज प्रदीप कुमार, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी,डीसी मनरेगा जनार्दन प्रसाद, खंड विकास अधिकारी बेलसर रवि कुमार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) रवि मिश्रा, जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव, संबंधित ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत सचिव,ग्राम प्रधान एवं अन्य संबं धित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी टीईटी परीक्षा के दौरान बिगड़ी दो अभ्यर्थियों की तबीयत, समय रहते मिली चिकित्सा सहायता

एजेंसी

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा के दौरान शुक्रवार को कछवां स्थित श्री गांधी विद्यालय इंटरमीडिएट कॉलेज परीक्षा केंद्र पर दो अभ्यर्थियों की अचानक तबीयत बिगड़ने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, समय पर चिकित्सा सहायता मिलने से दोनों की हालत सामान्य हो गई और किसी प्रकार की गंभीर स्थिति नहीं बनी।

,जौनपुर से परीक्षा देने आए 35 वर्षीय एक पुरुष अभ्यर्थी ने परीक्षा के दौरान सीने में दर्द की शिकायत की। वहीं, 28 वर्षीय एक महिला अभ्यर्थी को उल्टी और अत्यधिक कमजोरी महसूस होने लगी। सूचना मिलते ही परीक्षा केंद्र पर मौजूद अधिकारियों और

कर्मचारियों ने तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई। विद्यालय की प्रधानाचार्या अमिता देवी ने बताया कि कई अभ्यर्थी 200 से 250 किलोमीटर की लंबी यात्रा कर परीक्षा केंद्र पहुंचे थे। कुछ अभ्यर्थी बिना भोजन किए परीक्षा देने आए थे, जबकि कुछ ने यात्रा से पहले आवश्यकता से अधिक भोजन कर लिया था। लंबी यात्रा और खान-पान में अनियमितता के कारण स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें सामने आईं। उन्होंने बताया कि समय रहते उपचार मिलने से दोनों अभ्यर्थियों की स्थिति सामान्य हो गई और परीक्षा केंद्र पर व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होती रही।

जनपद के 19 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हो रही उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा सकुशल सम्पन्न

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया कि उप्र शिक्षक पात्रता की परीक्षा जनपद के 19 परीक्षा केन्द्रों पर सकुशल सम्पन्न हुई। परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु अधिकारियों द्वारा निरन्तर भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी की गई। आज की आयोजित परीक्षा में प्रथम पाली में कुल 8544 अभ्यर्थियों में से 7929 अभ्यर्थी उपस्थित व 615 अभ्यर्थी अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में कुल 8544 अभ्यर्थियों में से 8055 अभ्यर्थी उपस्थित व 489 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 17088 अभ्यर्थियों में से 15984 अभ्यर्थी उपस्थित व 1104 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें।

35 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद, 02 अभियोग पंजीकृत

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 रोबिन आर्य मय हमराह एवं थाना खीरों पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा लालगंज तहसील के थाना-खीरों अंतर्गत ग्राम-मुस्तकीमगंज एवं बेहटासातनपुर में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में दबिश के दौरान जनपद में कुल 35 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं 300 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट करते हुए 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

सीडीओ ने 40 कन्याओं का जन्मोत्सव मना कर बच्चियों को उपहार देकर महिलाओं को किया सम्मानित

रायबरेली। महिला कल्याण विभाग द्वारा जिला महिला चिकित्सालय में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने 40 बेटियों का जन्मोत्सव मना कर नवजात बच्चियों को उपहार स्वरूप बेबी किट एवं मिष्ठान देकर महिलाओं को सम्मानित किया। मुख्य विकास अधिकारी ने कन्या जन्मोत्सव के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि समाज में बालिकाओं के जन्म को एक उत्सव के रूप में मनाना, उनके प्रति सम्मान बढ़ाना और सकारात्मक सोच विकसित करना है। बेटियों का सम्मान कर यह संदेश देना कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि परिवार की शान और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने बताया कि ऐसे अनेक कार्यक्रम मुख्य रूप से ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' अभियान के तहत आयोजित किए जाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक सोच उत्पन्न कर समाज में बेटियों के प्रति संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण को मजबूत किया जा सके। गिरते लिंगानुपात में सुधार करने हेतु कन्या भ्रूण हत्या को रोकना और बाल लिंगानुपात में सुधार करना है। उन्होंने सरकारी योजनाओं की जानकारी विस्तृत रूप से दी गई जैसे मातृ वंदना योजना, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, शादी अनुदान योजना एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कर योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम का समापन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक निर्मला साहू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करके किया गया।

बेला जंगल लूटकांड : 50 मिनट की टाइमलाइन खंगाल रही पुलिस

मीरजापुर,। मड़िहान थाना क्षेत्र के बेला जंगल में गुरुवार रात सचिन धागा कंपनी के सेल्समैन से 2.47 लाख रुपये की कथित लूट की घटना की जांच अब कई नए पहलुओं पर केंद्रित हो गई है। एसटीएफ, एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम घटनाक्रम की 50 मिनट की पूरी टाइमलाइन खंगाल रही है। शुरुआती जांच में चालक की भूमिका भी संदेह के घेरे में आई है। पुलिस के अनुसार, कलेक्शन लेकर लौट रही मैजिक गाड़ी शाम 7:25 बजे मड़िहान बाजार के सीसीटीवी कैमरों में दिखाई दी, जबकि 7:50 बजे वह देवरी कला स्थित धर्मकांटा के पास से गुजरती नजर आई। चालक और सेल्समैन का दावा है कि रात 8:15 बजे बेला जंगल के पास पल्सर सवार दो बदमाशों ने वाहन के बाएं टायर पर गोली मारकर उसे रोका और रुपयों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। हालांकि, पुलिस जांच में यह कहानी पूरी तरह मेल नहीं खा रही है। घटनास्थल पर गोली चलने के कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं। वाहन का बायां टायर जिस प्रकार फटा मिला है, उस पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस का मानना है कि जिस स्थान पर गोली लगने की बात कही जा रही है, वहां उस तरह टायर फटना संभव प्रतीत नहीं होता। इसके अलावा टायर फटने के बाद भी वाहन लगभग 100 मीटर तक चलता रहा, जबकि घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर होटल होने के बावजूद चालक ने वहां तक वाहन ले जाकर मदद लेने का प्रयास नहीं किया। जांच एजेंसियां बेला जंगल और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं तथा पल्सर सवार संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर गठित विशेष टीम में एसटीएफ, एसओजी और स्थानीय पुलिस शामिल है।

चालक की भूमिका भी जांच के दायरे में

बिहार जा रही 9 लाख की अवैध शराब पकड़ी

देवरिया । जिले की बनकटा पुलिस ने चेकिंग के दौरान क्षेत्र से करीब 9 लाख रुपये कीमत की 138 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी है। शराब के साथ दो रेफ्रिजरेटर और एक पिकअप वाहन बरामद किया है। पुलिस ने वाहन स्वामी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने शुक्रवार को बताया कि स्वाट टीम और थाना बनकटा पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार की रात चेकिंग के दौरान चौधूर छापर गांव में प्रधानपति विवेक राय के घर के सामने खड़े पिकअप वाहन (यूपी 53 ईटी 3238) की तलाशी ली। तलाशी में वाहन से कुल 138 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब और दो रेफ्रिजरेटर बरामद हुए। बरामद शराब की कुल मात्रा 1191.24 लीटर बताई गई है।

मवेशी चराने गये पशुपालक पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

फतेहपुर । उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक पशुपालक की मौत हो गई, जबकि एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। गाजीपुर थाना क्षेत्र के सेमरामऊ गांव निवासी राज नारायण मिश्रा उर्फ गट्टू मिश्रा (47) नदी के किनारे भैंस चरा रहे थे। उनके साथ गांव का महादत्त (17) भी जानवर चरा रहा था। इसी दौरान अचानक बारिश शुरू होने पर दोनों पास स्थित एक महुआ के पेड़ के नीचे जाकर बैठ गए। कुछ ही देर बाद तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली महुआ के पेड़ पर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को घटना की सूचना दी।थानाध्यक्ष विनोद सिंह ने बताया कि पुलिस तत्काल मौके पहुंची और दोनों

घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने राज नारायण मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल महादेव का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस मामले में आवश्यक अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के अन्तर्गत 07 से 15 जुलाई तक स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट नवीनीकरण के विरूद्ध विशेष अभियान

रायबरेली। संभागीय परिवहन अधिकारी लखनऊ अरुण कुमार ने बताया है कि परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के परिपत्र 29 जून 2026 द्वारा ''मिशन सेफ फ्यूचर'' अभियान के अन्तर्गत जुलाई माह के प्रथम सप्ताह (07 जुलाई से 15 जुलाई तक) जिन स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट नवीनीकरण की वैधता समाप्त हो चुकी है, के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर प्रवर्तन कार्यवाही करने एवं शत-प्रतिशत स्कूली वाहनों को फिटनेस एवं परमिट से आच्छादित कराये जाने के निर्देश दिये गये है। ऐसे में स्कूल आने-जाने वाले स्कूली बच्चों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने उक्त के परिप्रेक्ष्य में किसी अप्रिय घटना से बचने एवं सुरक्षा के दृष्टि से लखनऊ संभाग में पड़ने वाले जनपद-लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई एवं लखीमपुर के समस्त ऐसे स्कूली वाहन स्वामियों से अपील की है कि जिनके स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट की वैधता समाप्त हो चुकी है, किन्तु अभी तक नवीनीकरण नहीं कराया गया है, तो वे अपने स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट नवीनीकरण का तत्काल करा लें, अन्यथा मोटर वाहन अधिनियम में दी गई व्यवस्थानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने इसके अतिरिक्त समस्त प्रधानाचार्य/विद्यालयों संचालकों से भी इस संबंध में अपील की है कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने-अपने विद्यालयों/स्कूलों में स्कूली वाहनों के रूप में संचालित ऐसे स्कूली वहाने जिनकी फिटनेस एवं परमिट वैधता समाप्त हो चुकी है, उनका संचालन कदापि न होने दें एवं ऐसे स्कूली वाहन स्वामियों को उन्हें अपनी स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट नवीनीकरण कराये जाने हेतु निर्देशित करें। ''मिशन सेफ फ्यूचर'' के तहत लखनऊ संभाग के समस्त अभिभावकों से भी अनुरोध है कि अपने बच्चों को वैध प्रपत्रों से आच्छादित स्कूली वाहनों से ही स्कूल भेजना सुनिश्चित करें।

रोटरी क्लब मुरादाबाद सेंट्रल ने गौसेवा के साथ किया नए रोटरी वर्ष का शुभारंभ

मुरादाबाद । रोटरी क्लब मुरादाबाद सेंट्रल द्वारा नए रोटरी वर्ष का शुभारंभ शुक्रवार को दिव्यलोक आश्रम, रामगंगा विहार में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने गौमाताओं को ताजा हरा चारा खिलाकर सेवा, करुणा एवं भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट डॉ. काव्य सौरभ रस्तोगी अपनी धर्मपत्नी तृप्ति रस्तोगी के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन राजीव गुलाटी रहे। इस अवसर पर पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन सुधीर खन्ना, अतुल सोती एडवोकेट, अनुराधा गुप्ता, हिमांशु गर्ग, सौरभ टंडन, अरविंद शर्मा, राजकुमार गुप्ता, तरुण मदान, राजेश मेंदीरत्ता, राजू खन्ना, संजीव अरोड़ा, डॉ. गौरव कुमार, उदित सिंघल, अतुल गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, संदीप मेहरोत्रा, अजय अग्रवाल, राजीव वार्ष्णेय, राजीव मेहरोत्रा, राज अरोड़ा, अतुल सोती, अनिल अरोड़ा, सुयश कोठीवाल, विनीत मेहरोत्रा, आईपीपी अजय मेहरोत्रा, राहुल अग्रवाल, अनुपेंद्र सिंह, अनुराग जैन एवं विनीत यादव सहित अनेक वरिष्ठ एवं नव रोटेरियन्स उपस्थित रहे।

इनरव्हील क्लब ने किया वृक्षारोपण पर्यावरण सुरक्षा का दिया संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। इनरव्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी की नव निर्वाचित अध्यक्ष रुचि खन्ना ने अपने कार्यकाल की शुरुआत सामाजिक कार्यों से की। भीषण गर्मी को देखते हुए क्लब ने पशु-पक्षियों के लिए जगह-जगह पानी के नाद रखवाए ताकि उन्हें पीने का पानी मिल सके।डॉक्टर्स डे और सीए डे पर क्लब ने डॉक्टरों और सीए बच्चों को प्रमाणपत्र और पौधे देकर सम्मानित किया। डिस्ट्रिक्ट से मिले डायलिसिस सपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत क्लब द्वारा एक जरूरतमंद मरीज को इलाज के लिए आर्थिक सहायता भी दी गई।वृक्षारोपण अभियान के तहत क्लब सदस्यों ने सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों और पार्कों में पौधे लगाए और राहगीरों को पौधे वितरित किए। इस दौरान पर्यावरण बचाने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संदेश दिया गया। सदस्यों ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और गर्मी से बचाव के लिए हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक पेड़ लगाना चाहिए।पूरे कार्यक्रम में डॉक्टर प्रशांत गुप्ता और उनके परिवार का पूर्ण सहयोग मिला। अध्यक्ष रुचि खन्ना के दिशा-निर्देश और सचिव रिंकी गुप्ता के सहयोग से कार्यकाल की शुरुआत सराहनीय रही। चार्टर अध्यक्ष सलोनी गुप्ता का विशेष मार्गदर्शन भी मिला।

कार्यक्रम में आईएसओ निधि वर्मा, संपादिका पूनम कपूर, सदस्य सोनम गर्ग, मीना रस्तोगी सहित सभी सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं और समाजसेवा के लिए संकल्प लिया है।

वन महोत्सव सप्ताह के तहत ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने किया वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी,विकास क्षेत्र तिलोई की ग्राम पंचायत जमुरवां स्थित प्राचीनतम श्रीराम जानकी मंदिर जमुरवां के प्रांगण में वन विभाग द्वारा आयोजित वन महोत्सव सप्ताह के तहत ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने पौधरोपण किया और परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के साथ ही ग्रामीणों को पौधे भेंटकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि वन विभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि एक पेड़ मां के नाम पर लगाकर उसकी देखभाल करते हुये उसे तैयार करें जो कि हमें आगे चलकर फल फूल के साथ ही छाया प्रदान करेगा। वन रेंज तिलोई द्वारा श्रीराम जानकी मंदिर जमुरवां के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कर अमृत सरोवर एवं मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण किया और आम जनमानस को पेड़ लगाने के लिये प्रेरित किया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के साथ ही ग्रामीणों को पौधे वितरित किया। वन क्षेत्राधिकारी ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर डिप्टी रेंजर सचिन गौतम,दिग्विजय सिंह, सोनू सिंह, विजय सिंह सहित अन्य तमाम वनकर्मी और ग्रामीण मौजूद रहे।

'स्कूल चलो अभियान' को मिली नई रफ्तार, डीएम ने बच्चों का किया स्वागत और दिलाया शिक्षा का संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत । जिले में स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण का जिला स्तरीय शुभारंभ शुक्रवार को गांधी स्टेडियम से जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने किया कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे अभियान के माध्यम से जिले में शत-प्रतिशत नामांकन और प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने का संदेश दिया गया कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का कुमकुम का तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर और उन्हें स्कूल बैग, शैक्षणिक किट व टोपी प्रदान कर सम्मानपूर्वक विद्यालय परिवार में स्वागत किया गया अधिकारियों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे, इसके लिए सभी विभागों, शिक्षकों और अभिभावकों को मिलकर प्रयास करना होगा उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का नामांकन कराकर नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की वहीं अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत घर-घर संपर्क कर स्कूल से बाहर बच्चों का नामांकन कराया जाएगा, ताकि जिले में शत-प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य हासिल किया जा सके

सीएचसी सिंहपुर में एक रुपये के पर्चे पर लिखी जाती हैं साढ़े चार सौ रुपये की बाहरी दवाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,प्रदेश सरकार की लाख हिदायतों के बावजूद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिंहपुर के चिकित्सक बाहरी दवाएं लिखने से बाज नही आ रही हैं कमीशन बाजी के चक्कर मे लिखी जाने वाली यह बाहरी दवाएं मरीजों की जेबों पर भारी पड़ती है जो कि एक आम आदमी खरीद नही पा रहा है।इन चिकित्सकों की मनमानी पर जिले के आला अधिकारी भी अंकुश नही लगा पा रहे हैं।अमेठी जनपद के पश्चिमी छोर पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिंहपुर इन दिनों खुद बीमार चल रहा है यहां पर आने वाले मरीजों का पर्चा तो जरुर एक रुपया का बनता है लेकिन उस कोरे कागज पर साढ़े चार सौ रुपये की दवाएं लिख दी जाती हैं जिसे गरीब मरीज व तीमारदार खरीद नही पाता जब कि शासन के आदेश हैं कि मरीजों को बाहर की दवाएं न लिखी जाय लेकिन सीएचसी सिंहपुर में ठीक इसके विपरीत कार्य होता कभी भी देखा जा सकता है। शुक्रवार की दोपहर को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला मंहगी दवाओं के पर्चे हाथ मे लिये गरीब मरीज टहलते नजर आये।विभागीय सूत्रों की माने तो कमीशन बाजी के चक्कर मे मंहगी दवाएं लिखी जाती है जब कि ऐसा नही करना चाहिये जिले में बैठे स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी अपने मातहतों के क्रियाकलापों से भली भांति वाकिफ है और लगातार उनकी करतूतों के खिलाफ आवाजें भी उठती रहती है और साहब को उनकी शिकायतें भी प्राप्त होती है लेकिन फिर भी इन पर आज तक अंकुश नही लगाया जा सका जिससे इनके हौसले है।इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि मरीजों को बाहरी दवाएं लिखने वाले चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

महिला चिकित्सक की नही है तैनाती

तिलोई अमेठी । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिंहपुर में करीब तीन माह से महिला चिकित्सक की तैनाती नही है ऐसी दशा में प्रसव के साथ ही अन्य कार्य नर्सो को ही निपटाने पड़ते हैं तो काफी संख्या में महिलाएं प्राइबेट नर्सिंग होम में उपचार कराने को मजबूर हैं।यहां पर तैनात महिला चिकित्सक डॉ. पुलक यादव का तबादला स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरों ने आज से करीब तीन माह पूर्व कर दिया था तब से आज तक इस अस्पताल को एक अदद महिला चिकित्सक की दरकार है लेकिन महकमा शायद भूल चुका है।सीएचसी सिंहपुर में महिला चिकित्सक न होने की दशा में प्रसव जैसे गम्भीर मामलों को नर्सो द्वारा ही निपटाया जाता है।

जिला रेफरल चिकित्सालय के सामने से मरीज की बाइक चोरी

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव लोधवरिया स्थित जिला रेफरल चिकित्सालय में दवा लेने गये एक मरीज की मोटर साइकिल को बेखौफ चोरों ने पार कर दिया है।पीड़ित की तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर वाहन की तलाश में जुट गई है। थाना क्षेत्र के गांव भटपुरवा मजरे छतहुवां निवासी अंजनी शर्मा पुत्र राम नेवाज शर्मा बीती तीस जून को अपने भाई की मोटर साइकिल एच एफ डीलक्स यूपी 36 के 9351 से लोधवरिया स्थित जिला रेफरल चिकित्सालय दवा लेने गये थे वह एक मेडिकल स्टोर के सामने मोटर साइकिल खड़ी करके दवा लेने चले गये और जब दवा लेकर वापस आये तो मौके से बाइक गायब मिली। पीड़ित ने इधर उधर काफी तलाश किया लेकिन कोई पता नही चला तो उसने पूरे मामले से स्थानीय पुलिस को अवगत कराते हुये लिखित तहरीर सौंपी। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने मामले को गम्भीरता से लेते हुये अभियोग दर्जकर लिया है और बाइक की तलाश के लिये पुलिस टीम गठित कर दिया है।

कांग्रेस नेत्री के साथ पीड़ित परिवार ने सीओ को सौंपा ज्ञापन

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील तिलोई तहसील क्षेत्र के कस्बा अहोरवा भवानी में कथित बुलडोजर कार्यवाही को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर तिलोई के क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाये।कांग्रेस नेत्री सुनीता सिंह ने आरोप लगाया कि स्थानीय ब्लाक प्रमुख ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर एक बुजुर्ग के करीब चालीस वर्ष पुराने मकान पर जबरन बुलडोजर चलवा दिया और पीड़ित पिछले दस दिनों से न्याय के लिये अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन उसकी शिकायत पर अब तक कोई प्रभावी कार्यवाही नही हुई। इसी से नाराज़ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को तिलोई के क्षेत्राधिकारी कार्यालय का घेराव कर निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्यवाही और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की। फिलहाल प्रशासन की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मामले की जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

छात्रा से दुराचार के आरोपी को पुलिस ने दबोचा,पहुंचा सलाखों के पीछे

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर सख्ती बरतते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पूरनपुर पुलिस ने दुराचार और एससी/एसटी एक्ट के मुकदमे में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया घटना के बाद से आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर था, लेकिन मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया पुलिस के अनुसार, कस्बा पूरनपुर निवासी एक युवती ने कोतवाली में दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि वह और आरोपी अवकेश मिश्रा एक ही विद्यालय में पढ़ते थे दोनों के बीच मित्रता थी आरोप है कि इसी दौरान आरोपी उसे बाइक से ग्राम बिलहरी स्थित अपने रिश्तेदार के घर ले गया, जहां उसने युवती के साथ दुराचार किया जब पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी तो आरोपी पक्ष ने कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया और जान से मारने की धमकी दी पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना पूरनपुर में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया मामला दर्ज होते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया गया प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर माधोटांडा क्रॉसिंग के पास से नवदिया धनेश, थाना माधोटांडा निवासी अवकेश मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं से दुष्कर्म, दुराचार और उत्पीड़न जैसे मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा ऐसे अपराधों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा मामले की विवेचना प्रचलित है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।ढ

यूरिया के लिए दर-दर भटक रहे किसान,रसूखदारों पर मेहरबानी के आरोप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील कलीनगर क्षेत्र में यूरिया खाद की किल्लत से किसान परेशान हैं किसानों का आरोप है कि पिछले करीब 20 दिनों से वे जमुनिया खास (बी-पैक्स) सहकारी समिति के लगातार चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर यूरिया नहीं मिल रही इससे धान समेत अन्य फसलों की देखभाल प्रभावित हो रही है और किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है किसानों का कहना है कि जहां आम किसान घंटों लाइन में लगने और कई बार समिति के चक्कर काटने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं, वहीं प्रभावशाली और रसूखदार लोगों को बिना किसी परेशानी के यूरिया उपलब्ध करा दी जा रही है इसे लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ रही है किसानों ने प्रशासन से सहकारी समिति में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने और खाद वितरण में पारदर्शिता लाने की मांग की है उनका कहना है कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

मझोला में नई चीनी मिल की कवायद तेज, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखा प्रस्ताव

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद के किसानों और क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए एक अहम पहल करते हुए गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर पीलीभीत के मझोला क्षेत्र में नई चीनी मिल एवं डिस्टिलरी की स्थापना का प्रस्ताव रखा इस पहल से क्षेत्र के हजारों गन्ना किसानों में नई उम्मीद जगी है मुख्यमंत्री से हुई शिष्टाचार भेंट के दौरान राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने जनपद के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की और कहा कि मझोला क्षेत्र में चीनी मिल स्थापित होने से किसानों को गन्ने की बेहतर खरीद व्यवस्था मिलेगी, परिवहन लागत घटेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को प्राथमिकता देने का आग्रह किया बैठक में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण भी मौजूद रहे, जिन्होंने अलीगढ़ जनपद की छाता तहसील में नई शुगर मिल स्थापित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों प्रस्तावों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार कर आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश देने का आश्वासन दिया यदि यह परियोजना धरातल पर उतरती है तो पीलीभीत के मझोला क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और गन्ना किसानों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है।

जिले के आठ चोरियों सहित गैर जनपद की 15 चोरियों का एसपी ने किया खुलासा

सुल्तानपुर। जिले के अलग थाना क्षेत्रों में पिछले 03 महीनों में हुई 08 बड़ी चोरियों का एसपी चारु निगम ने पुलिस लाइन सभागार में खुलासा किया। खुलासा करते हुए एसपी ने बताया कि सीतापुर जिले के चोरों का शातिर गिरोह प्रदेश के अलग अलग जिलों में चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो जाता था। जिले में हुई चोरियों के खुलासे के लिए कई टीमों का गठन किया गया तो जानकारी में आया कि गैर जनपद के चोरों द्वारा जिले में आकर चोरी की घटना को अंजाम देकर चार पहिया वाहन से फरार हो जाते थे। गुरुवार शुक्रवार की रात में जिले के जयसिंहपुर थाना क्षेत्र में पीढ़ी टोल के पास चार पहिया से चोरी करने के इरादे से जिले में आए सीतापुर जिले के नरेंद्रपुर सदरपुर निवासी अनिकेत चौहान पुत्र पिंकू चौहान, बीबीपुर थाना इमलिया सुल्तानपुर के आकाश पुत्र अवधेश व अजय पुत्र अनंतराम, मथुआपुर थाना रेउसा के मिथिलेश चौहान पुत्र सुंदरलाल को रोकने का प्रयास किया तो उक्त लोगों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में अनिकेत चौहान, आकाश, मिथिलेश गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को पुलिस लेकर जयसिंहपुर सीएचसी पहुंची, जहां सभी का इलाज कराया गया। उन्होंने बताया गिरफ्तार आरोपियों से साढ़े 11 लाख रूपये नगद, 107 ग्राम सोना कीमत 15 लाख 10 हजार, 01 किलो चांदी कीमत 02 लाख 40 हजार सहित 03 तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया। उन्होंने बताया कि उक्त लोग जिस कंपास जीप से आए थे उसे भी चोरी की कमाई से खरीदे थे। जिसकी कीमत लगभग 31 लाख रुपए है। पकड़े गए चारों चोर हिस्ट्रीशीटर है। जिनमें अनिकेत के खिलाफ 50 हजार का इनाम घोषित था। पकड़े गए अनिकेत के खिलाफ 44 मुकदमा, आकाश के खिलाफ 39, अजय के खिलाफ 17 व मिथिलेश के खिलाफ 25 मुकदमे दर्ज है।

स्कूली वाहनों पर 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान, सुलतानपुर में 12 चालान, 2 वाहन जब्त; फिटनेस-परमिट अनिवार्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर में स्कूली वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान शुरू किया गया है। परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर यह विशेष अभियान 1 जुलाई से 15 जुलाई तक चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य उन सभी स्कूली वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई करना है जिनकी फिटनेस और परमिट की वैधता समाप्त हो चुकी है, साथ ही शत-प्रतिशत वाहनों को वैध फिटनेस और परमिट के दायरे में लाना है।

इस अभियान के तहत शुक्रवार शाम सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने जनपद में तहसीलवार अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। ये टीमें विद्यालयों से व्यक्तिगत रूप से या दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर रही हैं। उनसे अनुरोध किया जा रहा है कि वे अपने विद्यालय में संचालित सभी वाहनों के प्रपत्र, जैसे फिटनेस, परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र, 7 जुलाई 2026 तक वैध करा लें। बच्चों को लाने-ले जाने के लिए केवल वैध प्रपत्र वाले वाहनों का ही उपयोग करने की हिदायत दी गई है। जनपद सुलतानपुर में वर्तमान में 78 स्कूली वाहनों की फिटनेस और 288 स्कूली वाहनों के परमिट समाप्त हो चुके हैं। इन सभी वाहनों के पंजीकरण निलंबन की कार्यवाही की गई है। जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से भी सभी प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों को वाहनों के प्रपत्र पूरे कराने के लिए नोटिस भेजे गए हैं। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम द्वारा जनपद के विभिन्न मार्गों पर लगातार चेकिंग की जा रही है। अभियान के पहले तीन दिनों में कुल 152 स्कूली वाहनों की जांच की गई। इनमें से बिना वैध या अपूर्ण प्रपत्रों के संचालित पाए गए 12 स्कूली वाहनों का चालान किया गया, जबकि 2 स्कूली वाहनों को बंद करने की कार्रवाई की गई है।

सामूहिक विवाह योजना टेंडर में धांधली का आरोप, सुलतानपुर में GeM पोर्टल दरकिनार, फीस 1500 से 11000 रुपये हुई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

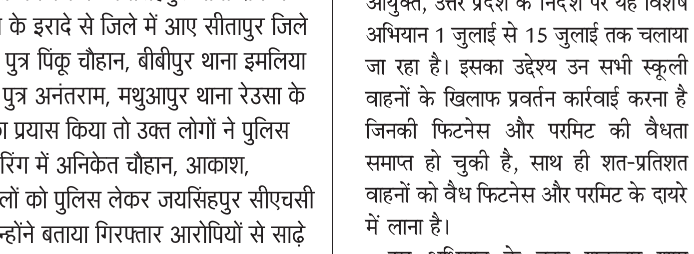

सुलतानपुर में 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के टेंडर में धांधली और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा निकाली गई इस निविदा को लेकर कुड़वार थानाक्षेत्र के सोहगौली निवासी विजयधर पाठक ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि विभाग ने स्वच्छ और पारदर्शी निविदा प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए ऐसी शर्तें जोड़ी हैं, जिनसे केवल कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को ही लाभ मिल सके। शिकायतकर्ता ने वर्तमान निविदा को तत्काल रद्द कर क्क्ष्ख पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से दोबारा टेंडर कराने की मांग की है। यह मामला योजना के तहत टेंट, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए निकाले गए टेंडर से संबंधित है। आरोप है कि शासन की पारदर्शी निविदा नीति के विपरीत, इस टेंडर में बेहद सीमित और प्रतिबंधात्मक शर्तें डाली गई हैं। इसका उद्देश्य वर्षों से जमे हुए चहेते ठेकेदारों को ही इसमें भाग लेने का अवसर देना है। एक शर्त यह भी है कि कोई भी ठेकेदार निविदा लागत से 10 प्रतिशत से अधिक दर कम नहीं कर सकता, जो वित्तीय प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों के खिलाफ है। निविदा में विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा जारी 6 महीने पुराना विद्युत लाइसेंस अनिवार्य किया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि विद्युत लाइसेंस हर साल नवीनीकृत होता है, और पूरे प्रदेश में ऐसी अनोखी शर्त सिर्फ सुलतानपुर में लगाई गई है, ताकि किसी 'डमी फर्म' को काम दिया जा सके। इसके अलावा, पिछले वर्ष जिस निविदा की फीस मात्र 1,500 रुपये थी, उसे इस वर्ष बढ़ाकर सीधे 11,000 रुपये कर दिया गया है, जिस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। शिकायती पत्र में यह भी कहा गया है कि इस कार्य की प्रकृति को देखते हुए यह खरीद 'क्क्ष्ख पोर्टल' के माध्यम से आसानी से कराई जा सकती थी, जैसा कि प्रदेश के कई अन्य जनपदों में किया जा रहा है। क्क्ष्ख पोर्टल से टेंडर होने पर अधिक वेंडर भाग लेते और न्यूनतम दर पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलतीं। शिकायतकर्ता ने शासनादेश का हवाला देते हुए बताया कि शासन का स्पष्ट निर्देश है कि टेंडर में कोई भी प्रतिबंधात्मक शर्त न लगाई जाए ताकि सभी को समान अवसर मिले। इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को लाभ पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। यह भी बताया गया है कि पूर्व के वर्षों में भी इसी तरह की गड़बड़ियों के कारण भारी भ्रष्टाचार और अनियमितता की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। शिकायतकर्ता ने आज सौंपे शिकायती पत्र में इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि विभाग के पास क्क्ष्ख पोर्टल का उपयोग न करने का कोई ठोस प्रशासनिक आधार नहीं है, तो वर्तमान निविदा को तुरंत निरस्त कर क्क्ष्ख पोर्टल के माध्यम से नए सिरे से टेंडर आमंत्रित किए जाएं ताकि गरीबों के कल्याण के लिए आने वाले सरकारी धन की बंदरबांट को रोका जा सके।

जिले की इन चोरियों का हुआ अनावरण

सुल्तानपुर। एसपी द्वारा किए गए खुलासे के अनुसार जयसिंहपुर थाना क्षेत्र नगईपुर गांव में 13 मार्च को प्रमोद पांडेय के घर में,16 मार्च को शमशेर बहादुर सिंह के घर में हुई चोरी, मोतिगरपुर थाना क्षेत्र पारस पट्टी गांव में संदीप यादव के घर 24 अप्रैल को हुई चोरी, कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के नकराही लोलेपुर गांव में सुरेश कुमार दुबे के यहां 17 जून को हुई चोरी व 19 जून को अनुराग वर्मा निवासी मनिका पुर परासिन के घर हुई चोरी, चांदा थाना क्षेत्र दरबारपुर निवासी प्रतिमा तिवारी के घर हुई चोरी, कूरेभार थाना क्षेत्र के बरौला गांव निवासी बाबूराम यादव के घर 20 मई को हुई चोरी व गोसाईगंज थाना क्षेत्र के इनायतपुर गांव में तोईयब के घर 21 जून को हुई चोरी शामिल है। साथ ही प्रयागराज जिले की तीन, अम्बेडकर नगर की एक, अयोध्या जिले की 03 चोरियों का भी खुलासा सुल्तानपुर पुलिस द्वारा किया गया है।

सम्पादकीय

कागज दिखाना मौजूदा दौर की सबसे बड़ी त्रासदी!

भाजपा के शासन में कागज की अहमियत इंसान से ज्यादा हो चुकी है। कागज तो दिखाना होगा, मौजूदा दौर का सबसे त्रासद वाक्य है, जिससे लाखों-करोड़ों नागरिक जूझ रहे हैं। खबर आई है कि मंगलवार को हुई केबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिए हैं कि आम लोगों की सुविधा का ख्याल रखा जाए। लेकिन यह कैसा ख्याल रखना है जिसमें कदम-कदम पर आम जनता को यही साबित करना पड़े कि वह इस देश का नागरिक है। राशन कार्ड, आधार, पैन कार्ड, दसवीं का प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट ये सारे कार्ड किसी व्यक्ति के पास होने के बावजूद यह तय नहीं है कि वह भारत का नागरिक है या नहीं। पासपोर्ट पर तो हाल ही में विदेश मंत्रालय का बयान आया ही था कि यह केवल यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, जबकि दूसरे देश जाने पर आपको किस देश का नागरिक माना जाए, यह आपके पासपोर्ट से ही तय होगा। पासपोर्ट पर एक अनावश्यक विवाद मोदी सरकार ने खड़ा किया और हाल ही में उसी से जुड़ा एक अजीबोगरीब प्रकरण सामने आया है। कोलकाता से निकलने वाले प्रमुख अंग्रेजी दैनिक द टेलीग्राफ के पूर्व संपादक आर. राजगोपाल का पासपोर्ट नवीनीकृत नहीं हुआ, क्योंकि एसआईआर में उनका नाम लाखों अन्य लोगों की तरह काटा गया है। आर. राजगोपाल ने सोशल मीडिया पर अपने साथ घटे इस त्रासद वाकये को बयां किया है कि मार्च 2026 में कोलकाता के बालीगंज विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया। उनके अनुसार, एसआईआर के दौरान अधिकारियों को न तो उनका और न ही उनके दिवंगत पिता का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में मिला। इसी आधार पर उनका नाम सूची से हटा दिया गया। राजगोपाल ने लिखा कि उनके पिता एक गांधीवादी, सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर और केरल में गांधी स्मारक निधि के पूर्व राज्य सचिव थे, जिनका 2016 में निधन हो चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने सजग मतदाता रहे उनके पिता का नाम मतदाता सूची में कैसे नहीं मिला। राजगोपाल का कहना है कि पश्चिम बंगाल में लगभग 27 लाख लोगों के नाम तथाकथित श्लॉजिकल डिस्क्रेपेंसीश के आधार पर मतदाता सूची से हटाए गए। उन्होंने मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र समेत अन्य दस्तावेज जमा किए, लेकिन उन्हें कोई साफ कारण नहीं बताया गया। राजगोपाल समेत हजारों लोगों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित एक ट्रिब्यूनल के सामने लंबित है। इसी वजह से वे हाल में हुए चुनाव में मतदान भी नहीं कर सके। राजगोपाल ने बताया कि उन्होंने 19 मार्च 2026 को पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी कर ली थी, लेकिन पुलिस सत्यापन नहीं हो सका क्योंकि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं था। उन्होंने कई वैकल्पिक दस्तावेज जमा किए, लेकिन उन्हें पर्याप्त नहीं माना गया। 27 जून को उनके बायोमेट्रिक हुए 100 दिन पूरे हो गए। पिछले सप्ताह उन्हें पासपोर्ट कार्यालय से बताया गया कि कोलकाता पुलिस ने मतदाता सूची से नाम हटने के आधार पर प्रतिकूल रिपोर्ट भेजी है। हालांकि उन्हें क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में तत्काल उपस्थित होने को कहा गया, लेकिन ऑनलाइन अपॉइंटमेंट 17 जुलाई 2026 की मिली। कितनी हैरानी की बात है कि एक प्रतिष्ठित अखबार के संपादक का पासपोर्ट नवीनीकरण अब तक इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था और पुलिस ने इसे ही आधार माना। जबकि केंद्र और राज्य सरकारें पत्रकारों व संपादकों को अधिमान्यता भी देती हैं। इसमें भी उनके तमाम दस्तावेज जांचे-परखे जाते हैं। फिलहाल यह ज्ञात नहीं है कि राजगोपाल के पास इस समय राज्य अधिमान्यता कार्ड या पत्र सूचना कार्यालय की तरफ से जारी कार्ड है या नहीं, लेकिन जब उनके जैसे प्रतिष्ठित संपादक को कागज दिखाने के नाम पर मानसिक संताप से गुजरना पड़ा है, तो आम लोगों की बिसात ही क्या है। खुद राजगोपाल ने यह लिखा है कि वे खुद को पीड़ित की तरह नहीं दिखाना चाहते, लेकिन इतने वर्षों की पत्रकारिता और अखबार का संपादन करने के बाद उन्हें अपनी पहचान साबित करने के लिए इतना संघर्ष करना पड़ रहा है, तो समाज के सबसे कमजोर और हाशिए के लोगों की स्थिति कितनी मुश्किल होगी।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फ़ेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है। आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं।

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फ़ेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है। आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्ज़ी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या काग़ज़ के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें। प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए। आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-''प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।'' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है। आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी। **– ललित गर्ग**

सिलैक्टिव आक्रोश से कांग्रेस का इतिहास नहीं मिट सकता

आर.पी. सिंह

गाजा पर सोनिया गांधी का लेख नैतिकता का पाठ नहीं, बल्कि चयनात्मक आक्रोश का एक जीवंत उदाहरण है। भारत को मानवाधिकारों का उपदेश देने से पहले कांग्रेस नेतृत्व को स्वतंत्र भारत के सबसे काले अध्यायों में से एक, 1984 के सिख विरोधी नरसंहार और उसके बाद पंजाब में वर्षों तक चले दर्द और पीड़ा का जवाब देना चाहिए। नवम्बर 1984 में हजारों निर्दोष सिखों की निर्मम हत्या कर दी गई। लोगों को उनके घरों से घसीटकर बाहर निकाला गया, लोहे के सरियों से पीटा गया, उन पर मिट्टी का तेल डालकर जिंदा जला दिया गया। पूरे के पूरे परिवार समाप्त कर दिए गए। गुरुद्वारों का अपमान किया गया, घरों और दुकानों को लूटकर आग के हवाले कर दिया गया। बच्चों ने अपने पिता को भीड़ द्वारा मारते हुए देखा, माताओं ने अपने बेटों को अपनी आंखों के सामने मरते देखा। हजारों महिलाएं एक ही रात में विधवा हो गईं और अनेक जीवित बचे लोगों ने भयावह यौन इ्क्षहसा की ऐसी कहानियां सुनाईं, जिनके शारीरिक और मानसिक घाव आज तक नहीं भरे हैं। गाजा के लिए आंसू बहाने से पहले सोनिया गांधी स्वयं से एक प्रश्न पूछें-क्या उन्होंने कभी सतनामी बाई के आंसू पोंछने की कोशिश की है? सतनामी बाई की गवाही 1984 के सिख विरोधी नरसंहार की सबसे हृदयविदारक गवाहियों में से एक है। 1 नवम्बर, 1984 को त्रिलोकपुरी में उन्होंने अपनी आंखों के सामने अपने पति मोहन सिंह, जो एक गरीब ऑटो-रिक्शा चालक थे, को लोहे के सरियों से पीट-पीटकर और जिंदा जलाकर मार डाले जाते देखा, जबकि उनकी गोद में उनकी नवजात बेटी थी। उस समय जब कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी, उन्होंने और अनेक अन्य सिख महिलाओं ने बाद में भीड़ द्वारा किए गए भयावह यौन अत्याचारों का वर्णन किया। उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। क्या सोनिया गांधी ने कभी सार्वजनिक रूप से सतनामी बाई का नाम लिया? क्या वह कभी उनसे मिलीं, उन्हें गले लगाया या 1984 में सिख महिलाओं पर हुए अकल्पनीय अत्याचारों पर गहरा दुख व्यक्त किया? क्या उन्होंने कभी प्रत्येक पीड़ित को पूर्ण न्याय दिलाने की मांग की? दिल्ली में यह भयावहता समाप्त नहीं हुई। इसके बाद पंजाब वर्षों तक खून से लथपथ रहा। एक पूरी पीढ़ी आतंकवाद और आतंकवाद-रोधी अभियानों के बीच बड़ी हुई। हजारों परिवार अपने उन बेटों की तलाश करते रहे, जो कभी वापस नहीं लौटे। जबरन गायब किए जाने, अवैध अंतिम संस्कार, हिरासत में यातना और फर्जी मुठभेड़ों के आरोपों ने पंजाब के इतिहास पर गहरे घाव छोड़े। जत्थेदार गुरदेव सिंह कौंके की हिरासत में हत्या आज भी उस दौर के सबसे दर्दनाक प्रतीकों में से एक है। भारत के सबसे राष्ट्रवादी और देशभक्त समुदायों में से एक, सिख समुदाय, जिसने देश की आजादी, एकता और सुरक्षा के लिए अतुलनीय बलिदान दिए, उसे आतंकवादियों की करतूतों के कारण संदेह की दृष्टि से देखा गया। जिस समुदाय ने भारत को अनगिनत शहीद दिए, उसी समुदाय को ऐसे बोझ का सामना करना पड़ा जिसका वह कभी दोषी नहीं था। सोनिया गांधी को अपने दिवंगत पति राजीव गांधी का वह बयान भी याद रखना चाहिए, जो उन्होंने 1984 की हिंसा के बाद दिया था-'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है।' इस बयान की व्यापक रूप से आलोचना हुई क्योंकि इसे उस भीषण इ्क्षहसा को उचित ठहराने या उसकी गंभीरता को कम करके दिखाने के रूप में देखा गया। असंख्य सिख परिवारों के लिए यह बयान कांग्रेस की उस विफलता का प्रतीक बन गया, जिसमें उसने पीड़ितों के साथ बिना किसी शर्त के खड़े होने का नैतिक साहस नहीं दिखाया। नरसंहार के बाद भी कांग्रेस की राजनीतिक भाषा और उसके कुछ चुनावी विज्ञापन, जिन्हें अनेक सिखों ने समुदाय को राष्ट्रीय सुरक्षा और भय के चश्मे से देखने का प्रयास माना, ने घाव भरने की बजाय अलगाव की भावना को और गहरा किया। और आज वही सोनिया गांधी गाजा के मुद्दे पर नैतिकता का सर्वोच्च मंच ग्रहण करने का प्रयास कर रही हैं। हर निर्दोष नागरिक का जीवन चाहे वह फिलिस्तीनी हो, इसराईली, भारतीय या किसी भी अन्य देश का नागरिक, अनमोल है। भारत ने हमेशा मानवीय सहायता, निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा और संवाद के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। लेकिन नैतिक विश्वसनीयता के लिए निरंतरता आवश्यक है। भारत को मानवता का पाठ पढ़ाने से पहले सोनिया गांधी को यह जवाब देना चाहिए कि उन्होंने दिल्ली की सिख विधवाओं, 1984 के अनाथ बच्चों, दशकों तक न्याय की प्रतीक्षा करने वाले परिवारों और पंजाब के पीड़ितों के लिए कभी वही नैतिक संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई, जो आज गाजा के लिए प्रदर्शित कर रही हैं। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि यह लेख सार्वभौमिक मानवाधिकारों से अधिक भारत की घरेलू राजनीति से प्रेरित है।

सेहत मंत्र

बारिश में होता है अमीबियासिस संक्रमण का खतरा

बारिश बीमारियों का मौसम है। मॉनसून में कई तरह के संक्रामक रोग तेजी से फैलते हैं। दरअसल बरसात होने के बाद वातावरण में नमी हो जाती है और नमी में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। इस मौसम में त्वचा की बीमारियों के अलावा वायरल बुखार, डेंगू, डायरिया और मलेरिया, अमीबीयासिस का खतरा बढ़ जाता है। आमतौर पर लोग अमीबियासिस के बारे में कम जानते हैं और जानकारी का अभाव बीमारी से होने वाले खतरों को बढ़ाता है। अमीबियासिस एक जलजनित रोग है यानि ये रोग पानी के द्वारा फैलता है। इसके साथ ही ये रोग संक्रामक होता है यानि कुछ विशेष परिस्थितियों में ये रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंच जाता है। **कैसे होता है अमीबियासिस**: अमीबियासिस मुख्य रूप से पानी से फैलने वाला रोग है। इस मौसम में बाहर के खुले पानी में कई तरह के हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस मौजूद होते हैं। ऐसे में बाजार में खुले में बिकने वाले खानों (विशेष रूप से होटल, ठेले आदि के खानों) को अशुद्ध पानी से बनाया जाता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में खुले में रखा हुआ खाना जल्दी संक्रमित होकर खराब हो जाता है जबकि बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थ आमतौर पर काफी देर पहले बने होते हैं। इसके अलावा खाना बनाने और परोसने वाले लोगों द्वार नाखून, सिर एवं शरीर के अन्य खुले भाग का ध्यान नहीं रखे जाने के कारण अमीबियासिस का जीवाणु एक से दूसरे तक पहुंचता है। अमीबा एक–कोशकीय जीवाणु है, जो अमीबियासिस का प्रमुख कारण है। अमीबियासिस शरीर के कई अंगों को प्रभावित करता है। आमतौर पर इससे सबसे पहले बड़ी आंत प्रभावित होती है। इसके अलावा ये रोग लीवर, फ़ेफड़ों, हृदय, मस्तिष्क, वृक्क, अंडकोष, अंडाशय, त्वचा आदि को भी प्रभावित कर सकता है। **अमीबियासिस के लक्षण**: पतले दस्त, भोजन के बाद पेट में दर्द, रुक–रुक कर दस्त शुरू हो जाना, कब्ज की समस्या हो, अपच हो जाए और उल्टी हो, पेट में गैस बनना यानि वायु–विकार होना, त्वचा संबंधी रोग होना जैसे रैशेज, दाद, खुजली आदि।

धर्म मंत्र

पंचमुंडीय आसन पर विराजित हैं मां काली, दर्शन से होती है मन्नत पूरी

घसियारी मंडी के कालीबाड़ी में मां काली का प्राचीन मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि यह मंदिर 147 साल प्राचीन है। यहां पर मां काली पंचमुंडीय आसन पर विराजमान हैं। कहा जाता है कि ये आसन नर, बंदर, सांप, उल्लू, चमगादड़ के सिर से बना है, जो मां काली को प्रिय है। यहां आकर जो भी भक्त मां से मन्नत मांगता है, वह अवश्य पूर्ण होती है।

कहा जाता है कि इस मंदिर की स्थापना तांत्रिक मधुसुदन मुखर्जी ने की थी। वे मां काली के भक्त थे। वे नीम के वृक्ष के नीचे बैठकर तप करते थे। मां ने मुखर्जी की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें मंदिर की स्थापना के लिए कहा। मां ने आदेश दिया कि वह मां काली की मिट्टी से प्रतिमा का निर्माण करवाए। उसके पश्चात उसे पंचकुंडीय आसन पर विराजमान करके पूजा करें। उसके बाद मंदिर में मां की पूजा-अर्चना शुरु हो गई। उसके बाद यहां पर दूर-दूर से भक्तजन मां के दर्शनों के लिए आने लगे। कहा जाता है कि नवरात्र में यहां आने से भक्तों की मुरादें पूरी होती हैं। अष्टमी और नवमी को मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन होता है और शाम की आरती होती है।

माना जाता है कि नवरात्रों में मंदिर में जो भी भक्त 108 कमल के फूल अर्पित करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। मंदिर की विशेष बात यह है कि यहां पशु बलि की जगह पेठा फल और गन्ने की बलि दी जाती है।

पर्यटन

18वीं सदी में 2 करोड़ में बनकर तैयार हुआ था ये किला, आज बन गया दुनिया का मशहूर लक्जरी होटल

आप ऐसी कई जगह पर गए होंगे, जहां का पुराना इतिहास रहा है। जैसे कई होटल या रेस्टोरेंट से कोई किस्सा या फिर को ऐतिहासिक बात जुड़ी हुई होती है। ऐसा ही है एक ऐतिहासिक किला, जो अब शाही होटल में बदल चुका है। **1880 में बना था किला जिसे बंद कर दिया गया**: इंग्लैंड के 'सोलेंट' सिटी में बना 'नो मैन लैंड फोर्ट' एक समुद्री किला है, जो इंग्लैंड के दूसरे सबसे बड़े आइलैंड 'ऑयसल ऑफ विट' के किनारे से 2.2 किलोमीटर की दूरी पर बना है। इस समुद्री किले का निर्माण का प्रस्ताव 1859 के रॉयल कमीशन के गठन के बाद पारित हुआ और 1867 से 1880 के मध्य इसका निर्माण हुआ। 2004 में एक चैनल की रिपोर्ट के अनुसार इस किले के पानी में गंदगी पाई गई थी, जिसके बाद किले को बंद कर दिया गया था। किले के बंद होने के बाद और यहां कुछ समय के आस–पास रहने वाले पक्षी और चिड़िया इसको वॉश बेसिन की तरह प्रयोग करने लगे एक तरह से यह उनका निवास स्थान बन गया। **2015 में बना दिया गया शाही महल**: 2005 में इसको बेच दिया गया और इसके बाद लगातार कई साल तक इसमें कोई काम किये बिना लगातार इसका सौदा होता रहा। 2015 में इसको एक लक्जरी होटल बना दिया गया जिसके चारों ओर के समुद्र के प्राकृतिक दृश्य लोगों को लुभा लेता है। **2 करोड़ से ज्यादा रूपये का है किला** : क्रीमियन वॉर के बाद नैपोलियन त्रत्र्त्र के हमले की संभावना की वजह से लगभग 2,27,02,324 करोड़ रुपये की रकम लगाकर इस विशाल किले का निर्माण कराया गया। पोर्ट्समाउथ की सुरक्षा इस किले के निर्माण का मुख्य उद्देश्य था, जिसके चलते इस किले को इंग्लैंड की जल सेना का विशाल पोर्ट बनाया गया ताकि वह समुद्र के बीच रहकर अपने हथियारों के दम पर इंग्लैंड को सुरक्षा प्रदान कर सके। **कैसे पहुंचे** : आप इंटरनेशनल फ्लाइट लेकर यहां इंग्लैंड पहुंच सकते हैं। जिसके बाद टैक्सी या कैब से इस होटल में पहुंच सकते हैं।

ग्रीन चौपाल का आयोजन अभियान शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। वन महोत्सव-2026 के तहत शुक्रवार को हरख वन रेंज के अंतर्गत सतरिख खास स्थित बक्कीदास बाबा मंदिर परिसर में ग्रीन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने बरगद का पौधा रोपित कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रजनी रावत, विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा, प्रमुख मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी, प्रभागीय वनाधिकारी आकाश दीप बधावन सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे। अतिथियों ने नीम, आम, महोगनी व कचनार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया।

वन मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने पर बल दिया तथा छह हरित प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मेडिकल कैंप का निरीक्षण किया गया और ''आम बहार आपके द्वार'' अभियान के तहत आम के पौधों व फलों का वितरण भी किया गया। वन विभाग ने बताया कि वन महोत्सव सप्ताह के दौरान जिले भर में वृक्षारोपण और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी मधुमिता सिंह बनीं हैदरगढ़ की नई एसडीएम, जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर रहेगा विशेष फोकस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने प्रशासनिक फ़ेरबदल के तहत वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी श्रीमती मधुमिता सिंह को हैदरगढ़ का नया उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नियुक्त किया है। कार्यभार ग्रहण करते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

प्रतापगढ़ जनपद की मूल निवासी श्रीमती मधुमिता सिंह प्रशासनिक सेवा में अपनी कार्यकुशलता, अनुशासन और जनसरोकारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए जानी जाती हैं। उनके पति भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी रह चुके हैं। प्रशासनिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण उन्हें शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जिम्मेदारी के साथ किया जाएगा। प्रत्येक शिकायत की गंभीरता से समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर और पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए। नई एसडीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। गरीब, किसान, श्रमिक, महिलाएं तथा समाज के वंचित वर्ग शासन की योजनाओं से जुड़ सकें, इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी प्रशासन उनकी कार्यशैली का प्रमुख आधार होगा।

वर्ष 2018 बैच की वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी श्रीमती मधुमिता सिंह इससे पूर्व नवाबगंज में न्यायिक उपजिलाधिकारी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। अपने पूर्व कार्यकालों में उन्होंने राजस्व, न्यायिक एवं जनहित से जुड़े मामलों के प्रभावी निस्तारण में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

हैदरगढ़ में उनकी नियुक्ति को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने उनके आगमन का स्वागत करते हुए क्षेत्र में बेहतर प्रशासन, सुशासन और विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई है। नई एसडीएम के रूप में श्रीमती मधुमिता सिंह के कार्यभार ग्रहण करने से तहसील प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार होने की उम्मीद है। आमजन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में प्रशासन और जनता के बीच संवाद और विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

बाराबंकी में अगले ईको-पर्यटन सत्र से खुलेगा नियामतपुर ईको-टूरिज्म स्थल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिले के नियामतपुर वन क्षेत्र में विकसित किया जा रहा ईको-टूरिज्म प्रोजेक्ट लगभग तैयार हो चुका है। करीब 52.50 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना का 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है और इसे अगले ईको-पर्यटन सत्र में पर्यटकों के लिए खोलने की तैयारी है।

राजधानी लखनऊ से करीब 45 किलोमीटर दूर स्थित इस ईको-टूरिज्म स्थल पर पर्यटकों के लिए दो किलोमीटर लंबी नेचर ट्रेल, ओवर ब्रिज, मुख्य प्रवेश द्वार, आधुनिक हाट, स्वच्छ शौचालय, सेल्फी प्वाइंट और साइन बोर्ड जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। साइन बोर्डों के माध्यम से वन क्षेत्र की जैव विविधता, पेड़-पौधों की प्रजातियों और पर्यावरण संरक्षण संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि नियामतपुर ईको-टूरिज्म प्रोजेक्ट प्रदेश में ईको-टूरिज्म को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय सहभागिता के बीच संतुलन स्थापित होगा।

डीएफओ आकाश दीप बधावन ने बताया कि यह परियोजना प्रकृति संरक्षण और पर्यटन विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी। यहां विकसित सुविधाओं के माध्यम से पर्यटक वन क्षेत्र की जैव विविधता और प्राकृतिक वातावरण को करीब से समझ सकेंगे, वहीं स्थानीय समुदायों को रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी मिलेंगे।

परियोजना के शेष कार्य शीघ्र पूरा कर नियामतपुर ईको-टूरिज्म स्थल को आम जनता के लिए खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके शुरू होने के बाद यह बाराबंकी और आसपास के क्षेत्रों में प्रकृति आधारित पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनने की उम्मीद है।

संयुक्त खंड विकास अधिकारी को विदाई

सिद्धौर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिद्धौर ब्लॉक सभागार में आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त संयुक्त खंड विकास अधिकारी वंदना शुक्ला को भावभीनी विदाई दी गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए पुष्पगुच्छ, पुस्तक और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने उनके सरल स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और प्रशासनिक दक्षता की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में खंड विकास अधिकारी पूजा सिंह, एडीओ पंचायत राजेन्द्र यादव, हेमंत बृजे, राधेश्याम, सौरभ कुमार सहित ब्लॉक के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। संचालन अवर अभियंता सोमवीर सिंह यादव ने किया।

विद्यालय चोरी की जांच तेज

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्राथमिक विद्यालय सोंधवा में हुई चोरी के मामले में पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच तेज कर दी है। टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट सहित अन्य साक्ष्य जुटाए हैं। चोरी में करीब डेढ़ से दो लाख रुपये का सामान गायब होने का अनुमान है। जांच में पता चला कि चोर सीसीटीवी कैमरा तोड़कर खेत में फेंक गए, जबकि डीवीआर साथ ले गए। कैमरे का मेमोरी कार्ड सुरक्षित मिलने पर पुलिस फुटेज की जांच कर रही है। प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार तिवारी ने बताया कि चोर खिड़की तोड़कर स्कूल में घुसे और एमडीएम का राशन, एलईडी टीवी, स्मार्ट टैबलेट, प्रिंटर, इन्वर्टर-बैटरी सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए।

कोतवाली रामनगर के उप निरीक्षक सुरेश चंद यादव ने बताया कि फॉरेंसिक साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

सिद्धौर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोठी थाना क्षेत्र के डीहा चौराहे पर शुक्रवार दोपहर सुपरो डाला और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में 30 वर्षीय शिव प्रसाद वर्मा निवासी रेवती का पुरवा, मजरा देवकली की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल शिव प्रसाद को जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है तथा शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सर्पदंश से मासूम की मौत

बेलहरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के दक्षिण पुरवा छेदा गांव में घर में खेल रहे छह वर्षीय राजवीर को जहरीले सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सीएचसी सूरतगंज और फिर जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजवीर की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

प्रधानाध्यापिका निलंबित

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बनीकोडर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर की प्रधानाध्यापिका ज्योत्सना राय को लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ग्राम रसूलपुर निवासी विनोद कुमार की शिकायत पर खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार राय ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। जांच में प्रधानाध्यापिका की अनियमित उपस्थिति और शैक्षणिक कार्य में लापरवाही की पुष्टि होने पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

नामित सभासदों ने ली शपथ प्रसन्नता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी। तहसील सभागार में शुक्रवार को आयोजित समारोह में सरकार द्वारा नामित सभासद इंद्रेश कुमार मौर्य, रामकुमार सोनी और अनिरुद्ध रावत तथा वार्ड संख्या-7 से निर्विरोध निर्वाचित सभासद आशुतोष शुक्ल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

उपजिलाधिकारी आनंद कुमार त्रिपाठी ने सभी को शपथ दिलाई। इसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष रामशरण पाठक ने माल्यार्पण कर नवनियुक्त सभासदों का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नगर पंचायत के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्रावण मेले की तैयारियां एक माह पहले शुरू, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। ऐतिहासिक श्री लोधेश्वर महादेव धाम में 25 जुलाई से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले श्रावण मेले की तैयारियां जिला प्रशासन ने एक माह पहले ही शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुव्यवस्थित आयोजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने कहा कि मेला क्षेत्र के प्रवेश-निकास द्वार, पार्किंग, कांवड़ मार्ग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और यातायात प्रबंधन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अस्थायी चिकित्सालय, पांच एम्बुलेंस, सीसीटीवी निगरानी, तालाबों पर मजबूत बैरिकेडिंग तथा पीएसी फ्लड कंपनी की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री लोधेश्वर धाम कॉरिडोर के निर्माण कार्य को देखते हुए डीएम ने सभी निर्माण स्थलों की मजबूत बैरिकेडिंग कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने असेनी बाईपास से लोधेश्वर धाम तक पूरे कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा, यातायात, प्रकाश व्यवस्था, सड़क मरम्मत, संकेतक और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सराहनीय पहल, श्रावण मेले की तैयारियां एक माह पहले शुरू, डीएम गंभीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। ऐतिहासिक श्री लोधेश्वर महादेव धाम में 25 जुलाई से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले श्रावण मेले की तैयारियां जिला प्रशासन ने एक माह पहले ही शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुव्यवस्थित आयोजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने कहा कि मेला क्षेत्र के प्रवेश-निकास द्वार, पार्किंग, कांवड़ मार्ग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और यातायात प्रबंधन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अस्थायी चिकित्सालय, पांच एम्बुलेंस, सीसीटीवी निगरानी, तालाबों पर मजबूत बैरिकेडिंग तथा पीएसी फ्लड कंपनी की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्री लोधेश्वर धाम कॉरिडोर के निर्माण कार्य को देखते हुए डीएम ने सभी निर्माण स्थलों की मजबूत बैरिकेडिंग कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने असेनी बाईपास से लोधेश्वर धाम तक पूरे कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा, यातायात, प्रकाश व्यवस्था, सड़क मरम्मत, संकेतक और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्रावण मेले के लिए मेला क्षेत्र को चार जोन और नौ सेक्टर में विभाजित किया जाएगा, जहां प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की तैनाती रहेगी। प्रशासन को उम्मीद है कि इस वर्ष भी प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए लोधेश्वर धाम पहुंचेंगे।

ट्रेलर की बैकिंग बनी काल, पिकअप चालक की मौत

सुलतानपुर। अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर देहात कोतवाली क्षेत्र के बिसानी मोड़ स्थित सूर्या ढाबा के पास गुरुवार देर रात एक सड़क हादसे में पिकअप चालक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब हाईवे पर खड़े एक ट्रेलर ने बैक करते समय पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खानापुर निवासी अमरनाथ मिश्रा उर्फ पप्पू (55) पुत्र स्वामीनाथ मिश्रा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी पिकअप लेकर घर लौट रहे थे। गांव के करीब बिसानी मोड़ स्थित सूर्या ढाबा के पास वाहन खड़ा कर सामान उतरवा रहे थे। इसी दौरान ट्रेलर ने अचानक बैक किया और पिकअप में टक्कर मार दी। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, उन्हें गंभीर हालात में जिला अस्पताल ले गए। जिला अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देहात कोतवाल धर्मवीर सिंह ने बताया कि ट्रेलर को कब्जे में ले लिया गया है और चालक की तलाश की जा रही है। मृतक स्वयं पिकअप चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके तीन बेटे हैं महेंद्रनाथ मिश्रा, सुरेंद्रनाथ मिश्रा और सबसे छोटे धर्मेंद्रनाथ मिश्रा, जिनकी अभी शादी नहीं हुई है। पत्नी नीलम मिश्रा, सेवानिवृत्त रेलवे कर्मी पिता स्वामीनाथ मिश्रा और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दूसरे टी20 से पहले सैमसन की फॉर्म सूर्यवंशी के पदार्पण की संभावना पर नजरें

एजेंसी

मैनचेस्टर। वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण की बढ़ती मांग के बीच इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टी20 मैच में संजू सैमसन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव रहेगा जो इस दौर पर लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं। पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था जिसमें भारत ने अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 189 रन बनाये थे। अगले कुछ मैचों में फोकस सैमसन पर रहेगा कि वह सूर्यवंशी को पदार्पण का मौका दिये जाने की बढ़ती मांग के बीच अपनी उपयोगिता साबित कर पाते हैं या नहीं। भारत की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के सूत्रधार रहे सैमसन को कम से कम एक साल तक मौका दिया जा सकता था लेकिन अब जबकि भारतीय क्रिकेट को सूर्यवंशी के रूप में एक असाधारण प्रतिभाशाली क्रिकेटर मिल गया है। ऐसे में सैमसन के लिये गलती की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है और टी20 विश्व कप का शानदार प्रदर्शन भी टीम में उनकी जगह की गारंटी नहीं हो सकता। अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बना लिये हैं जिससे सारा दबाव अब सैमसन पर है। बारिश के कारण रद्द हुए पहले मैच में सैमसन ने सात गेंद में एक रन बनाया था और एक बार भी नहीं लगा कि वह आक्रामक खेलने के मूड में हैं। सीम लेती पिचों पर तकनीक के मामले में उनकी कमजोरी सामने आती है। राजस्थान के टोंक के रहने वाले आयरलैंड के गुमनाम से तेज गेंदबाज जय मूंदड़ा ने उनकी कमजोरी का फायदा उठाकर उनका विकेट लिया। टीम प्रबंधन 15 वर्ष के सूर्यवंशी को लेकर कोई हड़बड़ी नहीं करना चाहता लेकिन अगले कुछ मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया तो इस फैसले पर सवाल उठने तय हैं। सैमसन के अलावा तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम में तेज खेलना होगा। स्पिनरों के आने के बाद वह तेजी से रन नहीं बना पाते हैं। इस साल 12 टी20 में वह सिर्फ 12 छक्के लगा सके हैं और एक फिनिशर के लिये यह खराब आंकड़ा है। स्पिनरों की मददगार ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर गेंदबाजी में किसी बदलाव की संभावना नहीं है। इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक, फिल साल्ट और टॉम बेंटन जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। इस मैच से पहले हालांकि एक ही यक्षप्रश्न क्रिकेटप्रेमियों के जेहन में है कि सूर्यवंशी को मौका मिलेगा या नहीं।

मैक्सिको के खिलाफ 'हैंड आफ गॉड' वाले मैदान पर खेलेगा इंग्लैंड

एजेंसी

अटलांटा। मैक्सिको सिटी की ऊंचाई से लेकर डिएगो माराडोना के कुख्यात 'हैंड ऑफ गॉड' गोल की यादों तक इंग्लैंड के लिए रविवार को विश्व कप के सह-मेजबान मैक्सिको के खिलाफ होने वाला मैच किसी भी तरह से आसान नहीं होगा जहां उसे विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अंतिम 16 का यह मैच एज्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा जहां मैक्सिको का रिकॉर्ड शानदार रहा है। यह स्टेडियम 1986 में खेले गए विश्व कप क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ माराडोना के दो यादगार गोल का गवाह रहा है। इनमें से एक बार गेंद माराडोना के हाथ को स्पर्श करके गई थी लेकिन रेफरी इसका अंदाजा नहीं लगा पाए थे। माराडोना ने बाद में इसे 'हैंड आफ गॉड' की संज्ञा दी थी। यह स्थान समुद्र तल से 7,300 फीट (2,200 मीटर) से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है और इंग्लैंड की टीम के लिए यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना आसान नहीं होगा। विश्व कप में इस स्टेडियम के रिकॉर्ड मैक्सिको के पक्ष में रहे हैं। उसने यहां विश्व कप में अभी तक जो 10 मैच खेले हैं उनमें वह अजेय रहा है। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल के लिए हालांकि यहां की ऊंचाई चिंता का विषय है। ट्यूशेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि ऊंचाई से सामंजस्य बिठाना आसान नहीं होगा। यह मैक्सिको के लिए बहुत बड़ा फायदा हो सकता है। इस तरह की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए काफी समय की जरूरत पड़ती है। ऊंचाई वाले स्थान पर खिलाड़ियों को वायुमंडल के दबाव और कम ऑक्सीजन से जूझना पड़ सकता है। खेल वैज्ञानिकों के अनुसार इस तरह की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कम से कम दो सप्ताह की जरूरत पड़ती है। इंग्लैंड ने इससे पहले अपने सभी मैच अमेरिका में खेले हैं जहां भीषण गर्मी पड़ रही है। एज्टेका स्टेडियम इंग्लैंड के लिए दर्दनाक यादें समेटे हुए है। 40 साल पहले इसी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 1966 के चैंपियन को क्वार्टर फाइनल में हराया था। वह मैच माराडोना के लिए दो यादगार पल का साक्षी रहा था।

संक्षिप्त समाचार

गुकेश ग्रैंड शतरंज टूर क्रोएशिया में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर

ज़ाग्रेब (क्रोएशिया)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने अपने सफ़ेद मोहरों का अच्छा उपयोग करते हुए दिन के अंतिम गेम में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी को हराया और यहां ग्रैंड शतरंज टूर के ज़ाग्रेब चरण के दूसरे दिन के बाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। ईरान के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 12 में से 10 अंक हासिल करके अपनी बढ़त तीन अंक तक पहुंचा दी है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर, फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, रोमानिया के डिएक बोगदान-डैनियल और गुकेश के समान सात अंक हैं और वह संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। भारत के आर प्रज्ञाननंदा, गिरी और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक और नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट सिर्फ दो-दो अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। रूय लोपेज़ एक्सचेंज वेरिएशन में गिरी के खिलाफ मिले अवसरों का गुकेश ने भरपूर फायदा उठाया। भारतीय खिलाड़ी ने उनके राजा पर हमला किया और इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। प्रज्ञाननंदा के लिए दिन और भी बेहतर हो सकता था, लेकिन आखिर में उन्हें अलीरेज़ा के खिलाफ एक गलती भारी पड़ी और आखिर में वह हार गए। प्रज्ञाननंदा ने फोरस्ट के खिलाफ दिन का पहला गेम जीता था। दिन की शुरुआत में, गुकेश ने बोगदान-डेनियल के खिलाफ अप्रत्याशित हार के साथ शुरुआत की, लेकिन उसके बाद फोरस्ट पर जीत हासिल की।

केप वर्दे के साहस का सामना अब मेस्सी और अर्जेंटीना के कौशल से

मियामी गार्डंस। अर्जेंटीना के पास विश्व कप खिताब हैं, दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी है, फुटबॉल का समृद्ध इतिहास है और सितारों से भरी टीम भी। लेकिन केप वर्दे के पास इनमें से कुछ नहीं है। विश्व कप में अंतिम 32 के इस बेमेल मुकाबले में हार्ड रॉक स्टेडियम पर गत चैम्पियन अर्जेंटीना एक ऐसी टीम से भिड़ेगी जिसके पास खोने के लिये कुछ नहीं है। उसे अपेक्षाओं के बोझ से भी नहीं जूझना है। केप वर्दे के बैकअप डिफेंडर लानिक दोस सांतोस तावारेस ने कहा ,'' मुझे लगता है कि हम यहां कमाल कर सकते हैं। अगर केप वर्दे जीत जाता है तो यह फुटबॉल ही नहीं बल्कि खेल के इतिहास के सबसे बड़े उलटफ़ेर में से एक होगा। इससे पहले मॉस्को ओलंपिक 1980 में ऐसा ही चमत्कार देखने को मिला था जब अमेरिका की युवा आइस हॉकी टीम ने अपराजेय मानी जा रही सोवियत संघ की टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। जब टूर्नामेंट के ड्रॉ निकाले गए थे तो अर्जेंटीना को इस दौर में स्पेन या उरूग्वे से भिड़ने की उम्मीद थी। ग्रुप जे में शीर्ष पर रही तीन बार की चैम्पियन अर्जेंटीना ग्रुप एच की उपविजेता से भिड़ने वाली थी जो स्पेन या उरूग्वे हो सकते थे। लेकिन फिर आया केप वर्दे। पांच लाख की आबादी वाला छोटा सा देश जिसके 40 बरस के गोलकीपर वोजिन्हा ने कमाल कर दिया। उनकी मां को ग्रुप चरण के मैच देखने अमेरिका का वीजा लेने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। इस टीम ने स्पेन जैसे दिग्गज को ड्रॉ पर रोककर सनसनी फैला दी। 2010 चैम्पियन स्पेन नॉकआउट में पहुंचा लेकिन दो बार का चैम्पियन उरूग्वे नहीं। केप वर्दे को मेस्सी की अर्जेंटीना से खेलने का मौका मिला। केप वर्दे के कोच बुबिस्ता ने कहा ,''हमारे इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला। हम इसका पूरा मजा लेंगे।हम तुक्के में यहां तक नहीं पहुंचे हैं बल्कि अच्छा खेलकर आये हैं। हम दुनिया को दिखा देना चाहते हैं कि केप वर्दे के फुटबॉल में कितना दम है। केप वर्दे ने एक भी मैच नहीं जीता है और तीन ड्रॉ के दम पर यहां तक पहुंची है। वहीं अर्जेंटीना ने तीनों मैच जीते हैं और तीनों में मेस्सी ने गोल दागे हैं।

गुजरात और असम के क्षेत्रों में नेटवर्क गुणवत्ता की जांच में बीएसएनएल का प्रदर्शन सबसे खराब

नई दिल्ली। असम और गुजरात के कुछ जिलों के अलग-अलग क्षेत्रों में धरातलीय स्तर पर इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के दौरान बीएनएनएल का नेटवर्क सबसे खराब दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे नंबर पर वोडाफोन-आइडिया रहा। इसके बाद एयरटेल और अगले स्थान पर जियो का रहा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार जांच में मुख्य रूप से असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिला तथा गुजरात का भरूच शहर और आसपास के इलाकों सहित 11 हॉटस्पॉट को शामिल किया गया था। ड्राइव टेस्ट में सभी टीएसपी के सिम कार्ड 2जी, 3जी, 4जी और 5जी का उपयोग किया गया है। इसके माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि सार्वजनिक स्थलों सहित अन्य स्थलों पर नेटवर्क की स्पीड कितनी है। जांच के दौरान पता चला है कि बेहतर नेटवर्क गुणवत्ता के दावे के बावजूद इसमें कवरेज गैप, वॉयस सर्विस, कॉल साइलेंस इंस्टेंस और डेटा सर्विस जैसी खामियां पाई गई हैं। ट्राई के जयपुर रीजनल ऑफिस की देखरेख में गुजरात में यह टेस्ट 5 से 8 मई 2026 के बीच किया गया था, जिसमें 361.2 किलोमीटर तक ड्राइव टेस्ट का उपयोग किया गया। यह टेस्ट ट्राई सेवा की गुणवत्ता के मुख्य पैमानों जैसे कवरेज, कॉल ड्रॉप रेट (सीडीआर), कॉल सेटअप सक्सेस रेट (सीएसएसआर), डेटा डाउनलोड और अपलोड थ्रूपुट आदि पर टीएसपी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड करता है। इससे पहले मई 2026 में किए गए इस टेस्ट में वॉयस कॉल और डेटा स्पीड के मामले में रिलायंस जियो (आरजीआईएल) और भारती एयरटेल का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा जबकि सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) कई पैमानों पर पिछड़ती नजर आईं।

सरकार ने ई-रिक्शा को दूर से बंद करने वाले ऐप हटाने का दिया आदेश

नयी दिल्ली। सरकार ने देश में बैटरी चालित वाहनों को दूर से बंद करने में कथित तौर पर इस्तेमाल हो रहे चीन के तीन ऐप बैट-बीएमएस, लॉसिजी और एपॉक-आई-आयन को हटाने का आदेश दिया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार की यह कार्रवाई कुछ वीडियो सामने आने के बाद हुई, जिनमें दिखाया गया था कि चीनी स्मार्टफोन ऐप 'बैट-बीएमएस' के 'रिमोट शटडाउन' फीचर के जरिये ई-रिक्शा को दूर से बंद किया जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट से जुड़ी वाहन प्रबंधन प्रणालियों की साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक चिंता पैदा हो गई। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने बैटरी चालित वाहनों को दूर से बंद करने के लिए इस्तेमाल हो रहे बैट-बीएमएस, लॉसिजी और एपॉक-आई-आयन ऐप हटाने का आदेश दिया है। सरकारी सूत्रों ने आगाह किया कि इस तरह के दुरुपयोग में शामिल किसी भी अन्य ऐप को भी हटाया जा सकता है। इससे पहले सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साइबर सुरक्षा सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि ऐप स्टोर को आवश्यक सतर्कता बरतनी चाहिए। सरकार इस मुद्दे को ऐप स्टोर के समक्ष उठाएगी, ताकि संभावित रूप से नुकसान पहुंचाने वाले ऐप उपलब्ध न हों।

खेल जगत की युवा प्रतिभाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए संतुलन बनाना जरूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। उनके नाम पर स्कोरबोर्ड पर रन दिखते हैं। चयनकर्ताओं को उनमें अपार प्रतिभा नजर आती है। लोगों को वह असाधारण खिलाड़ी लगता है। लेकिन हेलमेट के नीचे और बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कहीं एक 15 वर्षीय लड़का भी छिपा है जो अब भी किशोरावस्था की अनिश्चितताओं से जूझ रहा है। भारत वैभव सूर्यवंशी के क्रिकेट जगत में तेजी से आगे बढ़ने का जश्न मना रहा है और बेसब्री से उनके पदार्पण का इंतजार कर रहा है। दूसरी तरफ उनकी साहसिक बल्लेबाजी और शानदार संयम से इतर भी गुपचुप एक चर्चा चल रही है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिससे खेल जगत दशकों से जूझ रहा है। जब असाधारण प्रतिभा वाले बच्चे वयस्कों की दुनिया में प्रवेश करते हैं, तो यह कैसे सुनिश्चित किया जाए कि उनकी असाधारण प्रतिभा एक सामान्य और साधारण बचपन की कीमत पर न आए। इसका जवाब आसान नहीं है। अगर चयन का आधार केवल कौशल ही हो तो सूर्यवंशी अगर अभी भारत की तरफ से खेलने की स्थिति में है तो वह उसके हकदार हैं। आईपीएल और अन्य टूर्नामेंटों में उनके हाल के प्रदर्शन ने इस बात को स्पष्ट रूप से साबित कर दिया है। इसके बावजूद सीनियर टीम के साथ पहली बार दौरे पर गए सूर्यवंशी के लिए जो व्यवस्था की गई है उसे पता चलता है कि क्रिकेट का यह नया सितारा कानूनी तौर पर अभी भी बच्चा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनके माता-पिता को उनके साथ जाने की अनुमति दी है। दूसरी तरफ इंग्लैंड में सुरक्षा नियमों के तहत नाबालिगों के लिए अलग चेंजिंग रूम की व्यवस्था करना अनिवार्य है। एक लड़का जिसे अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाजों का सामना करने के लिए पूरी तरह से परिपक्व माना जाता है, लेकिन वह इतना छोटा भी है कि उसे बचपन की आवश्यक सुरक्षा की जरूरत है। प्रमुख खेल मनोवैज्ञानिक कीर्तना स्वामीनाथन के अनुसार, ''एक 15 वर्षीय व्यक्ति स्टार बनने से पहले बच्चा ही होता है। लेकिन हम अक्सर इस धारणा को उलट देते हैं। हम उसे पहले स्टार और फिर बच्चा समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें यह समझना होगा कि हम एक बच्चे से क्या अपेक्षा कर सकते हैं। उसके लिए गलतियां करने की गुंजाइश रखनी चाहिए। वह अभी बच्चा है उसे अपनी भावनात्मक और मानसिक स्थिरता पर भी काम करना होता है। यह बहुत ही मुश्किल स्थिति होती है। क्रिकेट से लेकर टेनिस, फुटबॉल से लेकर जिम्नास्टिक तक, हर पीढ़ी ने उन युवाओं का खेल देखकर हैरानी व्यक्त की है जो अपने से कहीं अधिक उम्र और शारीरिक रूप से मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम रहे हैं। भारतीय क्रिकेट पहले भी किशोर खिलाड़ियों के पदार्पण के गवाह बन चुका है। सचिन तेंदुलकर महज 16 साल के थे जब उन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खतरनाक तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने के लिए मैदान पर कदम रखा। इतिहास उन्हें अपनी पीढ़ी के शायद सबसे महान बल्लेबाज के रूप में याद रखेगा। लेकिन तेंदुलकर ने जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना शुरू किया तो उस समय सोशल मीडिया पर हर पारी का विश्लेषण करने वाले वीडियो नहीं थे, चौबीसों घंटे चलने वाला टेलीविजन नहीं था। इसमें प्रशंसा और आलोचना का प्रसार धीमी गति से होता था।

भारत पर मिली जीत के बाद विरोधी के रूप में आयरलैंड की स्वीकार्यता बढ़ेगी : सीआई अध्यक्ष ओडोनेल

बेंगलुरू। क्रिकेट आयरलैंड के अध्यक्ष ब्रायन ओडोनेल का मानना है कि भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला में मिली जीत के बाद उनकी राष्ट्रीय टीम की एक विरोधी टीम के रूप में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता बढेगी और चुनौतीपूर्ण मुकाबले मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। आयरलैंड ने बेलफास्ट में खेली गई श्रृंखला में विश्व चैम्पियन भारत को 2-0 से हराया। ओडोनेल ने कहा कि यह हमारे खिलाड़ियों के लिये मनोबल बढाने वाली जीत है और खेल के अन्य क्षेत्रों में अब वे अधिक उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस जीत का बहुत असर होगा क्योंकि इससे आयरिश क्रिकेट की संभावनाओं का आकलन होगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद अब विरोधी टीम के रूप में हमारी स्वीकार्यता बढेगी। यह उस निवेश का नतीजा है जो क्रिकेट आयरलैंड आईसीसी और इन सभी लोगों की मदद से इस देश में खेल के लिए कर रहा है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,630 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,45,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रामोस और रोनाल्डो के गोल से पुर्तगाल ने क्रोएशिया को 2-1 से हराया

एजेंसी

टोरंटो। गोनकालो रामोस ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में राफ़ेल लीओ के पास पर हेडर से गोल किया, जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी किक को गोल में बदला जिससे पुर्तगाल ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रोएशिया को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया। अंतिम सीटी बजने से पहले मैच विवादों में घिर गया क्योंकि क्रोएशिया को लगा कि उसने आखिरी क्षणों में स्कोर 2-2 से बराबर कर लिया है, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद मारियो पासालिच को ऑफसाइड करार दिया और गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। क्रोएशिया के प्रशंसकों ने मैदान पर बोतलें फेंकीं और विरोध में सीटी बजाई। क्रोएशिया ने 53वें मिनट में इवान पेरिसिच के गोल से बढ़त बनाई, जो उन्होंने जोसिप सानिसिच के क्रॉस पर किया था। रोनाल्डो ने पहले 68वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल करके स्कोर बराबर किया जो विश्व कप में नॉकआउट चरण का उनका पहला गोल था। लेकिन पुर्तगाल की जीत के नायक रामोस रहे जिन्होंने इंजरी टाइम के चौथे मिनट में तब गोल किया जब लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय तक खिंच जाएगा। उस समय रोनाल्डो बेंच पर बैठे हुए थे। उन्हें 81वें मिनट में सब्स्टीट्यूट कर दिया गया था। पुर्तगाल सोमवार को राउंड ऑफ 16 में स्पेन का सामना करेगा। इस मैच में दो ऐसे खिलाड़ी आमने-सामने थे जिनकी उम्र 40 वर्ष से अधिक थी। इनमें अपना छठा विश्व कप खेल रहे 41 वर्षीय रोनाल्डो और क्रोएशिया के लुका मोड्रिक थे, जो टूर्नामेंट का खिताब जीतने के लिए पांचवीं बार प्रयास कर रहे थे। मोड्रिक ने 2018 और 2022 में क्रोएशिया को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पहुंचाया था, लेकिन इस बार वह कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए। रोनाल्डो ने मैच के बाद कहा, ''मेरे मन में इस तरह का खौफ कभी पैदा नहीं हुआ। लेकिन सब कुछ अच्छा होने के लिए आपको सकारात्मक बने रहना पड़ता है। मुझे इस तरह की मैन पसंद हैं।

फ्रांसीसी कंपनियों को 'विकसित भारत' में भागीदार बनने के लिए वित्त मंत्री का न्योता

सीतारमण ने कहा, भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी लगातार हो रही है मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्रांस के कारोबारियों और निवेशकों को 'विकसित भारत 2047' की यात्रा में भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और दोनों देशों की साझा समृद्धि के लिए काम करने की जरूरत पर जोर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को पेरिस में आयोजित भारत-फ्रांस व्यापार गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दोनों देश तकनीक, नवाचार, ऊर्जा और डिजिटल विकास के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने फ्रांसीसी निवेशकों से जीवन विज्ञान, टीके, सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), नैदानिक अनुसंधान, सटीक चिकित्सा और डिजिटल स्वास्थ्य में दोनों देशों की पूरक शक्तियों का लाभ उठाकर स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और जैव प्रौद्योगिकी में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया, ताकि लचीली स्वास्थ्य सेवा मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण किया जा सके। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस एआई के क्षेत्र में भरोसेमंद साझेदार हैं। उन्होंने बताया कि भारत में लगभग 1 हजार फ्रांसीसी कंपनियां काम कर रही हैं। निर्मला सीतारमण ने भारत के वित्तीय परिवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) एक प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में उभरा है। वित्त मंत्री ने बताया कि जून 2026 तक इसके साथ 1,200 से अधिक संस्थाएं पंजीकृत थीं, जबकि बैंकिंग परिसंपत्तियां 111 अरब अमेरिकी डॉलर और संचयी बैंकिंग लेनदेन 176 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग, कोष प्रबंधन, पट्टे (लीजिंग), वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी), पुनर्बीमा और टिकाऊ वित्त जैसे क्षेत्रों में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को आकार देने में विश्वसनीय साझेदार हैं और विश्वसनीय एआई, डिजिटल अवसंरचना तथा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में सहयोग का दायरा बढ़ा सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, ओएनडीसी और इंडिया स्टैक जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से संचालित भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था दुनिया में होने वाले वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान का लगभग आधा हिस्सा संभालती है।

प्रधानमंत्री पचपदरा से शनिवार को एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी राष्ट्र को करेंगे समर्पित

एजेंसी

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बालोतरा के पचपदरा से चार जुलाई को भारत की प्रथम ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित करेंगे। दुनिया की सबसे उन्नत रिफाइनरी में से एक यह परियोजना देश के लिए पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पहले प्रधानमंत्री जोधपुर में नए सिविल एयरपोर्ट टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे और इसके बाद बालोतरा जिले के पचपदरा पहुंचकर बहुप्रतीक्षित रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री जयपुर मेट्रो फ़ेज-2 सहित प्रदेशभर की विभिन्न विकास परियोजनाओं के वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में भाग लेंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित करेंगे।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित 9 एमएमटीपीए क्षमता वाली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स 79 हजार 459 करोड़ के निवेश से स्थापित की गई है। इस परियोजना ने 2.4 एमएमटीपीए पेट्रोकेमिकल क्षमता के साथ रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल उत्पादन को एकीकृत किया है। इस रिफाइनरी में क्रूड ऑयल से विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है।

राजस्थान के क्रूड तथा आयातित क्रूड के मिश्रण को प्रोसेस्ड करने के लिए यह रिफाइनरी अत्याधुनिक सुविधाओं से डिजाइन की गई है। इसका नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17.0 बेहद उच्चस्तरीय है तथा पेट्रोकेमिकल उत्पादन 26 प्रतिशत से अधिक है, जो दक्षता और संधारणीयता के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप है।

यह कॉम्प्लेक्स भारत की ईंधन क्षमता को सुदृढ़ बनाने, पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने तथा औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही, पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक पार्क के विकास के लिए एक आधारभूत उद्योग के रूप में कार्य करेगा, जिससे डाउनस्ट्रीम उद्योगों एवं अनुषंगी क्षेत्रों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

राजस्थान रिफाइनरी परियोजना एमएसएमई, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स व एग्री-फिल्म्स जैसे उद्योगों को भी सशक्त करेगी जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

राजस्थान की रेतीली धरती पर इस परियोजना का निर्माण अद्वितीय इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस परियोजना के निर्माण के लिए डेढ़ करोड़ घन मीटर मिट्टी हटाई गई जो गीजा के पिरामिड से 6 गुना अधिक है। इसमें 16 लाख घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया गया है जो बुर्ज खलीफा से 5 गुना अधिक है। राजस्थान रिफाइनरी में एफिल टॉवर से 40 गुना अधिक करीब 3 लाख मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। इसमें इस्तेमाल की गई 28 हज़ार किलोमीटर लंबी केबल पृथ्वी के व्यास से भी दोगुनी है। रिफाइनरी में स्थापित 125 मीटर का कोक डोम गोल गुम्बज से 3 गुना बड़ा है। इस परियोजना ने रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके निर्माण के चरण में लगभग 35 हजार श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा सहायक क्षेत्रों में लगभग 1 लाख अप्रत्यक्ष रोजगारों का सृजन भी हुआ है। प्रधानमंत्री के कर कमलों से रिफाइनरी का उद्घाटन होने पर विकसित भारत की परिकल्पना को मजबूती मिलेगी और यह परियोजना देश को पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में संधारणीय विकास के रूप में सशक्त बनाएगी।

पाकिस्तानी आतंकी शाहजाद भट्टी से जुड़े नेटवर्क की जांच में राजस्थान एटीएस के 20 से अधिक शहरों में छापे

जयपुर । राजस्थान एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने शुक्रवार सुबह राज्य के 20 से अधिक शहरों में पाकिस्तान आधारित आतंकी शाहजाद भट्टी से जुड़े संदिग्ध नेटवर्क पर एक साथ छापेमार कार्रवाई की। इस दौरान 28 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शाहजाद भट्टी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं से संपर्क करता था। वह ऑनलाइन गेम, पैसे कमाने और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ाव का लालच देकर पहले दोस्ती करता और बाद में उनसे सेना, पुलिस व अन्य संवेदनशील स्थानों की फोटो और वीडियो मंगवाता था। जांच एजेंसियों के अनुसार उसके निशाने पर विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों के युवा थे।

सूत्रों के अनुसार एटीएस लंबे समय से सोशल मीडिया पर शाहजाद भट्टी को फॉलो करने वाले और उससे संपर्क रखने वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी निगरानी के आधार पर शुक्रवार को राज्यभर में एक साथ कार्रवाई की गई। हिरासत में लिए गए लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट, मोबाइल फोन, चैट, डिजिटल डाटा और अन्य ऑनलाइन गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों का मानना है कि शाहजाद भट्टी ने राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में भी स्लीपर सेल नेटवर्क सक्रिय किया हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस नेटवर्क से जुड़े लोगों तक हवाला के जरिए धन पहुंचाया जाता था। एजेंसियां अब वित्तीय लेनदेन, डिजिटल संपर्क और संभावित नेटवर्क की कड़ियों को खंगाल रही हैं। एटीएस की यह कार्रवाई राज्य में संभावित आतंकी और जासूसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। जांच पूरी होने के बाद एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क और गिरफ्तार संदिग्धों की भूमिका को लेकर विस्तृत खुलासा कर सकती हैं।

पेज एक का शेष

यूपी ...

कार्यप्रणाली के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब यहां किसी के सामने पहचान का संकट नहीं है। अब कोई इसे बीमारू राज्य नहीं कह सकता। प्रदेश लगातार छह वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बना हुआ है। भारत सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रदेश लगातार पहले या दूसरे स्थान पर रहता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मिशन कर्मयोगी के तहत आई-गॉट प्लेटफॉर्म पर क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पहले काफी पीछे था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों से अब देश में पहले स्थान पर है। यह हमारे प्रशासनिक तंत्र की कार्यक्षमता का प्रमाण है। विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के विजन को लेकर प्रदेशभर में व्यापक संवाद अभियान चलाया गया। विधानमंडल से लेकर गांवों की चौपाल तक चर्चा हुई। 300 वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षाविदों और पूर्व अधिकारियों ने विभिन्न वर्गों के बीच जाकर संवाद किया। प्रदेश सरकार के पोर्टल पर 98 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए, जिनके आधार पर विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी आधारित सुधारों ने आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। राशन वितरण में ई-पॉस मशीनें लागू होने से शिकायतें समाप्त हो गईं और गरीबों को उनका पूरा अधिकार मिलने लगा। पहले राशन व्यवस्था में भ्रष्टाचार होता था, लेकिन अब पारदर्शिता आई है और जनता संतुष्ट है। गन्ना किसानों को पहले पर्ची, ब्लैक मार्केटिंग और घटतौली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। अब मोबाइल पर ही पूरी जानकारी उपलब्ध हो जाती है। डीबीटी व्यवस्था लागू होने से पेंशन और अन्य योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहा है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे बड़े एक्सप्रेसवे नेटवर्क वाला राज्य है। देश के लगभग 60 प्रतिशत एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में हैं। फोर लेन और सिक्स लेन सड़क नेटवर्क तेजी से विकसित हुआ है। मेट्रो, एयरपोर्ट, रैपिड रेल, इनलैंड वॉटरवे जैसी परियोजनाएं उत्तर प्रदेश की नई पहचान बन चुकी हैं और यह सब डबल इंजन सरकार की ताकत का परिणाम है। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव एसपी गोयल, पूर्व मुख्य सचिव आर. रमणी, अतुल गुप्ता, आलोक रंजन, अनूप चंद्र पांडेय, दुर्गा शंकर मिश्र, मनोज कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में प्रदेश के सेवारत एवं सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी और प्रशिक्षु अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को आम महोत्सव-2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने स्टॉल्स का अवलोकन कर आम की 800 से अधिक प्रजातियों के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी तैयारी इस तरह होनी चाहिए कि यूपी के किसानों का आम गुणवत्ता, विश्वास व वैश्विक मानकों पर खरा उतर सके। हमारा लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि ब्रांडिंग, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग के साथ ही प्रोडक्ट की ट्रेसेबिलिटी व ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन पर भी ध्यान देना होगा। तभी यह एक्सपोर्ट के लिए स्वीकार्य होगा। एक बाग आय के कई मॉडल के रूप में फल उत्पादन, प्रोसेसिंग, टूरिज्म, ऑर्गेनिक उत्पाद, मधुमक्खी पालन, खाद्य उद्योग और एक्सपोर्ट के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाने का माध्यम बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुल आम उत्पादन में उत्तर प्रदेश 26 फीसदी हिस्सेदारी करता है। महोत्सव में 7 श्रेणियों के 56 वर्गों में 800 से अधिक वैरायटी हैं। सीएम ने आम महोत्सव में बायर्स-सेलर्स मीट की सराहना की। कहा कि यूपी में हम लोग ओडीओपी से जुड़े आयोजन करते हैं तो बायर्स-सेलर्स मीट अवश्य रखते हैं। इससे किसानों व उद्यमियों को अपने उत्पाद आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। औद्यानिक फसलों से जुड़े किसान, स्वयं सहायता समूह, पैक हाउस, एक्सपोर्ट, फूड प्रोसेसिंग, नर्सरी मालिक, बैंकर्स, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने वाला मैकेनिज्म, मशीनरी व उपकरण आपूर्तिकर्ता, रिसर्च व डवलपमेंट से जुड़े वैज्ञानिक भी इस कार्यक्रम से जुड़े हैं। उद्यान विभाग ने यूपी में औद्यानिक फसलों के लिए ईकोसिस्टम बनाने का कार्य किया है।

सीएम ने कहा ऐसे महोत्सव प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित करते हैं और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्रस्तुत करते हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ने को प्रेरित करती है। यूपी ने खुद को भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। यूपी के आम का निर्यात यूके, यूएई, कुवैत, मलेशिया, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, बेल्जियम, जापान, इटली, रूस, कतर आदि देशों में हो रहा है। एपीडा जैसी एजेंसियां विदेशों में खरीदार व एफपीओ के बीच सीधा संपर्क स्थापित करती हैं। सीएम ने मलिहाबादी आम की चर्चा करते हुए कहा कि हमने इसे 'काकोरी ब्रांड' दिया है। काकोरी के अमर शहीदों ने देश की आजादी के लिए खुद का बलिदान दिया। उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए हमने इसे यह नाम दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी के आम की अधिक से अधिक वैरायटी को जीआई टैग मिले, इसके लिए उद्यान विभाग अभी से आवेदन करे। सीएम ने जोर दिया कि खाद्यान्न, सब्जी, फल आदि यूपी के उत्पाद केमिकल फर्टिलाइजर व पेस्टिसाइड से मुक्त हों। बीज से बाजार तक यह सावधानी बरती जाए। दुनिया आज ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग कर रही है। हमें ऑर्गेनिक व ट्रेसेबल उत्पाद को पहुंचाने के लिए अभी से तैयारी करते हुए प्रशिक्षण देना होगा।

सीएम ने ओडीओसी की चर्चा कर आम के व्यंजनों पर जोर दिया। कहा कि पहले जुलाई में स्कूल, घर, गांवों आदि में आम की दावत होती थी। सीएम ने मैंगो टूरिज्म को नई पहचान दिलाने पर जोर दिया। कहा कि किसानों को एग्री इंटरप्रेन्योर्स बनाने की दिशा में बढ़ाना होगा। इसके लिए वैल्यू क्रिएशन, इनोवेशन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना होगा। एआई ड्रोन, सेटेलाइट मैपिंग, प्रिसीजन फॉर्मिंग, सेंसर आधारित सिंचाई और डिजिटल मंडियों के माध्यम से स्मार्ट हॉर्टिकल्चर की तरफ अग्रसर होने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

सीएम ने प्रत्येक जनपद में पोस्ट हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, कोल्ड चेन, रैपनिंग सेंटर, पैक हाउस, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और एक्सपोर्ट सुविधा को विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए उद्यान विभाग के साथ ही पीपीपी मोड पर भी काम करना होगा। उपज का उचित मूल्य मिलेगा तो युवा भी कृषि व उद्यमिता की ओर आकर्षित होंगे। स्वयं सहायता समूह मूल्य संवर्धन का नेतृत्व करेंगे और जब हमारे उत्पाद विश्व के प्रमुख बाजारों तक पहुंचेंगे तो पीएम मोदी के विजन 'विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव (उद्यान/खाद्य प्रसंस्करण) बीएल मीणा आदि मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने किया।

मुख्यमंत्री...

नर्सरी के माध्यम से दिए जाने वाले पौधों की संख्या 74 लाख से बढ़कर 29 करोड़ हो गई है।

शहरी क्षेत्रों में छत पर बागवानी (रूफ टॉप गार्डनिंग) को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है, जो शहरों में घटती कृषि भूमि के बीच सकारात्मक ऊर्जा और कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण में मदद करेगा। 'मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना' और मंडल स्तर पर औद्योगिक उन्नयन गोष्ठियां आयोजित की गईं। इससे कम क्षेत्रफल में अधिक मूल्य की फसलों, जैसे औषधीय फसलों, को बढ़ावा मिल सके।

उद्यान विभाग की मेहनत और प्रयासों के कारण, राज्य की नौ फीसदी भूमि पर औद्यानिक फसलों का उत्पादन 42 फीसदी तक पहुँच गया है, जबकि कृषि विभाग की 91 फीसदी भूमि पर 58 फीसदी की हिस्सेदारी है। उत्तर प्रदेश के औद्यानिक उत्पाद अमेरिका, ब्रिटेन, अरब, मलेशिया, सिंगापुर, कुवैत, न्यूजीलैंड, बेल्जियम, जापान, इटली, कतर, रूस, जर्मनी, मॉरीशस, नीदरलैंड, ओमान, नेपाल, थाईलैंड, बहरीन और स्वीडन जैसे देशों तक पहुँच रहे हैं।

भारत में आम और शहद के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक उपज देता है। शहद की ब्रांडिंग 'काशी शहद' के नाम से की गई है, जिसका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना है। मखाना, खजूर, कमल, स्ट्रॉबेरी और ड्रैगन फ्रूट जैसी फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए भी नवाचार किए गए हैं। उद्यान मंत्री ने उद्यान विभाग के 50 वर्षों के इतिहास में वर्तमान स्थिति पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि विभाग ने किसानों और सरकार दोनों का सम्मान बढ़ाया है। लखनऊ के अलीगंज में हुई एक दुखद घटना के कारण सांस्कृतिक कार्यक्रमों को रद्द करने का निर्णय लिया गया, जो भारतीय संस्कार संस्कृति का हिस्सा था।

निकाह, हलाला ....

25 अप्रैल 2015 को जबरन अजहर नवाज के साथ कराया गया था, तब उसकी उम्र महज 15 वर्ष थी। जनवरी 2016 में पति ने उसे 'तीन तलाक' दे दिया। इसके बाद दोबारा शादी करने के बहाने नवंबर 2016 में पीड़िता को मौलाना की सलाह का झांसा देकर जबरन 'निकाह हलाला' की प्रक्रिया से गुजरने पर मजबूर किया गया। मौलाना कय्यूम ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए, जिसके बाद 2017 में उसका अजहर से दोबारा निकाह हुआ।

इस मामले में बीएनएस की धारा 85, 115(2), 64, 351(2), 61(2)(थ), 70(2), मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 की धारा 3/4 और पॉक्सो एक्ट की धारा 5(द्य)/6 और 17/18 में सैदनगली थाने में एफआईआर दर्ज हुई। साल 2021 में अजहर ने उसे दूसरी बार तीन तलाक दे दिया और दूसरी महिला से शादी कर ली। बाद में जब उसकी दूसरी पत्नी से कोई संतान नहीं हुई तो उसने बेटी का हवाला देकर पीड़िता को तीसरी बार साथ रहने का झांसा दिया।

भारत-बांग्लादेश...

अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। हालांकि, यात्री ट्रेनों के बंद रहने के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए मालगाड़ियों का संचालन जारी रखा गया।

बांग्लादेश में नई सरकार के गठन और हालात में सुधार के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में फिर से गर्माहट आई है। इसी के चलते यात्री ट्रेनों को दोबारा शुरू करने की दिशा में पहल तेज हुई है।

बताया जा रहा है कि हाल ही में दोनों देशों के रेलवे अधिकारियों की दूसरी बैठक में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ट्रेनों के संचालन को लेकर प्रारंभिक सहमति बनी है।

करीब दो साल बाद भारत ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा जारी करना भी फिर से शुरू कर दिया है, जिससे पर्यटन और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक इलाज और अन्य जरूरतों के लिए भारत आते हैं, जो इन ट्रेनों के फिर से शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, रेलवे बोर्ड से हरी झंडी मिलते ही ट्रेनों के संचालन की तारीखों की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। रेल सेवाएं बहाल होने से भारत और बांग्लादेश के बीच न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि द्विपक्षीय व्यापार और सांस्कृतिक संबंध भी और मजबूत होंगे।

उल्लेखनीय है कि, 'मिताली एक्सप्रेस' की शुरुआत 2022 में न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन से ढाका कैंटोनमेंट के बीच हुई थी। 'बंधन एक्सप्रेस' 2017 में कोलकाता से खुलना के बीच शुरू हुई, जबकि भारत और बांग्लादेश के बीच पहली यात्री ट्रेन 'मैत्री एक्सप्रेस' 2008 में कोलकाता और ढाका के बीच शुरू की गई थी।

कानपुर: ...

को टेप करने तथा प्रदूषित जल के प्रवाह को रोकने के लिए चल रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के प्रथम चरण में 14 नालों को टेप करने का कार्य शुरू हो चुका है। इस चरण पर लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराया जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद गंगा में सीधे गिरने वाले प्रदूषित जल में उल्लेखनीय कमी आएगी।

समीक्षा के दौरान सांसद ने अधिकारियों को गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने और सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना कानपुरवासियों की लंबे समय से चली आ रही अपेक्षाओं से जुड़ी है और इसके पूरा होने से शहर में गंगा संरक्षण के प्रयासों को नई गति मिलेगी। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सांसद की ओर से हाल ही में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के समक्ष उठाए गए प्रस्ताव के बाद परियोजना के लिए 138 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के मुख्य अभियंता एस.के. सिंह और गंगा प्रदूषण नियंत्रण परियोजना के प्रबंधक मोहित चक ने बताया कि परियोजना का लक्ष्य जुलाई 2027 तक पूरा करने का है।

तमिलनाडु बजट : ...

योजनाओं को लागू करने से पहले उनके वित्तीय प्रभाव, राजकोषीय बोझ और संसाधनों की उपलब्धता का विस्तृत अध्ययन कर रही है, ताकि लोककल्याण और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके आज आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री विजय ने ग्रामीण विकास विभाग और राजमार्ग विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में ग्रामीण सड़क नेटवर्क के विस्तार, पंचायत स्तर पर आधारभूत सुविधाओं के विकास, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, ग्रामीण रोजगार, संपर्क मार्गों के निर्माण और राज्य के राजमार्गों के आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही राज्य में चल रही सड़क निर्माण परियोजनाओं की प्रगति, नए पुलों और सड़कों के निर्माण, यातायात प्रबंधन तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क व्यवस्था विकसित करने के लिए आवश्यक बजटीय प्रावधानों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, विभागवार समीक्षा बैठकों का यह सिलसिला 22 जुलाई तक जारी रहेगा। इस दौरान लगभग सभी प्रमुख विभागों की योजनाओं, उपलब्धियों, लंबित परियोजनाओं और आगामी वित्तीय आवश्यकताओं की समीक्षा की जाएगी। इन बैठकों से प्राप्त सुझावों और विभागों द्वारा प्रस्तुत वित्तीय मांगों के आधार पर वित्त विभाग अंतिम बजट दस्तावेज तैयार करेगा, जिसे विधानसभा में पेश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विजय की अध्यक्षता में विभागवार समीक्षा बैठकों का दौर गुरुवार से शुरू हुआ था। पहले दिन सहकारिता एवं खाद्य विभाग तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), खाद्यान्न आपूर्ति, सहकारी संस्थाओं के संचालन, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों, राहत एवं पुनर्वास कार्यों तथा राजस्व प्रशासन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री के.ए. सेंगोट्टैयन, वित्त मंत्री मरिया विल्सन, खाद्य मंत्री वेंकटरमणन, सहकारिता मंत्री गांधिराज सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और सचिव उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभागवार प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं की वर्तमान स्थिति, बजटीय आवश्यकताओं और भविष्य की प्राथमिकताओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

समीक्षा बैठकों में राज्य की वर्तमान वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रस्तावों पर चर्चा की जा रही है जिन्हें अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। सरकार अधूरी विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने, लंबित सार्वजनिक सेवाओं में तेजी लाने, आधारभूत संरचना को मजबूत करने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दे रही है।

राम मंदिर...

रामभक्तों के समर्पण, त्याग एवं बलिदान के कारण संपूर्ण हिंदू समाज के लिए श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केंद्र बना है। न्यास के निवेदन पर उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल का गठन कर उसकी अनुशंसा पर क़ानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें कठोर दंड हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।

प्रधानमंत्री ...

नहीं की जा रही है। आखिर किसे बचाने की कोशिश हो रही है?'' नायक ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर निर्माण का श्रेय लिया था, लेकिन अब चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''जब श्रेय लिया है तो चोरी की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। यह जनता के साथ विश्वासघात है।''

कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि बड़े मामलों में अक्सर छोटे लोगों की गिरफ्तारी हो जाती है, जबकि ''बड़ी मछलियों'' को बचा लिया जाता है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में भाजपा के कुछ लोग इसे ''आपसी मामला'' बताकर निपटाने की बात कर रहे हैं, जबकि मंदिर में देश के गरीब से गरीब और अमीर से अमीर व्यक्ति ने अपनी क्षमता के अनुसार चढ़ावा चढ़ाया है। नायक ने कहा, ''यह किसी की बपौती नहीं है। प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर जनता के सामने आकर जवाब देना चाहिए।'' उन्होंने मांग की कि एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और मामले की निष्पक्ष तथा पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए।

बंगाल ....

समय तक सदन की कार्यवाही में उपस्थित रहने और अन्य सदस्यों के विचारों एवं वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक सुनने का आग्रह किया, ताकि संसदीय विमर्श की गुणवत्ता और लोकतांत्रिक संवाद को और मजबूत बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की समृद्ध विरासत, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्ज़ागरण की गौरवशाली परंपरा को फिर से समृद्ध बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा। साथ ही लोकतांत्रिक संवाद को सशक्त बनाते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देना होगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बंगाल की आम जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना प्रत्येक विधायक का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का सपना तभी साकार होगा, जब विकसित बंगाल के निर्माण की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में सहमति और असहमति स्वाभाविक है, लेकिन सभी परिस्थितियों में लोकतंत्र की गरिमा, संसदीय परंपराएं और स्वस्थ संवाद की संस्कृति अक्षुण्ण रहनी चाहिए।

इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी, विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र बोस सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में नवनिर्वाचित विधायकों को संसदीय परंपराओं, सदन की कार्यप्रणाली, संसदीय शिष्टाचार, प्रभावी विधायक की भूमिका, प्रश्नकाल के माध्यम से कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रक्रिया, भारतीय संसद की समिति प्रणाली, विधायी प्रक्रिया, निजी सदस्य विधेयक, बजट प्रक्रिया, संसदीय विशेषाधिकार, नैतिकता तथा डिजिटल संसदीय पहल जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

लोकसभा सचिवालय के लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का समापन शनिवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि के संबोधन के साथ होगा। समापन सत्र में हरियाणा के राज्यपाल आशीम कुमार घोष सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहेंगे।

'स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली' परियोजना सितंबर से

विश्व बैंक 65 प्रतिशत वित्तीय सहायता कराएगा उपलब्ध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार विश्व बैंक के सहयोग से 'स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली' परियोजना सितंबर से शुरू करने जा रही है। यह पर्यावरण विभाग की सात वर्षीय परियोजना है, जिसे विश्व बैंक सहित बहुपक्षीय संस्थाओं के सहयोग से लागू किया जाएगा। इसकी कुल अनुमानित लागत 8,300 करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि परियोजना की तैयारियों को अंतिम रूप देने और सभी हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए 10 जुलाई को एक विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों की भूमिकाएं तय की जाएंगी और कार्यक्रम के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन की रूपरेखा पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना सितंबर 2026 से अगस्त 2033 तक दिल्ली के सभी जिलों में लागू की जाएगी। इसकी कुल अनुमानित लागत 8,300 करोड़ रुपये है, जिसमें 65 प्रतिशत वित्तीय सहायता विश्व बैंक उपलब्ध कराएगा, जबकि 35 प्रतिशत राशि दिल्ली सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के तहत परिवहन, सड़क की धूल, निर्माण एवं ध्वस्तीकरण (सीएंडडी) अपशिष्ट, ठोस कचरा प्रबंधन, उद्योग, हरित क्षेत्र और जल प्रदूषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को दो प्रमुख स्तंभों पर आधारित किया गया है। पहला स्तंभ दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन को मजबूत बनाने पर केंद्रित है। इसके तहत परियोजना के प्रभावी संचालन के लिए एक समर्पित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) बनाई जाएगी। आधुनिक एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग, डेटा एनालिटिक्स और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) आधारित निगरानी प्रणाली विकसित की जाएगी। दूसरा स्तंभ प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने पर केंद्रित है। इसके तहत पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाएगा, सार्वजनिक परिवहन को और बेहतर बनाया जाएगा तथा वाहनों से होने वाले प्रदूषण की निगरानी के लिए अत्याधुनिक प्रदूषण जांच (पीयूसी) प्रणाली विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए दिल्ली सरकार के सभी प्रमुख विभाग और एजेंसियां मिलकर काम करेंगी। इसके अलावा भारत सरकार के आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) और विश्व बैंक भी इस परियोजना के प्रमुख साझेदार होंगे।

धान रोपाई सीजन में किसानों को 20 घंटे तक बिजली सप्लाई दे रहा पीएसपीसीएल

- **सीएमडी डॉ. बसंत गर्ग बोले, 27 से 30 जून के बीच आई कमी की भरपाई के लिए कृषि फीडरों को अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति**

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ने दावा किया है कि राज्यभर के कृषि फीडरों को अब 20 घंटे तक बिजली सप्लाई दी जा रही है। यह कदम धान की रोपाई के पीक सीजन के दौरान कुछ दिनों के लिए हुई बिजली सप्लाई की कमी की भरपाई के लिए उठाया गया है।

पीएसपीसीएल के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. बसंत गर्ग ने कहा कि राज्य में बिजली की स्थिति अब सामान्य हो गई है और

पिछले 24 घंटों के दौरान कृषि फीडरों को 20 घंटे तक बिजली उपलब्ध करवाई गई है। डॉ. गर्ग ने बताया कि 27 जून से 30 जून के बीच कुछ कृषि फीडरों को निर्धारित 8 घंटे की बजाय 6 से 7 घंटे बिजली सप्लाई मिल पाई थी। उन्होंने इसका कारण भीषण गर्मी के दौरान बिजली मांग में अचानक हुई बढ़ोतरी, पावर एक्सचेंज में बिजली की कम उपलब्धता और थर्मल पावर प्लांटों में कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की हड़ताल को बताया, जिससे बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद पीएसपीसीएल की टीमों ने चौबीसों घंटे काम कर किसानों को रोजाना 6 से 7 घंटे बिजली सप्लाई सुनिश्चित की। अब कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हो चुकी है और थर्मल पावर उत्पादन इकाइयां फिर से चालू हो गई हैं, जिसके बाद पंजाब में बिजली सप्लाई पूरी तरह बहाल कर दी गई है। सीएमडी ने कहा कि जिन कृषि फीडरों पर पहले सप्लाई में कमी रही थी, वहां अब अतिरिक्त बिजली दी जा रही है ताकि किसानों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी असाधारण परिस्थिति का खामियाजा नहीं भुगतने दिया जाएगा। धान रोपाई सीजन के दौरान सिंचाई में कोई बाधा न आए, इसके लिए पीएसपीसीएल ने विशेष ऑपरेशनल प्रबंध किए हैं। फील्ड अधिकारियों को फीडर स्तर पर सप्लाई की निगरानी करने, बिजली उपलब्धता को बेहतर ढंग से मैनेज करने और स्थानीय समस्याओं का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. गर्ग ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा पीएसपीसीएल की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और जिन किसानों को पहले सप्लाई में कमी का सामना करना पड़ा, उन्हें अतिरिक्त बिजली देकर उसकी पूरी भरपाई की जाएगी।

महिलाओं के खातों में 51 महीने का बकाया 51 हजार तुरंत डाले मान सरकार : केवल सिंह ढिल्लों

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने मांग की कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के शासन के 51 महीनों का कुल बकाया 51 हजार रुपये तुरंत महिलाओं के खातों में स्थानांतरित किया जाए।

प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी की उपस्थिति में ढिल्लों ने आम आदमी पार्टी के रवैये को पंजाब की महिलाओं के साथ ऐतिहासिक विश्वासघात करार दिया और कहा कि भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल की सहमति से महिलाओं को दो स्तरों पर धोखा दिया है। ढिल्लों ने कहा कि पार्टी ने झूठे दावों और प्रचार के माध्यम से लोगों को गुमराह करने की कला में महारत हासिल कर ली है। ढिल्लों ने याद दिलाया कि मोगा रैली में केजरीवाल का वादा पंजाब की महिलाओं को गुमराह करने और झूठी गारंटियों के माध्यम से वोट हासिल करने का एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होता है। ढिल्लों ने आगे कहा कि जब केजरीवाल से पूछा गया था कि इस योजना के लिए धन कहां से आएगा, तब उन्होंने दावा किया था कि पैसों की कोई कमी नहीं है और 20 हजार करोड़ रुपये के अवैध रेत खनन को रोककर इस योजना को वित्तपोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप के सत्ता में आने के बाद अवैध खनन रुका नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ गया है। केजरीवाल के अपने ही पैमाने पर यह भगवंत मान और आप नेताओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा पंजाब की महिलाओं के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी, जब तक कि केजरीवाल की गारंटी अनुसार हर रुपया उनके बैंक खातों तक नहीं पहुंच जाता।

मुख्यमंत्री धामी ने 187 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

बोले- सरकारी सेवा अधिकार नहीं, जनसेवा का संकल्प है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूकेपीएससी) की पीसीएस मुख्य परीक्षा-2024 में चयनित 182 अभ्यर्थियों तथा कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग में वैयक्तिक सहायक के पद पर चयनित पांच अभ्यर्थियों सहित कुल 187 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवचयनित अधिकारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र केवल सरकारी नौकरी प्राप्त करने का प्रमाण-पत्र नहीं है, बल्कि यह राज्य की सवा करोड़ जनता के विश्वास, अपेक्षाओं और सेवा के दायित्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकसेवक की वास्तविक पहचान उसके पद से नहीं, बल्कि जनता के प्रति उसके व्यवहार, कार्यशैली और सेवा भावना से होती है। उन्होंने नवचयनित अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रशासन का उद्देश्य जनता पर शासन करना नहीं, बल्कि उसकी समस्याओं का समाधान करना और उसके जीवन को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ करें, ताकि आम नागरिकों का शासन व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाले लोगों का उल्लेख करते हुए कहा कि कई नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लंबी दूरी तय कर सरकारी कार्यालयों तक पहुंचते हैं। ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को कार्यालयों में सम्मानजनक व्यवहार, सहज संवाद और त्वरित समाधान मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनें और नियमों के अनुरूप शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की पीसीएस मुख्य परीक्षा-2024 के लिए लगभग डेढ़ लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जबकि 71 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। कठिन और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद 182 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। उन्होंने कहा कि यह सफलता चयनित युवाओं की मेहनत, अनुशासन, धैर्य और प्रतिभा का परिणाम है तथा यह अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

प्रो. योगेश सिंह दूसरे कार्यकाल के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए कुलपति के तौर पर फिर से नियुक्त किया है। शिक्षा मंत्रालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह की पुनर्नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विश्वविद्यालय की विजिटर के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए प्रो. सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय का कुलपति दूसरी बार नियुक्त किया है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रो. योगेश सिंह का दूसरा कार्यकाल आठ अक्टूबर से प्रभावी होगा। उनका नया कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। शिक्षा मंत्रालय की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि कुलपति के रूप में प्रो. योगेश सिंह की सेवा की शर्तें विश्वविद्यालय अधिनियम, विधियों और अध्यादेशों के अनुसार होंगी।

भरत तिवारी की कथित हत्या के दोषी अधिकारियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी: चिराग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भोजपुर। जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के भोजपुर जिले में भरत तिवारी की कथित हत्या के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी। चिराग, भोजपुर के बिलौटी गांव जाकर पुलिस मुठभेड़ में मारे गए भरत तिवारी के परिजनों के मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। मंत्री ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की आवाज़ को पूरी मजबूती के साथ संबंधित मंचों तक पहुंचाया जाएगा और न्याय सुनिश्चित कराने की दिशा में हर आवश्यक पहल की जाएगी। स्थानीय सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता भरत तिवारी को प्रशासन ने 'मानसिक रूप से अस्थिर' बताया था। 17 जून को सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट के संबंध में पूछताछ के लिए पुलिस दल उनके घर पहुंचा था, जहां गोली लगने से उनकी मौत हो गई। इस मुठभेड़ के बाद व्यापक जनाक्रोश पैदा हो गया। इसके चलते बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए। वहीं, विपक्षी दल जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मांग की है कि जांच पटना उच्च न्यायालय के किसी सेवारत न्यायाधीश से कराई जाए, न कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश से। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। पासवान ने भोजपुर में तिवारी के पैतृक गांव के दौरे के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''जिन लोगों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है, वे कानून को अपने हाथ में

नहीं ले सकते। रक्षक को भक्षक बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भरत तिवारी की हत्या के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है और इस संबंध में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी बात करेंगे। पासवान ने कहा, ''भरत तिवारी के परिवार को निष्पक्ष जांच और न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैंने अमित शाह जी से मुलाकात की है और हमारी बातचीत की पूरी जानकारी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दूंगा। उन्होंने कहा कि दोषियों की पहचान कर उन्हें सजा दिलाना आवश्यक है, ताकि लोगों का कानून-व्यवस्था व्यवस्था पर भरोसा बना रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि भरत तिवारी जी आत्मसमर्पण करने का प्रयास कर रहे थे। उन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ की जा सकती थी, लेकिन किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए था। तिवारी की कथित हत्या के आरोपी एक पुलिस अधिकारी को पदोन्नति दिए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल पर पासवान ने कहा कि यह ''पूरी तरह अस्वीकार्य'' है। उन्होंने कहा, ''यदि किसी आरोपी अधिकारी को पदोन्नति दी जाती है तो मैं इस संबंध में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बात करूंगा। हत्या के आरोपी अधिकारी को पदोन्नत किया जाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। पासवान ने भरोसा दिलाया कि मामले की जांच ऐसी एजेंसी को सौंपी जाएगी, जिस पर भारत तिवारी के परिजनों को विश्वास हो।

मुख्यमंत्री 'मावां धीयां सत्कार योजना' के नाम पर साइबर ठगी की कोशिश पंजाब पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से 'मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना' शुरू किए जाने के एक दिन बाद ही साइबर ठगों ने इस योजना के नाम पर लोगों, खासकर महिलाओं को निशाना बनाने की कोशिश शुरू कर दी है। प्रदेश के कई हिस्सों से लोगों ने व्हाट्सएप संदेश और फोन कॉल मिलने की बात कही है, जिनमें योजना के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने के नाम पर फर्जी लिंक भेजे जा रहे हैं। इन संदेशों में दावा किया जा रहा है कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने और 24 घंटे के भीतर योजना की राशि प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करना जरूरी है। बताया जा रहा है कि ऐसे लिंक में एपीके फाइल या स्क्रीन-मिररिंग सॉफ्टवेयर हो सकता है, जिसके जरिए मोबाइल फोन हैक किया जा सकता है। लिंक पर क्लिक करने के बाद ठग मोबाइल में मौजूद बैंकिंग जानकारी और अन्य निजी डाटा तक पहुंच बनाकर खाते से पैसे निकाल सकते हैं। साइबर ठगी की आशंका को देखते हुए पंजाब पुलिस ने जागरूकता अभियान शुरू किया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और अज्ञात कॉलर के साथ बैंक खाते, ओटीपी, आधार या अन्य निजी जानकारी साझा न करें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभी तक मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना के नाम पर साइबर फ्रॉड का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

बांकीपुर उपचुनाव : भाजपा के अभेद्य गढ़ में प्रशांत किशोर की चुनौती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- **क्या 45 साल पुराना किला बचा पाएगी बीजेपी?**

पटना। पटना की हाई-प्रोफाइल बांकीपुर विधानसभा सीट (182) पर उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। यह उपचुनाव केवल एक विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे बिहार की राजनीति का प्रतिष्ठा का मुकाबला माना जा रहा है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने चार दशक से अधिक पुराने गढ़ को बचाने की चुनौती का सामना कर रही है, वहीं दूसरी ओर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर इसे अपनी राजनीतिक साख और विधानसभा में संभावित प्रवेश के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक मतदाता सूची के अनुसार, बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,78,268 पंजीकृत मतदाता हैं। इनमें 1,99,591 पुरुष, 1,78,653 महिला तथा 24 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफ़े के बाद यह सीट रिक्त हुई है। निर्वाचन आयोग की ओर से घोषित कार्यक्रम के अनुसार 6 जुलाई 2026 से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी, 13 जुलाई नामांकन की अंतिम तिथि होगी, 30 जुलाई को मतदान कराया जाएगा तथा 3 अगस्त 2026 को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र पिछले लगभग 45 वर्षों से भाजपा का सबसे मजबूत शहरी गढ़ माना जाता है। इस सीट का राजनीतिक इतिहास भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की मजबूत संगठनात्मक पकड़ का गवाह रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पिता स्वर्गीय नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा इस क्षेत्र का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व करते

रहे और चार बार विधायक चुने गए। उनके निधन के बाद वर्ष 2006 के उपचुनाव में नितिन नवीन पहली बार विधायक बने और तब से लगातार इस सीट पर जीत दर्ज करते रहे। लगातार कई चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद वर्ष 2026 में भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नवीन ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके कारण यह उपचुनाव हो रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा इस प्रतिष्ठित सीट पर अपना कब्जा बरकरार रख पाएगी या विपक्ष उसके अभेद्य गढ़ में सेंध लगाने में सफल होगा। बांकीपुर उपचुनाव को लेकर जन सुराज ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी की ओर से लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। बाकरगंज समेत कई इलाकों में बैठकें आयोजित की जा रही हैं और स्थानीय लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर फीडबैक लिया जा रहा है। हाल ही में पटना में आयोजित एक सभा के दौरान जब प्रशांत किशोर से पूछा गया कि क्या वे बांकीपुर से चुनाव लड़ेंगे, तो उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि भाजपा को हराने के लिए जो भी करना पड़ेगा, वह करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां बनीं तो वे स्वयं चुनाव मैदान में उतरने से भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की राजनीति में बदलाव के लिए वे हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। प्रशांत किशोर इससे पहले भी सार्वजनिक मंचों से यह स्पष्ट कर चुके हैं कि वे बिहार छोड़कर कहीं नहीं जाने वाले हैं और राज्य की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। ऐसे में यदि वे स्वयं चुनाव लड़ते हैं तो यह उपचुनाव राज्य की सबसे चर्चित राजनीतिक लड़ाइयों में बदल सकता है। जन सुराज की ओर से प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती की मौजूदगी में लगातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता स्थानीय सामाजिक समूहों, व्यापारिक संगठनों और मोहल्ला समितियों से संवाद स्थापित कर रहे हैं। पार्टी का दावा है कि वह उम्मीदवार चयन से पहले व्यापक जनमत और स्थानीय फीडबैक के आधार पर निर्णय लेगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि जन सुराज को सकारात्मक संकेत मिलते हैं तो प्रशांत किशोर स्वयं उम्मीदवार बन सकते हैं। ऐसा होने पर चुनाव सीधे भाजपा बनाम प्रशांत किशोर की प्रतिष्ठा की लड़ाई बन जाएगा। पटना नगर निगम के कई प्रमुख वार्डों को समेटने वाली यह सीट पूरी तरह शहरी स्वरूप की है

बांकीपुर का राजनीतिक इतिहास

बांकीपुर विधानसभा सीट का वर्तमान स्वरूप वर्ष 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया। इससे पहले इस क्षेत्र का बड़ा हिस्सा पटना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शामिल था। यह इलाका लंबे समय से भाजपा का प्रभाव क्षेत्र माना जाता रहा है। नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा और बाद में नितिन नवीन ने इस क्षेत्र में मजबूत राजनीतिक आधार तैयार किया। लगातार चुनावी जीत, संगठनात्मक मजबूती और शहरी मतदाताओं के बीच भाजपा की स्वीकार्यता ने इस सीट को पार्टी के सबसे सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में शामिल कर दिया।

पिछले चुनावों के नतीजे

वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के पुत्र लव सिन्हा को उम्मीदवार बनाया था, जबकि पुष्पम प्रिया चौधरी भी चुनाव मैदान में थीं। इसके बावजूद नितिन नवीन ने भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज की। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा कुमारी को 50 हजार से अधिक मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। इससे स्पष्ट होता है कि हाल के वर्षों में भी बांकीपुर में भाजपा का जनाधार मजबूत बना हुआ है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063